किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

दैनिक हिन्दी समाचार समाज जागरण RNI NO. UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 59 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 08 दिसम्बर 2025 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

"भारत को चाहिए सनातनी, तनातनी नहीं"- बागेश्वर धाम

कोलकाता, पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की राजधानी

कोलकाता में आज एक ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला, जब सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में करीब 5 लाख लोगों ने एक साथ श्रीमद्भगवद् गीता का पाठ किया। इस विशाल कार्यक्रम में संत समाज, अनुयायी, युवा और महिलाएं भारी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा:

"आज पश्चिम बंगाल की पवित्र धरती कोलकाता में 5 लाख लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। जोश और आस्था का सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो।"

उन्होंने आगे कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक एकता और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

अपील करते हुए शास्त्री ने कहा: "भारत में हमें 'सनातनी' चाहिए, 'तनातनी' नहीं। भारत में हमें 'भगवा-ए-हिंद' चाहिए, 'गजवा-ए-हिंद' नहीं। सनातन एकता ही इस देश और दुनिया के लिए शांति का सबसे बड़ा जरिया है।"

इस आयोजन को लेकर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रिया की बाढ़ आ गई है और कई लोग इसे सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्ण अवसर बता रहे हैं।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें:

5 लाख श्रद्धालुओं का सामूहिक भागीदारी

गीता पाठ में सभी आयु वर्ग के लोग शामिल

संत समाज और कई सामाजिक संगठनों की उपस्थिति

सोशल मीडिया पर कार्यक्रम वायरल

एआई और मशीन लर्निंग से भारत का विद्युत सेक्टर होगा स्मार्ट : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

समाज जागरण

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने आज रविवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकें आने वाले समय में भारत के विद्युत वितरण तंत्र को पूरी तरह बदल देंगी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने बताया कि ये तकनीकें बिजली नेटवर्क को अधिक स्मार्ट, उपभोक्ता-केंद्रित और स्वयं अनुकूल बनने में मदद करेंगी। उनके अनुसार एआई और मशीन लर्निंग से विद्युत व्यवस्था न केवल तेज होगी, बल्कि उपभोक्ताओं का अनुभव भी बेहतर होगा।

केंद्रीय मंत्री ने विस्तार से बताया कि स्मार्ट मीटर विश्लेषण, डिजिटल ट्विन, प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस, बिजली चोरी का पता लगाने वाली प्रणाली, उपकरण-स्तर की बिजली खपत की जानकारी, आउटेज पूवार्नुमान और जनरेटिव-एआई आधारित निर्णय-सहायता जैसे समाधानों से वितरण कंपनियों की कार्यक्षमता कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों के इस्तेमाल से उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय बिजली मिलेगी, कटौतियाँ कम होंगी और बिजली खरीद लागत में भी कमी आएगी।

कार्यक्रम में मनोहर लाल ने सभी वितरण कंपनियों, तकनीकी भागीदारों, नवाचारकताओं और शैक्षणिक संस्थानों से मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों को लेकर फैल रही गलतफहमियों और अफवाहों को दूर करना जरूरी है, ताकि लोग AI और ML आधारित समाधानों पर विश्वास कर सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सही जानकारी और पारदर्शिता के साथ ये तकनीकें घर-घर तक बिजली प्रबंधन को सरल और सुरक्षित बना सकती हैं।

इस सम्मेलन में राष्ट्रीय नवाचार चुनौती के तहत कुल 195 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें वितरण कंपनियाँ, एडवांस मीटरिंग सेवा प्रदाता, टेक्नोलॉजी कंपनियाँ और होम-ऑटोमेशन संस्थाएँ शामिल थीं। कई चरणों की जांच के बाद तमिलनाडु की टीएनपीडीसीएल और मध्य प्रदेश की एमपी ईस्ट को DISCOM श्रेणी में विजेता चुना गया। अटक्रढ श्रेणी में टाटा पावर और अप्रावा, समाधान प्रदाता श्रेणी में प्रवाह और फ्लॉक एनर्जी तथा होम-ऑटोमेशन श्रेणी में टाटा पावर ने जीत हासिल की। इन विजेताओं ने स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, राजस्व सुरक्षा, मांग प्रबंधन और ग्रिड इंटेलिजेंस जैसे समाधान प्रस्तुत किए।

सम्मेलन के दौरान मंत्री ने "स्टैलर" नामक संसाधन पर्याप्तता योजना उपकरण को भी लॉन्च किया, जिसे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने तैयार किया है। यह उपकरण वितरण कंपनियों को भविष्य की बिजली मांग का सटीक अनुमान लगाने में मदद करेगा। साथ ही इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम ने भी बिजली क्षेत्र में उपयोग होने वाले अक्, टछ, अफ/श्फ और रोबोटिक्स समाधानों पर आधारित एक हैंडबुक जारी की, जिसमें कुल 174 उपयोग-मामले शामिल किए गए हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बन रहा है भारत : पीएम मोदी

समाज जागरण

नई दिल्ली में आयोजित हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत "ग्लोबल ग्रोथ इंजन" के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत ने 8 प्रतिशत से अधिक GDP वृद्धि दर्ज की है, जबकि दुनिया की विकास दर लगभग 3 प्रतिशत

और G7 देशों की वृद्धि दर सिर्फ 1-1.5 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा कि भारत आज "हाई ग्रोथ और लो इन्फ्लेशन" का उदाहरण बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की प्रगति का आधार देश की क्षमता, संकल्प और चुनौतियों का समाधान खोजने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि सरकार उन क्षेत्रों और समूहों पर विशेष ध्यान दे रही है जिनकी क्षमता का दशकों तक उपयोग नहीं हुआ-जैसे पूर्वी भारत, उत्तर-पूर्व, छोटे शहर, महिलाएं, युवा और अंतरिक्ष क्षेत्र।

राजनाथ सिंह ने लद्दाख में 5,000 करोड़ रुपये की 125 प्रमुख सीमा परियोजनाओं का किया उद्घाटन, सीमा सुरक्षा होगी मजबूत

समाज जागरण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लद्दाख से सीमा सड़कों संगठन की 125 रणनीतिक परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह एक ही समय में उद्घाटित की गई सबसे अधिक परियोजनाएं हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और 4 अन्य परियोजनाएं शामिल हैं, जो दो केंद्र शासित प्रदेशों-लद्दाख और

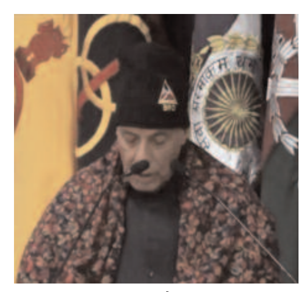

जम्मू-कश्मीर और सात राज्यों अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम में फैली हैं। इन सभी परियोजनाओं को लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी मार्ग पर स्थित रणनीतिक श्योक सुरंग का उद्घाटन रहा। 920 मीटर लंबी यह कट-एंड-कवर सुरंग दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्रों में बनी इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह सुरंग अब पूरे वर्ष, खासकर कठोर सर्दियों के दौरान, सुरक्षित और भरोसेमंद आवाजाही सुनिश्चित करेगी। इससे दूरस्थ गांवों और अग्रिम सैन्य चौकियों तक आखिरी छोर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और सुरक्षा व त्वरित तैनाती क्षमता में बड़ा सुधार आएगा।

इंडिगो फ्लाइट रद्द होने पर भारतीय रेलवे ने 89 विशेष ट्रेनें चलाई, यात्री दबाव को किया कम

इंडिगो एयरलाइन की कई उड़ानों के रद्द होने और सर्दियों के मौसम में यात्रा के बढ़ते दबाव को देखते हुए भारतीय रेलवे ने शनिवार को 89 विशेष ट्रेन सेवाओं की घोषणा की है। ये सेवाएं अगले तीन दिनों में 100 से अधिक यात्राओं को कवर करेंगी और प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, पुणे, हावड़ा और हैदराबाद में यात्री दबाव को कम करने के लिए चलाई जा रही हैं।

सेंट्रल रेलवे ने 14 विशेष ट्रेनें संचालित करने की घोषणा की है, जो पुणे, बेंगलुरु, हजरत निजामुद्दीन, मडगांव, लखनऊ, नागपुर, गोरखपुर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस से जुड़ेंगी। ये ट्रेनें 6 से 12 दिसंबर के बीच चलेंगी। दक्षिण-पूर्व रेलवे ने सांत्रागाची से येलाहंका, हावड़ा से

मुंबई CSMT और चेरलापल्ली से शालिमार तक सेवाओं की घोषणा की है, जो 6 से 9 दिसंबर तक चलेंगी। दक्षिण-केंद्र रेलवे (South Central Railway) ने 6 दिसंबर को चेरलापल्ली से शालीमार, सिकंदराबाद से चेन्नई इग्मोर और हैदराबाद से मुंबई LTT तक तीन विशेष ट्रेनें चलाईं।

पूर्व रेलवे हावड़ा, नई दिल्ली, सीलदाह और मुंबई के बीच विशेष ट्रेनें चला रहा है, जो 6 से 9 दिसंबर तक चलेंगी। पश्चिम रेल ने मुंबई सेंट्रल और भिवानी, मुंबई सेंट्रल और शकुर बस्ती, तथा बांद्रा टर्मिनस और दुगार्पुरा के बीच सात विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इनकी बुकिंग पहले ही खुल चुकी है। गोरखपुर से अतिरिक्त सेवाएं भी संचालित की जाएंगी, जो 7 से 9 दिसंबर के बीच आनंद विहार टर्मिनल और लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक चलेंगी। बिहार के यात्रियों की सुविधा के लिए ईस्ट सेंट्रल रेलवे पटना और दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तक ट्रेनें चला रहा है, जो 6 से 9 दिसंबर तक चलेंगी।

उत्तरी-पश्चिम रेलवे ने हिसार और खड़की, तथा दुगार्पुरा और बांद्रा टर्मिनस के बीच 7 और 8 दिसंबर को विशेष एक-बारगी ट्रेनें संचालित करने का निर्णय लिया है। उत्तरी रेलवे नई दिल्ली-उधमपुर वंदे भारत सेवा 6 दिसंबर को चला रहा है। इसके अलावा, नई दिल्ली से मुंबई सेंट्रल, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल और अन्य स्थानों तक भी विशेष ट्रेनें चलेंगी। रेल मंत्रालय ने कहा कि इन अतिरिक्त सेवाओं का उद्देश्य यात्रियों की निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करना और हवाई यात्रा में रुकावट के कारण बढ़ी मांग को पूरा करना है।

ट्रंप की राह पर मैक्रों, चीन में जाकर जिनपिंग को दी धमकी, लेकिन भारत के लिए गोल्डन चांस

समाज जागरण

पेरिस/बीजिंग. ग्लोबल ट्रेड वॉर के मैदान में अब एक और बड़ा खिलाड़ी कूद पड़ा है. डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की तलवार लहराने के बाद, अब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी चीन को उसी भाषा में जवाब देने की ठान ली है. मैक्रों ने बीजिंग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर चीन ने यूरोप के साथ अपने बढ़ते व्यापार घाटे को कम नहीं किया, तो यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका की तर्ज पर चीनी सामानों पर भारी टैरिफ लगाने से पीछे नहीं हटेगा. फ्रांसीसी अखबार लेस इकोस को दिए एक धमाकेदार इंटरव्यू में मैक्रों ने अपनी हालिया चीन यात्रा के दौरान हुई वाताओं का खुलासा किया. उन्होंने इसे यूरोपीय उद्योग के लिए जीवन और मृत्यु का सवाल बताया है. इसके साथ ही उन्होंने नई डील का ऑफर भी दिया है. यह भारत के लिए गोल्डन चांस की तरह है.

मैक्रों का सबसे तीखा हमला चीन की एकतरफा व्यापार नीति पर था. उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि मैंने चीनी लीडरशिप को समझाने की कोशिश की कि उनका मौजूदा ट्रेड सरप्लस अस्थिर है.

मैक्रों ने कहा, चीन अपने ही ग्राहकों को मार रहा है. वे हमसे सामान खरीदना बंद कर चुके हैं, लेकिन अपना सामान हमें बेचे जा रहे हैं. अगर ग्राहक ही आर्थिक रूप से कमजोर हो जाएगा, तो चीन अपना माल किसे बेचेगा? यह बयान इस बात का संकेत है कि यूरोप अब चीन के डंपिंग ग्राउंड बनने को तैयार नहीं है. मैक्रों ने साफ कर दिया कि व्यापार दोतरफा रास्ता है, और मौजूदा असंतुलन अब बर्दाश्त के बाहर है.

'आने वाले महीनों में कड़े कदम उठाएंगे'

मैक्रों ने अपनी बातचीत में केवल शिकायतें नहीं कीं, बल्कि एक समय सीमा के साथ धमकी भी दी. उन्होंने कहा, मैंने उन्हें (चीन को) बता दिया है कि अगर वे प्रतिक्रिया नहीं देते हैं और हालात नहीं सुधारते, तो हम यूरोपीय लोग मजबूर हो जाएंगे. आने वाले महीनों में हमें अमेरिका का उदाहरण फॉलो करना पड़ेगा और चीनी उत्पादों पर सख्त टैरिफ लगाने जैसे कड़े कदम उठाने पड़ेंगे. यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक यूरोप, अमेरिका की तुलना में चीन के प्रति थोड़ा नरम रुख अपनाता रहा है. लेकिन मैक्रों का यह बयान 'सॉफ्ट डिप्लोमेसी' के अंत का संकेत है.

इंडिगो क्राइसिस पर बड़ा अपडेट: ₹610 करोड़ का रिफंड प्रोसेस

समाज जागरण

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोलकाता समेत देश के लगभग सभी बड़े एयरपोर्ट रविवार को बस स्टैंड जैसे नजर आए. इंडिगो फ्लाइट्स के एक के बाद एक कैंसिल होने से अफरा-तफरी मची रही. कई यात्री तो घंटों तक वहीं बैठ गए, क्योंकि एयरलाइंस उनके बैग पहले ही ले चुकी थी. लोगों का कहना था कि वे घर भी लौटना चाहें तो लौट नहीं पा रहे. देर रात

DGCA ने इंडिगो को शो-कॉज नोटिस जारी किया, जबकि सरकार ने बढ़े हुए एयरफेयर पर लगाम लगाने के लिए एडवाइजरी भी निकाली.

इंडिगो बोली: 95% ऑपरेशन नॉर्मल, मगर लोगों का दर्द बड़ा

लेटेस्ट अपडेट में इंडिगो ने दावा किया है कि उसके 95% रूट पर ऑपरेशन नॉर्मल हो चुका है. लेकिन 3 दिसंबर से जारी इस संकट ने लाखों लोगों की प्लानिंग चौपट कर दी. किसी का इंटरव्यू छूटा, किसी की एग्जाम, तो कोई अपनी ही रिसेप्शन में नहीं पहुंच सका. 2000 से ज्यादा फ्लाइट रद्द होने से हालात बेकाबू बने रहे. हालांकि शनिवार देर रात ज्यादातर एयरपोर्ट्स पर स्थिति को सामान्य बताकर तस्वीरें जारी की गईं, मगर यात्री अब भी नाराज हैं

लखनऊ: "देशज 2025" में मालिनी अवस्थी ने कहा – अलग-अलग राज्यों के कलाकारों को जोड़ने का प्रयास

लखनऊ, उत्तर प्रदेश: "देशज 2025" कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि इस मंच पर पूरे भारत के कलाकारों को आमंत्रित किया जाता है। उनका उद्देश्य है कि हर साल कम से कम 12 से 16 कलाकारों के समूह यहां हिस्सा लें। मालिनी अवस्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मकसद "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के संदेश को फैलाना है और सभी कलाकारों को एक ही मंच पर लाकर उनकी कला दिखाना है।

सुधा मूर्ति ने कहा: बच्चों का बचपन सोशल मीडिया के लिए न बेचें, माता-पिता हो रहे हैं 'मनोरंजनकर्ता'

समाज जागरण

नई दिल्ली: प्रसिद्ध लेखक और समाजसेवी सुधा मूर्ति ने माता-पिता को चेतावनी दी है कि अपने बच्चों को ऑनलाइन कंटेंट मशीन बनाने की प्रवृत्ति उनकी मानसिक और भावनात्मक वृद्धि के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि आजकल माताझपिता हर बच्चे की हँसी, रोना और मूड स्विंग को कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं, जिससे बचपन "प्रदर्शन" का शिकार बन गया है। सुधा मूर्ति ने सरकार से आग्रह किया है कि बच्चों को ऑनलाइन शोपीस की तरह पेश करने पर सख्त कानून बनाए जाएँ। उन्होंने कहा:

बच्चों के क्यूट वीडियो उनके प्राइवेसी के हत्यारे हैं।

लाइक्स और व्यूज के लिए बच्चों को नचाना या गाना गवाना मानसिक शोषण है। लगातार कंटेंट बनाने की आदत उन्हें

एटेंशन एडिक्शन और आइडेंटिटी क्राइसिस की ओर ले जाती है। हर चीज को कैमरे में ठूस देना उन्हें यह सिखाता है कि प्यार तभी मिलता है जब वे "परफॉर्म" करें।

सुधा मूर्ति ने साफ किया कि बच्चे सोशल मीडिया की मुद्रा नहीं हैं, और उनका बचपन बेचने का कोई अधिकार माताझ पिता को नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आज कंटेंट है, कल वही बच्चा खोई हुई मासूमियत, चिंता और मान्यता की भूख से जूझ सकता है।

ईमानदारी और निर्भयता से जीना क्या इतना कष्टप्रद हो रहा?

(अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस विशेष - 9 दिसंबर 2025)

जब कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तब वह केवल अपना स्वार्थ साबित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य का हक अनुचित तरीके से छिनता है, देश के विकास और सुव्यवस्था में अड़चने पैदा करता है, समाज में अपराध के बीज बोता है, साथ ही अन्याय करके पीड़ितों के सपनों को कुचलता है, जिसका असर संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, भ्रष्टाचार के कारण कई बार पूरे समाज को दशकों तक दुःख-दर्द झेलना पड़ता हैं। भ्रष्टाचार के कारण असंख्य मासूम जिंदगियां बर्बाद हो जाती है, संघर्षमय जीवन का चक्र अतितीव्र होते जाता हैं। सभी नागरिकों को विकसित होने का मौका मिलता है, समाज के हर वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार प्रयत्नशील रहती हैं। कानून और सरकारी यंत्रणा इसके मजबूत स्तंभ है, जो हर पायदान पर नागरिकों के अधिकारों, सरकारी कार्यों एवं उपक्रमों का योग्य क्रियान्वयन कर विकास की नित नई कहानी लिखते हैं। अगर इस सुशासन में एक भी कड़ी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ कर खुद के स्वार्थ के लिए कार्य करने लगे तो, संबंधित अनेक विभागों के लिए वह नासूर का काम करता है और धीरे-धीरे पूरे विभाग को खोखला कर देता हैं। ऐसा भ्रष्ट सरकारी कर्मचारी या पदाधिकारी समाज, सरकार, देश और समस्त मानवजाती का दुश्मन होता हैं। बहुत बार खबरों में देश के कई मामूली सरकारी कर्मचारी, नेता धनकुबेर जैसे अरबों का धन छुपाये बैठे है, ऐसा पता चलता हैं।

हमारा समाज और हम आधुनिकता का दम भरने वाले निकृष्ट सोच वाली विचारधारा के लोग किस विश्वसनीयता के स्तर पर आ गए है? मौलिकता, नैतिकता, सहजता, जागरूकता, नीतिमत्ता, निस्वार्थता, परोपकारिता, संस्कारशीलता, ईमानदारी को छोड़कर बुराई, कपट और स्वार्थ प्रवृत्ति को तेजी से अपना रहे हैं। लोगों की सोच ऐसी बन गई है कि, अनुचित कार्य या अपराध होने पर भी लोग अपराधी का पक्ष लेने के लिए उतारू हो जाते हैं। कुछ दिन पूर्व मैं एक शख्स से मिला, उस शख्स ने पैसे को लेकर अपने विचार मुझसे साझा किये, उन्होंने कहा कि, पैसा ही भगवान है, पैसा ही सब कुछ है, चाहे वह किसी भी मार्ग से आये, पैसे से इज्जत, शोहरत, नाम होता है, हर चीज खरीद सकते है, हर कोई अपने स्वार्थ के लिए जी रहा है, तो हम क्यों ईमानदारी दिखाए? कोई नहीं पूछता कि पैसा किस मार्ग से कमाया, पैसे के लिए अपराध करों, जेल जाओ, सजा भुगतो, लेकिन पैसा आने के बाद लोग आपके अपराध भी भूल जाते है, उन्हें सिर्फ पैसा दिखाई देता हैं। लोगों की इतनी खराब सोच तो सीधे-सीधे देश में कानून व्यवस्था को झुठलाकर अपराधीकरण को बढ़ावा देनेवाली है, ऐसे में तो हर ओर जंगलराज स्थापित होगा। आज देश में इस प्रकार के विचारधारा के लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही हैं। देश में हम कई बार देखते है कि चुनाव में संगीन गुनाहों के अपराधी उम्मीदवार को भी जनता चुनकर लाती है और दूसरी ओर उच्च शिक्षित निरपराध ईमानदार समाजसेवी उम्मीदवार की जमानत भी जप्त हो जाती हैं।

हमारे आसपास समस्याओं का अंबार लगा है, अक्सर भ्रष्टाचार और अनियमितता का बोलबाला हर ओर हम देखते है, अधिकतर लोग बुराई के खिलाफ आवाज उठाना पसंद नहीं करते। सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की गैर जिम्मेदाराना हरकतों के कारण बहुत बार हादसे भी होते है, जिसमे जान-माल का भारी नुकसान होता हैं। हर साल देखते है कि, पहली बरसात में ही सड़कें सरकारी दावों की पोल खोल देती हैं। अरबों रुपये खर्च करके चलने वाली योजनाएं कुछ समय में ही दम तोड़ देती है, तय समयावधि में काम पुरे नहीं होते और उस कार्य का बजट बढ़ते जाता हैं। देश में आर्थिक विषमता की दूरी लगातार बढ़ ही रही हैं। अपने फायदे के लिए पार्टियां बदलने वाले राजनीतिक नेता दूसरों पर दोष मढ़ते हैं। सरकार के एक भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में देरी अनेक बार मासूमो की जान ले सकती है, भले ही मरने के बाद मृतक के परिवार को थोडासी आर्थिक सहायता दी जाती हो, परंतु मृतक की जान तो लौटकर नहीं आती हैं। हमारे देश में जितने गरीब किसान आत्महत्या करते है उतने किसी भी दूसरे देश में आत्महत्या नहीं करते, इसके मुकाबले कोई भी अन्य पेशेवर व्यवसायी भी इतनी बड़ी संख्या में आत्महत्याएं नहीं करते। चाहे कितने ही घोटाले या आपराधिक गतिविधियों में नाम आ जाए फिर भी देश को चलाने वाले नेता लोग इतना तनाव भी नहीं लेते कि आत्महत्या करनी पड़े।

ईमानदार व्यक्ति के हाथों अनजाने में छोटी सी भूल भी हो जाये तो बहुत पछतावा महसूस करते है, परंतु अनुचित तरीके से लाभ प्राप्त करने वाले भ्रष्ट लोग सुकून से जी कैसे लेते है? लोगों से नजरे मिलाकर स्वाभिमान से बात कैसे कर लेते है? परिवार, रिश्ते, अपनों के सामने आदर्श कैसे स्थापित करते है? क्या लोगों का जमीर मर चुका है? वस्तुएं, सेवाएं, रिश्ते-नाते में भी अब मिलावट नजर आता है, कब कौन धोखा दे जाये, कह नहीं सकते। आत्मसन्मान, इंसानियत, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता, सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिकता का कोई मोल नहीं बचा? लोगों को दुख देकर बदले में हम अपना सुख खरीद नहीं सकते। सुकून भरी नींद, स्वाभाविक खुशी, निस्वार्थ प्रेम, मानसिक शांति और समाधानी मन से बढ़कर जीवन में कुछ अन्य की जरुरत नही है, यही असली आनंद है, जो हमें अपने आचरण द्वारा प्राप्त होता हैं। रोजाना अखबार और समाचार चैनलों पर बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार की खबरे रहती हैं। हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी भ्रष्टाचार का दंश झेलते हुए आगे बढे है, भ्रष्टता सम्पूर्ण व्यवस्था को खत्म करने की ताकत रखती है, अगर इसे सत्ता की ताकत मिल जायें तो उस देश को बबार्दी से कोई नहीं बचा सकता।

लोग जागरूक बनें, अपने अधिकार और कर्तव्य को समझें। इंसान के रूप में जन्म लिया है तो इंसानियत का फर्ज निभाएं। दूसरे का हक छीन कर नहीं बल्कि ईमानदार और परोपकारी की भूमिका निभानी चाहिए। जो व्यक्ति जितने ऊंचे जिम्मेदार पद पर कार्यरत होता है, वह जनता के लिए उतना ही ज्यादा जवाबदेही होता है, जनता उससे नहीं बल्कि उसने जनता से डरना चाहिए, अगर अनुचित कार्य करें तो। जनता अपने कर द्वारा सरकार को आर्थिक ताकत प्रदान करती है, जनता को अधिकार है कि वह जिम्मेदार अधिकारी या नेताओ को उत्तर मांगे। अपराधी और अनुचित कार्य करने वाले लोग डरकर रहना चाहिए ना कि सभ्य और ईमानदार लोग डर-डर कर जियें। भ्रष्टाचार करनेवाला व्यक्ति तो अपने स्वार्थ के लिए लाभ मांगता है लेकिन लाभ देने वाला व्यक्ति भी अपने स्वार्थ के लिए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता हैं। अगर लाभ देना ही बंद कर दे तो लाभ मांगेगा किससे भ्रष्टाचारी? भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी हर नागरिक ने खुद से ही करनी होगी। अपने देश के लिए भले ही थोड़ी तकलीफ सहनी पड़े, लेकिन देश का आनेवाला भविष्य बेहतर होगा, भावी पीढ़ी को उनका हक मिलेगा। राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकार द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी शाखाएं जनता के मदद के लिए तत्पर है, उनकी मदद लें। हम उनसे ऑनलाइन हेल्पलाइन नंबर, ईमेल आईडी और वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। रिश्वत न दें, न लेने दें, सतर्क रहें। राष्ट्रहित में सहयोग करें।

बंगाल की मुस्लिम राजनीति पर हुमायूं कबीर का प्रहार

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। यह सिर्फ एक धार्मिक ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि कई स्तरों पर पहचान, भावनाओं और सत्ता-राजनीति के प्रतीकों को एक साथ सक्रिय करने वाला क्षण है। जिस तारीख को बाबरी विध्वंस हुआ था, उस दिन यह कार्यक्रम आयोजित करना और बाहरी धर्मगुरुओं तथा हजारों की भीड़ को जुटाना इसे महज स्थानीय आयोजन के दायरे से बाहर ले जाता है। यह एक खुला राजनीतिक संकेत है कि बंगाल का अल्पसंख्यक परिदृश्य अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ धार्मिक पहचान और राजनीतिक महत्वाकांक्षा एक-दूसरे का पूरक बनकर उभर रही हैं।

टीएमसी ने मस्जिद-निर्माण को लेकर फैले तेज राजनीतिक संकेतों को भाँपते हुए कबीर को 4 दिसंबर को ही निलंबित कर दिया, ताकि उसके ऊपर लगने वाले "तुष्टिकरण" के आरोपों को कम किया जा सके। पार्टी का तर्क है कि मस्जिद बनाना किसी व्यक्ति या समूह का अधिकार है, लेकिन बाबरी से जुड़ा नामकरण और तारीख का चयन ऐसी अनावश्यक उत्तेजना है जो बंगाल की दशकों पुरानी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक धारा को मुश्किल में डाल देता है। टीएमसी को यह भी भली-भाँति पता है कि भाजपा इस प्रतीकात्मक राजनीति का उपयोग एक व्यापक नैरेटिव बनाने में करेगी कि राज्य सरकार का रवैया वर्षों से इस तरह के कदमों को प्रोत्साहन देता रहा है। निलंबन इसलिए पार्टी की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया थी, ताकि वह आधिकारिक रूप से खुद को इस पूरे आयोजन से अलग दिखा सके और यह संदेश दे कि यह उसका एजेंडा नहीं है। लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है, क्योंकि यही कार्रवाई मुस्लिम समाज के भीतर एक संदेह भी पैदा कर सकती है कि पार्टी अब उन मुद्दों से दूरी बनाने लगी है जिन्हें एक बड़ा वर्ग "सम्मान" और "हक" के सवाल से जोड़कर देखता है।

हुमायूं कबीर जिस तरह इस मस्जिद को मुसलमानों की "इज्जत की लड़ाई" बता रहे हैं, वह इस पूरे घटनाक्रम को धार्मिक पहचान से सीधे जोड़ देता है। उनका यह दावा कि 25 बीघा जमीन पर मस्जिद के साथ अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, होटल और हेलिपैड भी बनेगा, इसे एक विशाल सामुदायिक-राजनीतिक परियोजना का रूप देता है। 22 दिसंबर को नया दल बनाने और लगभग 130—135 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की उनकी घोषणा यह साफ करती है कि यह केवल धार्मिक आस्था या भावनाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि एक नया, अलग मुस्लिम वोट-बैंक खड़ा करने की महत्वाकांक्षा है। यह बंगाल के राजनीतिक मानचित्र में मुस्लिम राजनीति के भीतर एक नए प्रतिस्पर्धी मॉडल का उदय है, जो पहली बार इतनी स्पष्टता से सामने आया है।

मसलन, बंगाल में लंबे समय से मुस्लिम वोट काफी हद तक एकजुट होकर टीएमसी को मिलता रहा है, जिससे पार्टी को एक मजबूत चुनावी आधार हासिल था। लेकिन कबीर का यह कदम इस एकजुटता को चुनौती दे सकता है। मुस्लिम वोट का आंशिक कटाव भी उन जिलों में निर्णायक प्रभाव डाल सकता है, जहाँ सीटें बेहद कम अंतर से तय होती हैं मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर व दक्षिण 24 परगना जैसे जिले इसके केंद्र बन सकते हैं। इस प्रकार यह घटना मुस्लिम समाज के भीतर एक आंतरिक ध्रुवीकरण को जन्म देती है: एक ओर वे जो पहचान के सवाल को प्राथमिक मानते हैं और दूसरी ओर वे जो मानते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर इसका नकारात्मक असर मुसलमानों को और अधिक असुरक्षित बनाता है। कांग्रेस और कई स्थानीय मुस्लिम नेताओं ने इसी आशंका का इजहार किया है कि मस्जिद को "बाबरी" के प्रतीक से जोड़ना एक बड़ा राजनीतिक-धार्मिक उबाल पैदा करेगा, जिसके परिणाम व्यापक होंगे और जिनका बोझ छोटे इलाकों के आम मुसलमानों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना पड़ेगा।

भाजपा इस समय को एक अवसर के रूप में देख रही है। उसके लिए यह एक राजनीतिक स्वर्ण-क्षण है जहाँ वह मुस्लिम पहचान-आधारित लामबंदी को टीएमसी के दीर्घकालीन हृतुष्टिकरणह के परिणाम के रूप में पेश कर सकती है। भाजपा का संदेश बहुत सीधा और चुनावी दृष्टि से प्रभावी है कि यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि राज्य सरकार के वर्षों तक की गई नीतियों और रुख ने ऐसे अवसरों को जन्म दिया है। भले ही टीएमसी ने अब कबीर को बाहर का रास्ता दिखा दिया हो, लेकिन भाजपा जिस तरह इस पूरे प्रकरण को टीएमसी की राजनीतिक विरासत से जोड़ रही है, वह चुनावी मानस को लगातार प्रभावित करेगा।

इस परिदृश्य का सबसे संवेदनशील पहलू कानून-व्यवस्था है। हाई कोर्ट ने कार्यक्रम को रोकने से इंकार करते हुए राज्य सरकार को पूरी जिम्मेदारी सौंपी। इसका सीधा अर्थ है कि आने वाले महीनों में इस स्थल से जुड़ा कोई भी तनाव चाहे प्रशासनिक चूक हो या सामाजिक तनाव सीधे सरकार की जवाबदेही का प्रश्न बनेगा। चुनावी समय में यह सबसे जोखिम भरा क्षेत्र है, क्योंकि किसी भी छोटे विवाद को राजनीतिक विमर्श में बड़े संकट के रूप में पेश किया जा सकता है।

इन समग्र परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट है कि यह घटना महज एक धार्मिक ढांचे की नींव रखने की नहीं है। यह बंगाल के 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए एक हृट्रिगर इवेंटह बन चुकी है, जिसने एक साथ तीन प्रमुख प्रवृत्तियों को उजागर कर दिया है: मुस्लिम राजनीति का संभावित विखंडन, ममता बनर्जी के लिए दोतरफा दबाव जहाँ उन्हें भाजपा के आरोपों को निष्प्रभावी रखना है और साथ ही मुस्लिम वोट को भी अपने से दूर नहीं जाने देना है और भाजपा के लिए ध्रुवीकरण आधारित एक नए शक्तिशाली राजनीतिक नैरेटिव का उभार। इन तीनों का सम्मिलित प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आने वाले महीनों में बंगाल की राजनीति सिर्फ विकास, योजनाओं या प्रशासनिक बहसों तक सीमित नहीं रहेगी। पहचान और भावनात्मक इतिहास से जुड़े सवाल इस चुनाव का केंद्र बनने जा रहे हैं। यह घटना, भले ही प्रतीकात्मक दिखती हो, लेकिन इसके राजनीतिक परिणाम बेहद ठोस और दूरगामी होंगे।

यूपी पंचायत जंग से पहले कांग्रेस-सपा साथ टूटा, 2027 की लड़ाई के संकेत साफ

स्वदेश कुमार ,लखनऊ
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की सियासत में वह जोड़ी जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी, अब पंचायत चुनाव के ठीक पहले टूट चुकी है। "दो लड़कों की जोड़ी" कहे जाने वाले राहुल गांधी और अखिलेश यादव की दोस्ती जिस तेजी से परवान चढ़ी थी, उसी तेजी से अब दूरियां भी बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस ने तय किया है कि 2026 में होने वाले ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत चुनाव वह पूरी तरह अपने दम पर लड़ेगी। इस फैसले के पीछे सिर्फ राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव की मजबूत तैयारी छिपी है ।कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, और सभी सांसदों के साथ दिल्ली में हुई बैठक के बाद एक स्पष्ट संदेश दिया गया अब यूपी में संगठन को जड़ों से मजबूत किया जाएगा, और हर बूथ, हर गांव में कांग्रेस की अपनी पहचान बनेगी। पार्टी का मानना है कि गठबंधन में रहकर छोटे कार्यकताओं को अवसर सीमित हो जाते हैं। पंचायत चुनाव सिंबल पर भले न होते हों, लेकिन गांव की राजनीति का आधार इन्हीं चुनावों से तैयार होता है। कांग्रेस इसी जमीन को फिर से हासिल करना चाहती है, जिसे 1990 के दशक के बाद वह लगातार खोती गई।

उत्तर प्रदेश में कुल 57,694 ग्राम पंचायतें हैं। इन पंचायतों में ग्राम प्रधानों और लगभग साढ़े सात लाख से अधिक पंचायत सदस्यों का चुनाव होना है। इनके अलावा 74,345 क्षेत्र पंचायत सदस्य चुने जाएंगे, जो आगे चलकर 826 ब्लॉक प्रमुखों के लिए मतदान करेंगे। जिला स्तर पर 3,011 जिला पंचायत सदस्य चुनकर आगे जिला पंचायत अध्यक्ष के पद का फैसला करेंगे। इन सभी चुनावों की तैयारी अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच मानी जा रही है। ग्रामीण इलाकों में इन चुनावों की गूंज विधानसभा चुनाव से भी ज्यादा होती है, क्योंकि यहां की राजनीति रिश्तों, जातीय समीकरणों और स्थानीय पकड़ पर आधारित रहती है। इसीलिए पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहा जा रहा है ।कांग्रेस के अंदर यह बात साफ है कि यदि पंचायत चुनावों में 10 से 12 जिले भी ऐसे निकल आए जहां जिला पंचायत सदस्य ज्यादा संख्या में जीत हासिल कर लें, तो विधानसभा टिकट वितरण में पार्टी की मोलभाव की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटें दी थीं। कांग्रेस को भरोसा है कि अब आंकड़े बदलेंगे और सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए यह चुनाव उसके लिए बहुत बड़ा मौका है।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी ने पहले से ही पंचायत चुनाव से एक कदम पीछे खींच लिया था। संगठन के भीतर उनका तर्क था कि पंचायत चुनाव में सपा कार्यकताओं को अक्सर प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ता है और परिणाम अपेक्षित नहीं आते। सपा स्थानीय चुनावों में अपनी ऊर्जा को विधानसभा 2027 तक बचाना चाहती है। इसी दूरी ने कांग्रेस को यह समझा दिया कि यदि अभी भी साझेदारी में रही तो अपना कोई खास विस्तार नहीं हो पाएगा। यही वजह रही कि अब अकेले चलने की रणनीति पर मुहर लग गई ।केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा के सभी सहयोगी दल अपना दल (एस), आरएलडी, निषाद पार्टी और सुभासपा ने भी पंचायत चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान पहले ही कर दिया है। यह अपने-अपने जातीय आधार को गर्म रखने और कार्यकताओं को ज्यादा टिकट देने की नीति है। भाजपा भले शासन में हो, लेकिन सहयोगी दलों की इच्छा होती है कि उनके वोटर समझें कि दल स्वतंत्र भी है, सिर्फ सहारे पर नहीं टिका। यही सोच कांग्रेस ने भी अपनाई है ।पंचायत चुनाव की राजनीति सीधे-सीधे जाति और जमीन के समीकरणों पर निर्भर होती है। जहां कुर्मी बहुल इलाकों में अपना दल मजबूत होती है, वहीं पूर्वांचल में निषाद समाज पर संजय निषाद की पकड़ रही है। पश्चिम यूपी में जाट-गुर्जर मतदाताओं पर आरएलडी का प्रभाव है। कांग्रेस इस जातीय नक्शे को नए सिरे से देख रही है और दावा कर रही है कि वह जाति से ऊपर विकास और संविधान की रक्षा की राजनीति करेगी। लेकिन जमीनी सच यह है कि बिना जातीय जोड़तोड़ के पंचायत चुनाव जीतना लगभग नामुमकिन है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती है अपनी निष्क्रिय हो चुकी पंचायत स्तरीय इकाइयों को जागृत करना। लेकिन पार्टी ने इसके लिए 100-दिवसीय अभियान की शुरूआत कर दी है। जो कार्यकर्ता अधिक सदस्य बनाएगा, उसे प्रधान, बीडीसी या जिला पंचायत सदस्य के टिकट की प्राथमिकता दी जाएगी। इसी तरह जो नेता पंचायत में जीतता हुआ दिखेगा, उसे 2027 की विधानसभा टिकट की कतार में आगे रखा जाएगा। इस तरह कांग्रेस अपने कार्यकताओं को सीधी प्रेरणा दे रही है लाओ जीत, पाओ टिकट। 2024 की जीत ने कार्यकताओं में हौसला तो बढ़ाया, लेकिन कांग्रेस का अपना संगठन हर जिले में सक्रिय नहीं हो पाया है। खासकर बुंदेलखंड, तराई और पश्चिम यूपी के कुछ जिलों में पार्टी को जमीन तलाशने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। जबकि अवधी और पूर्वांचल के लगभग 200 विधानसभा क्षेत्रों को कांग्रेस ए-कैटेगरी मानकर वहां बड़ा फोकस करने वाली है। यहीं से पार्टी अपने परंपरागत वोट बैंक दलित, गरीब, अल्पसंख्यक मतदाताओं को फिर से एक छत के नीचे लाना चाहती है ।कांग्रेस का यह भी मानना है कि पंचायत चुनावों के परिणाम मतदाता की मानसिकता का आईना होते हैं। यदि पार्टी यहां बढ़त पाती है, तो यह संदेश जाएगा कि भाजपा-सपा के बीच के संघर्ष में कांग्रेस तीसरा विकल्प बनकर उभर रही है। और यदि संगठन मजबूत हो गया, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सीट-बंटवारे में मोलतोल की शक्ति हासिल होगी।

फिलहाल विपक्ष की इस टूट से भाजपा को तात्कालिक लाभ तो जरूर मिलेगा, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा के सहयोगी भी अकेले लड़ रहे हैं। यह संकेत देता है कि यूपी की राजनीति अपनी नई रूपरेखा बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। हर दल अपने दम पर अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को तैयार है। गठबंधन अब सिर्फ संसद के लिए होंगे, जमीन की राजनीति हर कोई खुद संभालेगा।अगले कुछ महीनों में यूपी की सियासत में पंचायत स्तर से उठने वाले नतीजे यह बताएंगे कि कौन-सा दल कितने पानी में है। कांग्रेस और सपा की दोस्ती की अगली परीक्षा 2026 के बाद होगी तभी पता चलेगा कि यह दूरी अस्थायी है या 2027 की राजनीति में एक-दूसरे के सामने खड़े होने का संकेत।फिलहाल, यह तय है ग्रामीण राजनीति के इस महायुद्ध में हर दल हृएकला चलोह के रास्ते पर निकल चुका है। पंचायत चुनाव सिर्फ स्थानीय सत्ता का सवाल नहीं, बल्कि 2027 की कुर्सी तक पहुंचने का पहला बड़ा कदम है। और इसी राह पर अब कांग्रेस ने अपनी जंग शुरू कर दी है बिना सहारे, बिना समझौते, पूरी ताकत के साथ।

संवेदना और प्रकृति

नदीया बोली बहते रहो,
पहाड़ बोला डटे रहो,
पेड़ बोले जुड़े रहो,
फूल बोले मुस्कुराते रहो।

हवा ने कानों को
सहलाया
मन निष्ठुर मत होना।

ओस की बूंद बोल उठी
नरमी में भी ताकत होती
है।
लता ने वृक्ष के कंधों पर
बाँह रखी
संग रहना ही है जीवन ।

नदी का पानी चहक उठा
दर्द बह जाए,
पानी की धारा के संग।

पहाड़ की चोटी से
आवाज आई
खामोशी भी है साहस ।

पत्ते झरते हुए फुसफुसाए
जुदाई अंत नहीं, है शुरूआत

धरती ने दोनों हथेलियाँ
फैलाकर कहा
प्रेम ही मनुष्य की है
असली पहचान ।

प्रकृति हर पल सिखाती
जो महसूस हो जाए, वही
संवेदना है।

संजीव ठाकुर, रायपुर
छत्तीसगढ़,
9009 415 415,

"पुतिन की यात्रा थी... और कांग्रेस प्लेट में झांक रही थी"

भारत में जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आए, तब दुनिया उम्मीद कर रही थी कि बातचीत होगी –

रक्षा सौदों पर
अंतरिक्ष सहयोग पर
ऊर्जा साझेदारी पर
और वैश्विक कूटनीति पर।
लेकिन अचानक कांग्रेस की चिंता बदल गई।
वो सोचने लगी –
"पुतिन क्या खा रहे हैं?"
"Vegखा रहे हैं या Non-Veg"
"अगर Non-Veg तो कौन सा?"
अगला कदम शायद यह होगा कि कांग्रेस पूछे –
"क्या पुतिन ने खाने से पहले washroomकिया था?"
"अगर किया तो tissue इस्तेमाल हुआ या पानी?"
कभी-कभी लगता है, कांग्रेस राजनीति नहीं करती –
रियलिटी शो की जज है।
बस तीन शब्द कम हैं –
"स्वाद अच्छा है... पर प्रेजेंटेशन कमजोर!"
जब सरकार सामरिक साझेदारी की फाइल खोल रही थी,
कांग्रेस रसोई में मिर्च, नमक और हल्दी की जांच कर रही थी।
भारत-रूस संबंध कहाँ जा रहे हैं, इससे मतलब नहीं... लेकिन पुतिन की प्लेट में क्या जा रहा है – यह राष्ट्रीय आपातकाल घोषित हो गया।
कल को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह सवाल भी आ सकता है:
"क्या सरकार बताएगी कि पुतिन ने रोटी खाई थी या रोटी चलाई थी?" "और अगर रोटी खाई थी तो स्थानीय गेहूं था या विदेशी एजेंडा?"
राजनीति का स्तर अब इतना गिर चुका है कि अब विपक्ष संसद में यह प्रस्ताव ला सकता है:

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

जनपद में सशस्त्र सेना झंडा दिवस श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के साथ मनाया गया

- मुख्य विकास अधिकारी को झंडा स्मृति चिन्ह भेंट कर झंडा दिवस संग्रहण अभियान का किया गया शुभारंभ

- जनपदवासियों से शहीदों, दिव्यांग सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु सहयोग की अपील

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर 07 दिसंबर, 2025 जनपद गौतमबुद्धनगर में आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस को वीर सैनिकों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और गहन देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतमबुद्धनगर कैप्टन (आई. एन.) रामप्रवेश सिंह (अ. प्रा.) के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के तहत जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण कार्यकर्ता हरवीर सिंह एवं उनकी टीम द्वारा मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी को झंडा स्मृति चिन्ह भेंट कर धन संग्रहण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

अभियान के अंतर्गत जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण कार्यकर्ता हरवीर सिंह एवं उनकी टीम द्वारा विकास भवन स्थित विभिन्न विभागों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झंडा स्मृति चिन्ह लगाकर उनसे शहीद सैनिकों, दिव्यांग सैनिकों, उनके आश्रितों तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु योगदान देने का आग्रह किया। संबंधित टीम द्वारा जनपद के नागरिकों को भी स्वेच्छा से दान देकर सैनिक कल्याण को सुदृढ़ बनाने की अपील की गयी।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि प्राप्त धनराशि सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हित में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर व्यय की जाती है। उन्होंने जनपदवासियों को झंडा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीर सैनिकों के सम्मान और सहायता के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी यथा सामर्थ्य आर्थिक सहायता अवश्य प्रदान करनी चाहिए ताकि इन योजनाओं को और अधिक सशक्त, प्रभावी और व्यापक रूप से संचालित किया जा सके। सौजन्य से सूचना विभाग गौतम बुद्ध नगर।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रही उंगली

भाजपा कार्यकताओं के वायरल हुए आपत्तिजनक वीडियो से आमजन में रोष

समाज जागरण

लोनी, 7 दिसंबरः क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में जिस तरह भाजपा से जुड़े युवकों के बीच आपत्तिजनक टिप्पणी एवं अशोभनीय भाषा में गाली-गलौज का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वह कुछ दिन पूर्व भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया के लोनी आगमन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चेनपाल सिंह द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यकताओं की सरहाना करते हुए उन्हें पार्टी के सबसे अनुशासित सिपाही बताये जाने की बात को पलीता लगाता नजर आ रहा है. और साथ ही जिलाध्यक्ष के इन दावों पर भी सवाल खड़े कर रहा हैं।

सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुई इस वीडियो में सूत्रोंनुसार भाजपा से जुड़े इन युवकों की फेसबुक पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओ की पोस्ट नजर आ रही हैं. उनके द्वारा वीडियो में प्रयुक्त अशोभनीय भाषा तथा सार्वजनिक रूप से प्रयोग न होने वाली भाषा में गाली-गलौज करने के इस गंभीर प्रकरण ने लोनी के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा रखी हैं। इस वीडियो के फेसबुक पर सार्वजनिक होते ही स्थानीय नागरिकों और सोशल मीडिया उपयोगकताओं खास तौर पर महिलाओं के बीच रोष पनपता जा रहा है।

अफसोस तो इस बात का है कि इस मामले में न तो संबंधित नेता की तरफ से कोई बयान आया है और न ही किसी राजनीतिक संगठन ने अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया देना उचित समझा है। हालांकि सूत्रों की माने तो यह पूरा मामला पार्टी के एक बड़े स्थानीय नेता से जुड़ा है।

वहीं दूसरी ओर बात पुलिस और प्रशासन की करें तो इस मामले में उनकी कार्य प्रणाली हर किसी की समझ से बाहर हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो के बावजूद उनका इस तरह चुप्पी साध कर बैठे रहना, आम नागरिकों की समझ से परे हैं।

उनका कहना है कि यदि इस ऐसी गंभीर घटनाओं पर कोई कार्यवाही नहीं की गई तो. इससे राजनीति क्षेत्र में ऐसी घटनाओं को और अधिक बढ़ावा मिलेगा जो एक गंभीर चिंता का विषय है।

लोगों का यह भी कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह महिलाओं और परिवारों पर टिप्पणी किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर ऐसे हालातो पर अंकुश नहीं लगा तो लोनी की छवि प्रभावित होगी और समाज हित में राजनीति की जगह वह विवाद का अखाड़ा बन जाएगी।

लोनी की प्रतिष्ठा को खतरा

इस बात को झूठलाया नहीं जा सकता की लोनी क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान विकास की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, लेकिन इस प्रकार की घटनाएँ क्षेत्र की पहचान पर सवाल खड़े करती हैं और इस तरह लोनी की प्रतिष्ठा के लिए खतरा पैदा करने का काम करती है। कुछ संभ्रांत नागरिकों का मत है कि किसी के भी बीच राजनीति विरोध या मतभेद हो सकता है, मगर मर्यादित भाषा और सामाजिक आचरण की सीमाओं का उल्लंघन करना किसी को इजाजत नहीं देता हैं।

यही कारण है कि क्षेत्रीय जनता के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना है कि आने वाले समय में यह वीडियो लोनी की राजनीति में नई खींचतान, आरोप-प्रत्यारोप और आंतरिक विवादों की नई राह खोलने का काम करता है या फिर पुलिस प्रशासन की सख्ती इस पर यही विराम लगा देगी..जो आने वाले समय के गर्भ में है।

अंकुर बिहार थाने की लचर कार्य प्रणाली सुर्खियों का कारण

समाज जागरण

लोनी 7 दिसंबरः पुलिस थानों पर पीड़ितों की रिपोर्ट दर्ज न करने की शिकायते अकसर प्रकाश में आती रहती हैं. मगर इस कड़ी में बात लोनी के अंकुर विहार थाने की करें तो इस मामले में वह सबसे अधिक चर्चा में बना हुआ है. जहा पीड़ित नागरिकों द्वारा लगातार थाने के चक्कर लगाने बावजूद उनकी रिपोर्ट पंजीकृत नहीं हो पाने के कुछ मामले एक बार फिर उजागर हुए हैं।

मिलक गांव में रहने वाले कपिल पुत्र जयपाल कसाना ने पुलिस आयुक्त गाजियाबाद को अपना शिकायती पत्र देते हुए थानाप्रभारी अंकुर बिहार पर टालमटोल कर घटना की रिपोर्ट दर्ज ना करने का आरोप लगाया। पुलिस आयुक्त को दिये अपने शिकायती पत्र में उल्लेख किया है कि 19/11/25 को वह चमन बिहार कालोनी स्थित अपने प्लाट पर था तभी विनीत पुत्र जयकरण व उसकी मां ब्रहमदेवी लगभग तीन बजे वहां पहुंचे और गिरेबान पकड़ कर उसके सीने पर पिस्टल तान कर जान से मारने की धमकी दी. मेरे ताऊ के लड़के दीपक, जयप्रकाश पुत्र राजेन्द्र ने बीच बचाव किया। विनीत व उसकी मां के साथ दो लड़के और थे इसके बाद विनीत मेरे घर पर भी पहुंचा और वहां भी उसने पिस्टल तान दी। इस मामले का वीडियो पुलिस को भी सौंप चुका हूं. हमारा आपसी जमीनी विवाद था जिसका फैसला भी हो चुका है। इस मामले की शिकायत 112 पर भी की थी। इसके अलावा थानाप्रभारी से मिलकर भी अपना शिकायती पत्र दिया था लेकिन आज तक घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई ।

वहीं दूसरी ओर डी.एल.एफ. निवासी तनु पुत्री मुकेश कुमार अपनी बाइक संख्या डी एल 14 टी ए 4791 के चोरी हो जाने के बाद अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए लगातार थाने के चक्कर काट रही है. मगर न जाने क्यों पुलिस ने अभी तक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की और थक हारकर उसने भी पुलिस आयुक्त के कार्यालय में अपना शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए गुहार लगाई है।

जबकि ललित त्यागी ने अपनी वर्कशॉप में लगातार तीन बार चोरी होने की घटना के मामले में अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद ही वह अपनी रिपोर्ट दर्ज करा पाए. गौर तलब हो कि इस मामले में पुलिस की अच्छी खासी फजीहत भी हुई थी।

इसके अलावा भाजपा सभासद रामनिवास त्रिपाठी ने भी समाधान दिवस में अपना शिकायती पत्र देकर अंकुर बिहार थाना प्रभारी पर मामले को दबाने व कोई कार्यवाही ना करने का आरोप लगा चुके हैं।

लोगों का कहना है कि इस तरह से घटना दर्ज ना करने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं जिसके चलते क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। जबकि इस तरह से पुलिस द्वारा घटनाओं को दर्ज ना करने के रवैये से अपराध का ग्राफ गिर रहा है. लोगों का यह भी कहना है कि अगर पुलिस स्टार है घटनाओं के मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं करती तो फिर यहां थाने का औचित्य ही क्या है. अगर समस्याओं का समाधान अधिकारियों को ही करना है तो स्थानीय थाने का क्या लाभ!

32 करोड़ 65 लाख 39 हजार में बनेगा लोनी-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग

समाज जागरण

लोनी, 7 दिसंबरः उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव राजेश प्रताप सिंह ने लोक निर्माण विभाग के विभागाध्यक्ष लखनऊ को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2025/26 में अनुदान संख्या 58 के तहत गाजियाबाद के लोनी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 709 बी पुराना पर सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यकरण का कार्य कराने के लिए प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इसके निर्माण के लिए 32करोड 65 लाख 39 हजार रुपए की धनराशि अवमुक्त की है।

बता दें कि इस मार्ग की दुर्दशा का मामला सोशल मीडिया व अखबारों में लगातार छाया रहा। इसको लेकर ही नगर पालिका अध्यक्ष और विधायक में कई बार आरोप प्रत्यारोप का दौर भी खुलकर सामने आया। आखिरकार विधायक नंदकिशोर गूर्जर की मेहनत रंग लाई और उन्होंने अपने प्रयासों से यह राशि स्वीकृत कराई.

जैसे ही विधायक ने फेसबुक पर लाइव आकर इस मार्ग के लिए धनराशि स्वीकृत होने की सूचना दी तो स्थानीय नागरिकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि यह मार्ग जलभराव और गड्ढे के अलावा उड़ती धूल के कारण भी लोगों के जी का जंजाल बना हुआ था अब स्वीकृति मिलने पर स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न वाहन चालकों ने भी राहत की सांस ली है।

अंकुर बिहार थाने की लचर कार्य प्रणाली बनी सुर्खियों का कारण

समाज जागरण

लोनी 7 दिसंबरः पुलिस थानों पर पीड़ितों की रिपोर्ट दर्ज न करने की शिकायते अकसर प्रकाश में आती रहती हैं. मगर इस कड़ी में बात लोनी के अंकुर विहार थाने की करें तो इस मामले में वह सबसे अधिक चर्चा में बना हुआ है. जहा पीड़ित नागरिकों द्वारा लगातार थाने के चक्कर लगाने बावजूद उनकी रिपोर्ट पंजीकृत नहीं हो पाने के कुछ मामले एक बार फिर उजागर हुए हैं।

मिलक गांव में रहने वाले कपिल पुत्र जयपाल कसाना ने पुलिस आयुक्त गाजियाबाद को अपना शिकायती पत्र देते हुए थानाप्रभारी अंकुर बिहार पर टालमटोल कर घटना की रिपोर्ट दर्ज ना करने का आरोप लगाया। पुलिस आयुक्त को दिये अपने शिकायती पत्र में उल्लेख किया है कि 19/11/25 को वह चमन बिहार कालोनी स्थित अपने प्लाट पर था तभी विनीत पुत्र जयकरण व उसकी मां ब्रहमदेवी लगभग तीन बजे वहां पहुंचे और गिरेबान पकड़ कर उसके सीने पर पिस्टल तान कर जान से मारने की धमकी दी. मेरे ताऊ के लड़के दीपक, जयप्रकाश पुत्र राजेन्द्र ने बीच बचाव किया। विनीत व उसकी मां के साथ दो लड़के और थे इसके बाद विनीत मेरे घर पर भी पहुंचा और वहां भी उसने पिस्टल तान दी। इस मामले का वीडियो पुलिस को भी सौंप चुका हूं. हमारा आपसी जमीनी विवाद था जिसका फैसला भी हो चुका है। इस मामले की शिकायत 112 पर भी की थी। इसके अलावा थानाप्रभारी से मिलकर भी अपना शिकायती पत्र दिया था लेकिन आज तक घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई।

वहीं दूसरी ओर डी.एल.एफ. निवासी तनु पुत्री मुकेश कुमार अपनी बाइक संख्या डी एल 14 टी ए 4791 के चोरी हो जाने के बाद अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए लगातार थाने के चक्कर काट रही है. मगर न जाने क्यों पुलिस ने अभी तक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की और थक हारकर उसने भी पुलिस आयुक्त के कार्यालय में अपना शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए गुहार लगाई है।

जबकि ललित त्यागी ने अपनी वर्कशॉप में लगातार तीन बार चोरी होने की घटना के मामले में अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद ही वह अपनी रिपोर्ट दर्ज करा पाए. गौर तलब हो कि इस मामले में पुलिस की अच्छी खासी फजीहत भी हुई थी।

इसके अलावा भाजपा सभासद रामनिवास त्रिपाठी ने भी समाधान दिवस में अपना शिकायती पत्र देकर अंकुर बिहार थाना प्रभारी पर मामले को दबाने व कोई कार्यवाही ना करने का आरोप लगा चुके हैं।

लोगों का कहना है कि इस तरह से घटना दर्ज ना करने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं जिसके चलते क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। जबकि इस तरह से पुलिस द्वारा घटनाओं को दर्ज ना करने के रवैये से अपराध का ग्राफ गिर रहा है. लोगों का यह भी कहना है कि अगर पुलिस स्टार है घटनाओं के मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं करती तो फिर यहां थाने का औचित्य ही क्या है. अगर समस्याओं का समाधान अधिकारियों को ही करना है तो स्थानीय थाने का क्या लाभ!

गाजियाबाद में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 3 दर्जन उपनिरीक्षकों के तबादले

समाज जागरण

लोनी, 7 दिसंबरः जनपद में कानून-व्यवस्था और कार्यप्रणाली को और दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में व्यापक पैमाने पर फिर बदल किया गया है। ट्रांस हिंडन जोन में तैनात कुल 36 उपनिरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। यह आदेश पुलिस स्थापना बोर्ड के दिशा-निदेर्शों के तहत जारी हुआ है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी उपनिरीक्षकों को प्रशासनिक आवश्यकताओं एवं कार्यप्रवाह में सुधार को ध्यान में रखते हुए नई तैनाती दी गई है। सभी को तुरंत प्रभाव से अपने नए कार्यक्षेत्र में कार्यग्रहण करने का निर्देश दिया गया है।

तबादला सूची में थाना इंदिरापुरम, साहिबाबाद, टीला मोड़, लिंक रोड, शालीमार गार्डन, ट्रोनिका सिटी, क्रॉसिंग रिपब्लिक सहित कई महत्वपूर्ण थानों में तैनात उपनिरीक्षक शामिल हैं जो इस प्रकार हैः-

1 राजेंद्र बाबू ट्रांस हिंडन जोन थाना साहिबाबाद
2 प्रवीण सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना लिंक रोड
3 संजय सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना टीला मोड़
4 सूर्यवीर कुमार नक्शत्री ट्रांस हिंडन जोन थाना इंदिरापुरम
5 अरविंद कुमार शर्मा ट्रांस हिंडन जोन थाना कविनगर
6 सुनील कुमार सैमन ट्रांस हिंडन जोन थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक
7 रमेश चंद्र ट्रांस हिंडन जोन थाना शालीमार गार्डन
8 मनोज कुमार सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना लिंक रोड
9 हसीन खान ट्रांस हिंडन जोन थाना साहिबाबाद
10 सुरेंद्र सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना लिंक रोड
11 सुनील कुमार ट्रांस हिंडन जोन थाना टीला मोड़
12 अनियत विक्रम ट्रांस हिंडन जोन थाना शालीमार गार्डन
13 दीपक सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना लिंक रोड
14 हरीश सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना इंदिरापुरम
15 वेद प्रकाश ट्रांस हिंडन जोन थाना टीला मोड़
16 प्रभात कुमार ट्रांस हिंडन जोन थाना साहिबाबाद
17 शशिकांत सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना शालीमार गार्डन
18 महाबलाल शर्मा ट्रांस हिंडन जोन थाना शालीमार गार्डन
19 राजकुमार सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना इंदिरापुरम
20 गंगाराम सिंह ट्रांस हिंडन जोन थाना लिंक रोड
21 राशिदुल हसन वॉटर बीट थाना साहिबाबाद थाना टीला मोड़
22 चरन सिंह सोलंकी वॉटर बीट थाना टीला मोड़ वॉटर बीट थाना कोतवाली
23 फिरोज खान वॉटर बीट थाना कोतवाली वॉटर बीट थाना साहिबाबाद
24 गौरव कुमार ट्रांस हिंडन जोन थाना साइबर सेल CCtNS
25 राजेंद्र कुमार प्रभारी सैटेलाइट सेल प्रभारी स्वॉट टीम DCRB
26 अजय यादव थाना टीला मोड़ थाना साहिबाबाद
27 स्वर्ण सिंह थाना साहिबाबाद थाना खोड़ा
28 धर्मेंद्र सिंह कांटे प्रभारी थाना टीला मोड़ थाना लिंक रोड
29 अजय कुमार सिंह प्रभारी IOS कार्यालय CCTNS कार्यालय शालीमार गार्डन
30 अमित कुमार ट्रांस हिंडन जोन प्रभारी पुलिस लाइन रिजर्व
31 राजकुमार राम थाना इंदिरापुरम चौकी प्रभारी सिकंदरपुर थाना टीला मोड़
32 सुशील कुमार थाना साहिबाबाद चौकी प्रभारी रिसल्ट थाना टीला मोड़
33 जितेंद्र चौधरी थाना शालीमार गार्डन थाना प्रभारी श्याम पार्क साहिबाबाद
34 विपिन कुमार चौकी प्रभारी फ्रेंड्स सिटी चौकी प्रभारी ओइसिटी थाना शालीमार गार्डन
35 अनुज चहल थाना मास–ओद्योगिक क्षेत्र थाना साहिबाबाद
36 सुजीत गुप्ता पुलिस लाइन थाना टीला मोड

सूत्रों की माने तो यह तबादला प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे भी जारी रह सकती है. जिसका लक्ष्य पुलिसिंग में संवेदनशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया और बेहतर नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

लखीमपुर खीरीः चोरी के इंजन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने किया तेज खुलासा

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः पढुआ पुलिस ने 15 नवंबर को चोरी हुए इंजन का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना छेदी पुरवा, रामनगर बगहा गांव निवासी राजू खां के खेत से हुई थी।

पुलिस ने मिझरिया निवासी रंजीत पुत्र किशोर और पंकज पुत्र राजकुमार को धर-दबोचा। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया इंजन भी बरामद कर लिया गया।

इस कार्यवाही में उपनिरीक्षक ब्रह्मानंद यादव, कांस्टेबल राजेंद्र गंगवार और कांस्टेबल प्रकाश द्विवेदी की भूमिका सराहनीय रही। घटना के खुलासे के बाद ग्रामीणों ने पढुआ पुलिस की तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की जमकर प्रशंसा की और कहा कि इससे उनके मन में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है।

लखीमपुर खीरीः वांछित बाल अपराधी सोनू चौहान गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः पुलिस ने वांछित बाल अपराधी सोनू चौहान पुत्र कृपाशंकर उर्फ कैलाश, निवासी ग्राम ओरीपुरवा, थाना मझगई, जनपद खीरी को गिरफ्तार किया है। सोनू चौहान के खिलाफ मु0अ0सं0 311/2025, धारा 64(1)/333/352/351(3)/115(2) बीएनएस में मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई बच्चों और समाज की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है।

लखीमपुर खीरीः थाना मोहम्मदी पुलिस ने बरामद किए 10 मोबाइल फोन, स्वामियों को सुपुर्द

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः थाना मोहम्मदी पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान कुल 10 एन्ड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए। यह कार्रवाई भिन्न-भिन्न मोबाइल स्वामियों द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन उनके मोबाइल गुम होने की सूचना मिलने पर की गई।

बरामद किए गए मोबाइल की अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000/- रुपये है। सभी मोबाइल स्वामियों को नियमानुसार सुपुर्द कर दिया गया।

इस सफलता में योगदान देने वाली टीम में शामिल हैंः कम्प्यूटर आपरेटर सुनील कुमार, थाना मोहम्मदी, जनपद खीरी कांस्टेबल रुपिल कुमार, थाना मोहम्मदी, जनपद खीरी पुलिस ने बताया कि इस तरह की सतर्कता से जनता में सुरक्षा का विश्वास बढ़ता है।

लखीमपुर खीरीः फरार वांछित अभियुक्त रितिक राज गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः पुलिस ने कई दिनों से फरार वांछित अभियुक्त रितिक राज पुत्र विक्रम राज, निवासी ग्राम पैला, थाना नीमगाँव, जनपद खीरी को गिरफ्तार किया है। रितिक राज के खिलाफ मु0अ0सं0 485/25, धारा 75/78/126(2)/351(2) बीएनएस एवं 7/8 पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई बच्चों और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

लखीमपुर खीरीः महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने पारिवारिक विवादों के समाधान में दिखाई सक्रियता

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः महिला थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला ने परामर्शदाताओं के सहयोग से 15 परिवारिक विवादों में पक्षकारों के मध्य सुलह का प्रयास किया और 08 जोड़े पति-पत्नी की विदाई कराकर बिखरते परिवारों को जोड़ा, जो सामाजिक रूप से सराहनीय कार्य है।

काउंसलर कुसुम गुप्ता, कय्यूम जरवानी और नीति गुप्ता ने दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और साझी गृहस्थी से जुड़ी समस्याओं के 15 शिकायती प्रार्थना-पत्रों में सहयोग किया। महिला आरक्षी सुमन लता, बबली पवार और सारिका चौहान ने भी इस प्रयास में भाग लिया।

इन मामलों में से 05 मामलों में पति-पत्नी के बीच अत्यधिक मनमुटाव था, जिन्हें सोचने का समय दिया गया। वहीं, 02 मामले न्यायालय में लंबित होने के कारण पक्षकार न्यायालय में उपस्थित होकर मामले का निस्तारण करेंगे।

इस पहल से बिखरते परिवारों को जोड़ने में मदद मिली और समाज में परिवारिक स्थिरता को बढ़ावा मिला।

लखीमपुर खीरीः वांछित बाल अपचारी सोनू चौहान गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बीती रात वांछित बाल अपचारी सोनू चौहान पुत्र कृपाशंकर उर्फ कैलाश, निवासी ग्राम ओरीपुरवा, थाना मझगई को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्त पिछले कई दिनों से फरार चल रहा था और उसके पकड़े जाने के लिए कई स्थानों पर ताबिश की गई थी।

सोनू चौहान के खिलाफ धारा 311/2025, 64(1)/333/352/351(3)/115(2) बीएनएस में मामला दर्ज था। गिरफ्तार करने के बाद विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस ने इस कार्रवाई को समाज और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अहम कदम बताया।

लखीमपुर खीरीः गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. अंशुल गुप्ता जिला चिकित्सालय में सीनियर रेजिडेंट बने

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः कस्बा खमरिया निवासी और जेटीसी परिवार के सदस्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता अनिल गुप्ता के होनहार ज्येष्ठ पुत्र डॉ. अंशुल गुप्ता को ओयल स्थित जिला चिकित्सालय लखीमपुर खीरी में सीनियर रेजिडेंट के पद पर चयनित किया गया है।

डॉ. अंशुल गुप्ता, जो गोल्ड मेडलिस्ट हैं, 6 दिसंबर 2025 से अस्पताल में मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके चयन की खबर से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने उन्हें जमकर बधाई दी।

डॉ. अंशुल की इस कामयाबी ने न सिर्फ जेटीसी परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे क्षेत्रवासियों को गर्व महसूस कराया।

लखीमपुर खीरीः दुधवा टाइगर रिजर्व में नर गैंडे की आपसी लड़ाई में चोट, इलाज जारी

समाज जागरण

लखीमपुर खीरीः दुधवा टाइगर रिजर्व में 18 वर्षीय नर गैंडा विजय आपसी संघर्ष के दौरान घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पार्क प्रशासन और पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची।

घायल गैंडे को ट्रेंकुलाइज कर प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पार्क प्रशासन ने बताया कि वन्यजीवों के बीच आपसी संघर्ष प्राकृतिक घटना है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

भारत करेगा यूनेस्को के 20वें आईसीएच सत्र की मेजबानी

भारत सरकार 8 से 13 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की मेजबानी करेगी। ऐतिहासिक लाल किला परिसर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, को इस आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है, जो भारत की मूर्त और अमूर्त विरासत के एक ही छत के नीचे समागम का प्रतीक है।

यह पहली बार होगा, जब भारत आईसीएच समिति के सत्र की मेजबानी करेगा और इस बैठक की अध्यक्षता यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि महामहिम विशाल वी. शर्मा करेंगे। यह आयोजन 2005 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 2003 कन्वेंशन के भारत द्वारा अनुसमर्थन की बीसवीं वर्षगांठ के मौके पर हो रहा है, जो जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

यूनेस्को की परिभाषा के अनुसार, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में वे प्रथाएँ, ज्ञान, अभिव्यक्तियाँ, वस्तुएँ और स्थान शामिल हैं, जिन्हें समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान के हिस्से के रूप में देखते हैं। पीढ़ियों से चली आ रही यह विरासत वक्त के साथ विकसित होती है, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती है और विविधता की सराहना करती है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए, यूनेस्को ने 17 अक्टूबर 2003 को पेरिस में अपने 32वें आम सम्मेलन के दौरान 2003 कन्वेंशन को अपनाया था। इस कन्वेंशन ने वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन और सीमित संसाधनों के कारण तेजी से खतरे में आ रही मौजूदा सांस्कृतिक परंपराएँ, मौखिक प्रथाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, सामाजिक रीति-रिवाज, अनुष्ठान, ज्ञान प्रणालियाँ और शिल्प कौशल जैसी वैश्विक चिंताओं पर चर्चा की। इस सम्मेलन में समुदायों, खास तौर पर स्वदेशी समुदायों, समूहों और व्यक्तिगत अनुयायियों को, सांस्कृतिक विरासत के निर्माण, रखरखाव और हस्तांतरण में उनकी अहम भूमिका को देखते हुए, सुरक्षा प्रयासों के केंद्र में रखा गया। इसमें मूर्त और अमूर्त विरासत के बीच परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग की जरुरत और युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया गया। मानवता की जीवंत विरासत की रक्षा के लिए एक साझा वैश्विक प्रतिबद्धता के साथ, इस सम्मेलन ने औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, समर्थन और मान्यता के लिए तंत्र स्थापित किए, जिसने यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूचियों और उसके बाद अंतर-सरकारी समिति के कार्यों की भी नींव रखी।

भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) और उसकी स्वायत्त संस्था, संगीत नाटक अकादमी (एसएनए), नई दिल्ली स्थित लाल किले में अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की मेजबानी करने वाली नोडल एजेंसियां हैं। दिल्ली स्थित यह 17वीं शताब्दी का भव्य किला, जो अपनी अद्भुत लाल बलुआ पत्थर की दीवारों और भव्य वास्तुकला, महलों, उद्यानों और संग्रहालयों के लिए जाना जाता है, स्वयं यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

भगत सिंह दौड़ प्रतियोगिता में बृजेश ने मारी बाजी

समाज जागरण

संभल बहजोई/भगत सिंह फिजिकल एकेडमी द्वारा तेली वाली सड़क पर स्थित नवीन पुलिस चौकी ग्राउंड में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 1600 मी का इवेंट रखा गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि

सुधीर कुमार, नितिन यादव कबड्डी खिलाड़ी,अवधेश यादव डीलर,हिमांशु प्रधान, सत्येंद्र सिंह राहुल यादव करीमपुर ने फिता काटकर शुभारंभ किया इसमें 1600 मी. में प्रथम बृजेश चंदौसी द्वितीय नारायण बबराला व हुकुम सिंह सादातवाड़ी तृतीय स्थान पर। ने बाजी मारी व सभी अतिथियों ने युवाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि असफलता एक सबक होती है जिसमें हमें अपनी कमियों को दूर कर दोबारा प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है कहा कि युवा शक्ति का प्रयास राष्ट्र निर्माण में करें कठोर परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति तक संघर्षरत रहे

इस दौरान वीरेश प्रजापति कोच, सुमित, अरविंद यादव,प्रदीप राणा,पुष्पेंद्र ,राजू यादव, टिंकू ,गौरव यादव रविंद्र फौजी ,रिंकू फौजी ,अभिषेक फौजी ,अमित फौजी ,एवं भारत सिंह, विरलेश यादव,लोकेश आदि उपस्थित रहे '

दो पक्षों में मारपीट मामले में मृतक बुजुर्ग के बेटे ने प्रधान पति समेत 9 लोगो के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरौरा काजी में सरसों के खेत में ट्रैक्टर पहुंचने को लेकर गुरुवार को हुए दो पक्षों में विवाद लेकर मृतक बुजुर्ग पातीराम के बेटे ने ओमपाल ने आरोपी धीरेंद्र खुशीराम राम गजेंद्र वीरेंद्र विनोद नेपाल पुष्पेंद्र प्रधान पति सुल्तान गांव निवासीगढ सिकरौरा काजी कोतवाली गुन्नौर समेत 9 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है

हालांकि दोनों पक्षों में डंडों व धारदार हथियार से एक दूसरे पर लाठी डंडों से प्रहार किया गया था जिसमे बुजुर्ग समेत 13 लोग घायल हुए थे जिनमें घायल बुजुर्ग पातीराम की अलीगढ़ अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार सुबह मौत हुई थी इसके बाद शनिवार की देर रात गंगा घाट राजघाट पर अंतिम संस्कार किया गया

जिसमें पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी खुशीराम, विनोद, भगत राम, श्रीपाल, गिरफ्तार करते इन चारों आरोपियों को जेल भेज दिया। जबकि शनिवार को भी आरोपी धीरेंद्र कुमार, व राम गजेंद्र निवासीगढ़ सिरौरागढ थाना गुन्नौर समेत दो दिन मे 6 आरोपियों को पुलिस जेल भेज चुकी है

जानकारी अनुसार गांव सिरौरा काजी निवासी खुशीराम विपक्षी मृतक पातीराम के सरसों के खेत से होकर ट्रैक्टर निकाल रहे थे तभी दूसरे पक्ष पातीराम पक्ष के लोगों ने ट्रैक्टर निकालने को लेकर विरोध किया तो खूनी संघर्ष हो गया लाठी डंडों लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए।

पूर्व में अमीन रहे व्यक्ति पर जालसाज तरीके से कागज बनाकर पीड़ित की जमीन पर कब्जा करने का आरोप

पूर्व अमीन पर जाली कागज बनाकर दशकों से अबैध कब्जे करने का आरोप।

समाज जागरण

बबराला थाना व नगर के मोहल्ला टंकी निवासी राजू गिरी पुत्र किशन गिरी ने तहसील प्रशासन को शिकायती पत्र देते हुए बताया की सन् 1988 में उनके पिता की हत्या हो गई थी तब हम सब भाई बहन बहुत छोटे-छोटे थे गरीब व बेसहारा होने के साथ साथ अनपढ़ भी रह गए। पीड़ित राजू गिरी ने बताया कि हमें कागज खतौनी का ज्ञान नहीं होने के चलते जमीन पर कब्जा नहीं कर पाए लेकिन हमारी जमीन पर बबराला निवासी पूर्व अमीन तहसील गुन्नौर रामौतार गुप्ता ने जबरदस्ती कब्जा कर रखा है और उसने तहसील प्रशासन से सांठगांठ कर अभिलेखों में भी हेर फेर करा दी गई है

पीड़ित वर्षों से अपनी जमीन के कब्जे को लेकर न्याय की गुहार लगा रहा है लेकिन अभी तक आरोपियों के खिलाफ ना कोई कार्रवाई हुई है व ना ही पीड़ित को कब्जा दिलाया गया है हालांकि पीड़ित ने गुन्नौर उप जिला अधिकारी को शिकायती पत्र के माध्यम से जमीन की पैमाइश कर इंद्राण करने का आदेश जारी करने के साथ साथ व कब्जा दिलाने की मांग की है।

शौचालय बिना बनवाए फर्जी तरीके से धनराशि निकालने का आरोप

समाज जागरण

गुन्नौर तहसील क्षेत्र के गांव खेरिया रूद्र निवासी ग्रामीण दुर्गेश कुमार, कमलेश, महाराज सिंह, कल्यान सिंह ने संयुक्त रूप से तहसील प्रशासन को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि हमारे सहित 40 परिवारों के शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है लेकिन शौचालयों की धनराशि प्रधान व सचिव की मिली भगत से निकल गई है पीड़ित परिवारों ने बताया की सूची में हमारे सभी परिवारों के नाम शौचालय बनवाने हेतु लिस्ट में दर्शा दिये गए हैं।

हालांकि ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी साल 2023 में उक्त प्रकरण मामले में संबंधित को शिकायत दे चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई अब पुनः तहसील प्रशासन को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

लेखपालों के खिलाफ भड़के किसान, नजीबाबाद तहसील में सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की मासिक बैठक शनिवार को नजीबाबाद तहसील परिसर में आयोजित की गई। बैठक के दौरान किसानों ने अपने लंबित मामलों और राजस्व कर्मचारियों के रवैये को लेकर कड़ा रोष व्यक्त किया। बाद में किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने नायब तहसीलदार ममता को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की किसानों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि क्षेत्र के कई लेखपाल किसानों के कार्यों में लापरवाही बरतते हैं और समय पर निस्तारण नहीं करते। वसीयत, नामांतरण एवं अन्य जरूरी कार्यों में अनावश्यक रूप से पैसे मांगने की शिकायत भी दर्ज की गई।

किसानों ने विशेष रूप से लेखपाल गौरव पर एक वर्ष से लगातार परेशान करने का आरोप लगाया, जबकि लेखपाल प्रदीप कुमार पर किसानों के साथ अभद्र व्यवहार करने की बात कही गई।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया, तो संबंधित राजस्व अधिकारियों, विशेष रूप से एम. सिंह, का घेराव किया जाएगा। बैठक के दौरान पूर्ति निरीक्षक नजीबाबाद को भी बुलाया गया, जिन्होंने मौके पर ही राशन कार्ड से जुड़ी कई समस्याओं का निस्तारण कराया। संगठन के युवा ब्लॉक अध्यक्ष नवेद अहमद ने कहा कि किसान हित सर्वोपरि है और संगठन हर मंच पर किसानों की आवाज उठाता रहेगा। इस दौरान धनश्याम सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष), आशीष त्यागी (युवा महासचिव), ओमेंद्र सिंह (तहसील उपाध्यक्ष), सोहित प्रधान, पवन सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पैदा होते ही मां से बिछड़ गया नन्हा हाथी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर बढ़ापुर/ नजीबाबाद वन प्रभाग की बढ़ापुर वन रेंज में एक नवजात हाथी का बच्चा पैदा होने के बाद मां से बिछड़ गया। नवजात के माँ से बिछड़ने के बाद से वन विभाग की टीम लगातार नवजात को उसकी मां से मिलाने का प्रयास कर रही है। बताया जाता है। कि नजीबाबाद वन प्रभाग की बढ़ापुर वन रेंज में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया जब गस्ती दल द्वारा रेंजर को सूचना दी गई कि रेंज के कक्ष संख्या 6 रामजीवाला बीट में एक गर्भवती हथनी द्वारा एक बच्चे को जन्म दिया गया। गर्भवती हथनी द्वारा सुरक्षित स्थान की तलाश के दौरान एक देड़ (दरार) को उपयुक्त स्थान मानकर उसके आड़ से बच्चे को जन्म दे दिया। परन्तु दरार अंदर से संकरी होने के कारण बच्चा दरार में अंदर की और सरक गया तथा अंदर जाकर फंस गया। बच्चे को पाने की चाह में हथनी ने काफी समय तक मौके मशक्कत की परन्तु एक

मां किसी भी तरह अपने बच्चे बढ़ापुर रेंज के रामजीवाला बीट का मामला तक नही पहुंच पाई। जिस कारण थक हार हथनी अपने नवजात को वहीं छोड़कर किसी तरह अपने बच्चे तक पहुचने के लिये वहां से दूर चली गई। हथनी की इस तरह की हरकत को देख रहे गश्ती दल ने हथनी के वहां से जाने के बाद जब उस दरार में जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। वहां पर नवजात हाथी तड़प रहा था। जिसके बाद गश्ती दल द्वारा तत्काल रेंजर बढ़ापुर को सूचना दी कि हाथी का एक नवजात बच्चा मां से बिछड़ गया है। सूचना पर बढ़ापुर वन रेंजर रमेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और नवजात हाथी की देखरेख शुरू कर दी। जब रमेश सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर जाकर देखा गया था। दो दिन का नवजात प्रतीत हो रहा है। जिस कारण उसको उसी स्थान पर रखकर उसकी देखभाल की जा रही है। क्योकि हो सकता है नवजात की माँ अपने बच्चे को ढूंढने वहां पर आये इसके साथ ही विभागीय उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराते हुए उनके दिशा निर्देश का पालन किया जा रहा है।

नदी की पुलिया पर अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरी बस, मची चीख-पुकार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। नगर में स्थित रहमान टाईल्स एण्ड मार्बल्स की दुकान समीप निजी प्राइवेट बस काशीपुर से नगीना जा रही थी। तभी तीव्र मोड़ पर अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। बस पलटने के दौरान यात्रियो में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों व पुलिस ने आकर घायलों को सीएचसी भेजा, जहां से गंभीर घायलों को हायर सेंटर भेज दिया गया। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। दुर्घटना में बस में सवार करीब 15-20 लोग घायल हो गए। रविवार को प्राइवेट बस काशीपुर से यात्री लेकर अफजलगढ़ की ओर आ रही थी। जैसे ही रविवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे निजी बस रहमान टाईल्स एण्ड मार्बल्स की दुकान के नजदीक अफजलगढ़ मोड़ के पास पहुंची तो बस अनियंत्रित हो गई और

नचना नदी की पुलिया में गहरे गड्ढे में जा गिरी। बस के गिरते ही सवारियों में चीख पुकार मच गई। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। बस पलटने के दौरान गांव कासमपुरगढ़ी निवासी तरन्नुम पत्नी इमरान उम्र 45 वर्षीय,रोजी पत्नी इरफान उम्र 27 वर्षीय,आफरीन दस वर्षीय पुत्री इरफान उम्र पांच वर्षीय,आदिल पुत्र इकरार उम्र 16 वर्षीय,साजिया परवीन उम्र 45 वर्षीय पत्नी फुरकान,इनाया उम्र तीन वर्षीय पुत्री इरफान,अरबीना उम्र 50 वर्षीय पत्नी नफीस,हसन उम्र 19 वर्षीय पुत्र महबूब,नाजिया उम्र 24 वर्षीय पुत्री इंतजार,सचिन उम्र 30 वर्षीय पुत्र धर्मेंद्र शर्मा व संगीता उम्र 28 वर्षीय पत्नी सचिन शर्मा तथा रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव बादीगढ़ निवासी प्रतीक उम्र 25 वर्षीय पुत्र प्रशांत, अफजलगढ़ निवासी रामकिशन उम्र 55 वर्षीय पुत्र नाथू सिंह,हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव नवादा निवासी हर्ष उम्र सात वर्षीय, अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव आसफाबाद चमन निवासी तालिब उम्र सात वर्षीय,गांव मानियावाला निवासी सोफिया उम्र 30 वर्षीय पुत्री शाकिर,महजबी उम्र 19 वर्षीय पुत्री सईद,रजिया उम्र 50 वर्षीय पत्नी अहमद,मुस्कान उम्र 17 वर्षीय, धामपुर पक्का बाग निवासी आकिब उम्र 28 वर्षीय पुत्र सलीम तथा मदन सिंह, शेरकोट कस्बा निवासी समीम अहमद,हल्दौर नवादा निवासी अनीता उम्र 55 वर्षीय पत्नी रामकिशन,अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सीरवासुचंद निवासी रिहान उम्र 18 वर्षीय पुत्र शहजाद तथा गांव रायपुर निवासी सानिया उम्र 30 वर्षीय पुत्री फिरोज अहमद,रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव हारार्वाला निवासी ज्योति उम्र 24 वर्षीय पुत्री शीशराम,कोटद्वार थाना क्षेत्र के गांव कौड़ियां निवासी सुशांत उम्र 18 वर्षीय घायल हो गए। बस के पलटते ही यात्रियों में चीखपुकार मच गई। लोगों का कहना था कि चालक बस को तेजी व लापरवाही से चला रहा था। कई बार रफ्तार कम करने का सुझाव देने पर भी वह नहीं माना। जब बस अफजलगढ़ मोड़ पर पहुंची तो मोड़ होने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को बस से निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से चिकित्सक ने आधा दर्जन से अधिक गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं मामूली रूप से चोटिल लोगों का उपचार कर घर भेज दिया।

दुआ फाउंडेशन रजिस्टर्ड की जानिब से सामूहिक विवाह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

टीम की कड़ी मेहनत से हुआ कार्यक्रम सफल पिछले दो माह से पूरी टीम दिनदाद लगी हुई थी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर ननजीबाबाद। दुआ फाउंडेशन रजिस्टर्ड की जानिब से सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की गरीब अहसहाय सर्वसमाज परिवार की लड़कियों का विवाह कराया गया। सामूहिक विवाह समारोह में दान स्वरूप दहेज व खाने का भी विशेष प्रबंध रहा। शुक्रवार को कोटद्वार रोड स्थित अग्रवाल फार्म हाउस में दुआ फाउंडेशन रजिस्टर्ड के बैनर तले क्षेत्र की हिंदू मुस्लिम सिख सहित सर्व समाज की निर्धन परिवार की लड़कियों का सामूहिक विवाह कराया गया। जिसमें निर्धन परिवारों की लड़कियों को दान दहेज भी दिया गया। आपको बता दे की दुआ फाउंडेशन ने विगत महा पूर्व पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान लुधियानवी के माध्यम से सहायता की गईं थी। साथ ही नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के दो युवको जिनकी

विदेश में मौत हो जाने के बाद दुआ फाउंडेशन ने मृतक के दोनों परिवारों को ढाई ढाई लाख रुपए के चेक देकर उनकी मदद की थी। दुआ फाउंडेशन भविष्य में भी जनहित, सामाजिक में मदद के कार्य करती रहेगी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम मे पिछले दो माह से दुआ फाउंडेशन की पूरी टीम दिन-रात लगी हुई थी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीम की कड़ी मेहनत रंग लाई और कार्यक्रम सफल हुआ कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए दुआ फाउंडेशन की क्षेत्रवासियों ने सरहाना की दुआ फाउंडेशन के अध्यक्ष अब्दुल्ला गुलजार, हाजी इनाम, हाजी यूसुफ कुरैशी, हाजी यूनुस कुरैशी, हाजी शमीम, हाजी नसीम अहमद, अनीस अहमद, इरफान कुरैशी, इमरान कुरेशी, इकराम कुरैशी, मास्टर मोहम्मद असलम, हाजी जब्बार, मास्टर अब्दुल सत्तार, गुलजार अहमद पत्रकार, हाजी इमरान, युसूफ पहलवान, मोहम्मद सलमान काशमी, लवी अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार, राजेश मिश्रा, मोहम्मद अकरम, नईम अहमद, जीशान अहमद, डॉक्टर मुकीम अहमद, मोहम्मद शान, सलीम कुरैशी एंबुलेंस वाले, महफूज आदि का विशेष सहयोग रहा।

सराय तरीन में खूंखार आवारा कुत्तों से लोग भयभीत,घर से निकलना हुआ दुश्वार

महिलाओं और बच्चों का निकलना दूश्वार बनता चला जा रहा है

समाज जागरण

संभल । सराय तरीन में आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। आवारा कुत्ते झुंड बनाकर गली, मुहल्ले में घूमते नजर आ रहे हैं।

झुंड के रूप में कुत्तों का रहना खतरनाक बनता जा रहा है। रातों को निकलना बड़ा मुश्किल हो गया है। गलियों में झुंड बनाकर कुत्ते टहलते नजर आ रहे हैं। लोगों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार कुत्तों को जल्द पकड़वाना चाहिए जिससे कोई दुर्घटना ना घटे। लोगों ने नगर पालिका से कुत्ते पकड़ने की अपील की है। कुत्ते अधिक परेशान करने लगे हैं, आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। मुहल्ला भूड़ा,होज कटोरा, दरबार, चकली आदि मुहल्लों में कुत्ते पड़े रहते हैं और उसके आसपास कचरा पड़ा रहता है।

कुत्ता काट लेता है, तो समय पर आसानी से वैक्सीन भी नहीं मिल पाती है। नगर पालिका को इस पर ध्यान देना चाहिए। कुत्ते जल्द अगर नहीं पकड़े गए तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। मु.सुहैल ने बताया कि कुत्ते झुंड के झुंड रूप में निकल रहे हैं और गलियों में रातों को घूम रहे हैं। महिलाओं और बच्चों का निकलना दूश्वार बनता चला जा रहा है। यह किसी भी वक्त मौका पाकर हमला कर देते हैं। बड़ी घटना होने से पहले जल्द इनको पकड़वाया जाए। जिससे नागरिकों को राह चलने में भी आसानी हो और बिना भयभीत हुए वह अपने गंतव्य तक पहुंच सके। आवारा कुत्ते जंगल में गधे का भी शिकार कर रहे हैं। यह आवारा कुत्ते जंगल से कस्बे की गलियों में घूमने लगे हैं, इनका जल्द इंतजाम न हुआ तो यह मौका देखकर लोगों पर भी हमला कर सकते हैं, जिससे बड़ी दुर्घटना भी घट सकती है छोटे बच्चे इसका शिकार हो सकते हैं। कुत्तों को जल्द पकड़वाया जाए और लोगों को इनसे निजात दिलाने का कार्य किया जाए

वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी राजपाल सिंह को श्रद्धांजलि, महमूदपुर कुंज में भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण

संभल।भारतीय इतिहास संकलन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं दैनिक जागरण के विज्ञापन प्रभारी मनीष सिंह के पिता के निधन उपरांत उनके निवास महमूदपुर कुंज में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओ ने श्रीमद् भगवत गीता के अनेक उद्धरण सुनाकर विदा हुई आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान प्राप्त होने की ईश्वर से प्रार्थना की। भारतीय इतिहास संकलन समिति की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उच्च न्यायालय इलाहाबाद के अधिवक्ता जयंत प्रकाश ने कहा कि ईश्वर राजपाल सिंह की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। चौधरी चंद्रपाल सिंह पूर्व एमएलसी किरन पाल सिंह, अरविंद सिंह, रणवीर सिंह, डी एन सिंह, प्रवीण रस्तोगी, धर्मवीर सिंह राणा, संजीव कुमार शर्मा, आदि ने 81 वर्षीय चौधरी राजपाल सिंह के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

वक्ताओं ने चौधरी राजपाल सिंह जी की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की सामूहिक प्रार्थना की। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू ने कहा कि आत्मा सदैव अजर अमर है। वह केवल शरीर रुपी वस्त्र बदलती है। अर्थात जीवन मरण का चक्र निरंतर चलता रहता है। ईश्वर की इस व्यवस्था में कोई दखल नहीं दे सकता। इस अवसर पर चाहल चौबीसी, दैनिक जागरण सहित सभी मीडिया जगत से जुड़े पत्रकार बंधु तथा अनेके समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया। उपस्थित समाज ने दो मिनट मौन धारण कर चौधरी राजपाल सिंह की आत्मा की चिर शांति के लिए तथा चौधरी परिवार को धैर्य प्रदान करने की सामूहिक प्रार्थना की। इस अवसर पर गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ किया गया और सभी ने स्वर्गीय राजपाल सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम का संचालन चौधरी हंसराज सिंह एवं भारतीय इतिहास संकलन समिति के जिलाध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने किया।

रोटरी क्लब चंदौसी लक्ष्य द्वारा रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड, 2025 का हुआ आयोजन

समाज जागरण

चंदौसी। रोटरी क्लब चंदौसी लक्ष्य द्वारा रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड, 2025 का आयोजन प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक, न्यू सत्यम एकेडमी, रामबाग रोड, चंदौसी पर आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए नितिन कुमार अग्रवाल द्वारा फीता काट कर किया। रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड यूथ लीडरशिप अवार्ड 2025 के अंतर्गत रोटरी क्लब चंदौसी लक्ष्य के अंतर्गत बनाए गए 57 इंटरेक्ट क्लब्स के इन्ट्रैक्टर्स द्वारा पी. टी., मीनार बनाना, कबड्डी, खो खो, 100 मीटर दौड़, चक्का फैंक, रस्साकसी, चेस, गायन एवं नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में सहभागिता की ।कुल 170 इन्ट्रैक्टर्स ने सहभागिता की। प्रत्येक प्रतिभागी को मेडल, शील्ड, प्रमाण पत्र ,कैप और अन्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में विशिष्ट

अतिथि के रूप में रो. संजय कुमार गुप्ता एवं रो. पुनीत चौधरी उपस्थित रहें। समारोह का संयोजन क्लब अध्यक्ष रो. अंकित वार्ष्णेय, रो.अमित कुमार आर. के., रो. सौरभ वार्ष्णेय, रो. मंगेश वार्ष्णेय एवं रो. राहुल वार्ष्णेय, रो. पीयूष कुमार वार्ष्णेय ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने किया ।कार्यक्रम में असिस्टेंट गवर्नर इं.लोकेश वार्ष्णेय, रो. निखिल अग्रवाल, रो. राजीव कृष्णा के साथ-साथ रो. सी. ए. विपिन कुमार अग्रवाल, रो. वीरेश अग्रवाल, रो. मुकेश अग्रवाल, रो. वंदना अग्रवाल, शिप्रा गेरा, प्रियंका चौधरी, आलोक चौधरी, आरके शर्मा आदि के साथ-साथ इंटरेक्ट क्लब के इंचार्ज अध्यापक एवं अध्यापिकाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड 2025 का संपूर्ण संयोजन एवं आयोजन करने में रायला अध्यक्ष रो० विजय कुमार का विशेष सानिध्य रहा।

संघर्ष को शक्ति में बदलना: रायपुर-विजाग कॉरिडोर का मानवीय प्रभाव

आगामी रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा उन लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित समाधान जैसा लगता है जिनकी आजीविका इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग पर निर्भर करती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, छत्तीसगढ़ के जंगलों, ओडिशा के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों तक फैला हुआ है। यह गलियारा कुल 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा एनएच-26 की 597 किमी की दूरी घटकर 465 किमी हो जाएगी - जिससे दूरी में 132 किमी और यात्रा समय में लगभग सात घंटे की बचत होगी। इससे ईंधन की बड़ी बचत होगी, जनता और माल ढुलाई ऑपरेटरों के लिए परिवहन लागत कम होगी।

मानवाधिकार संघ संस्था के तत्वावधान में चंदौसी के इंटर कालेजों में निबन्ध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

समाज जागरण

चंदौसी। मानवाधिकार संघ संस्था के तत्वावधान में चंदौसी के सभी हिन्दी माध्यम के इंटर कालेज के छात्र-छात्राओं की निशुल्क एक निबन्ध प्रतियोगिता मौहल्ला महाजन चन्दौसी स्थित श्री सोहनलाल सरस्वती शिशु मन्दिर में आयोजित की गयी। प्रतियोगिता के दो शीर्षक थे

जिसमें पहला शीर्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता वरदान या अभिशाप, और दूसरा सोशल मीडिया का किशोरों पर प्रभाव। जिनमें से किसी एक पर प्रतिभागी को निबन्ध लिखना था।

प्रतियोगिता में रामप्यारी इंटर कॉलेज की 3 छात्राएं, सनातन धर्म इंटर कॉलेज की 3 छात्राएं, बी.एम.जी इंटर कॉलेज की 3 छात्राएं, एफ. आर. इंटर

कॉलेज से 2 छात्राएं और 1 छात्र, जगदीश सरन सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज से 3 छात्राएं, आर.एस. इंटर कॉलेज की 4 छात्राएं, बाबूराम इंटर कॉलेज से 1 छात्रा एवं 2 छात्रों, राजेश कुमार विद्या मंदिर इंटर कॉलेजसे 3 छात्रों, चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी से 3 छात्रों,अक्रूर जी इंटर कॉलेज से 2 छात्राओं नें प्रतिभाग किया। कक्ष निरिक्षक का कार्यभार त्रिमोहन सिंह यादव, जगदीश राना, बृजगोपाल गुप्ता, जयशंकर दुबे नें संभाला, परीक्षा प्रमुख अश्वनी कुमार रहे, पवन गुप्ता, संजीव कुमार सिंह नें केंद्र पर्वेक्षण का कर्यभार देखा तथा कवेन्द्र गौड़, नीलेन्द्र सिंह, अविनाश गुप्ता, राजू बनर्जी, भावना गुप्ता, अनन्या जी, कंचन राघव आदि का विशेष सहयोग रहा। डॉ. दीपचंद अग्रवाल परीक्षा संयोजक रहे।

स्वाद, संघर्ष और लखपति दीदियों के सशक्तिकरण की कहानियाँ

दिसंबर की एक ठंड भरी सुबह, दिल्ली के सुंदर नर्सरी भारत के बेहतरीन क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए उत्सुक भीड़ की चहल-पहल से गुलजार थी। लेकिन प्रवेश द्वार के पास एक स्टॉल पर कुछ और ही चीज लोगों को अपनी ओर खींच रही थी, आत्मविश्वास की ऐसी रोशनी, जो किसी ऐसे व्यक्ति से निकलती है जो जानता है कि उसने न केवल अपना जीवन बदला है, बल्कि सैकड़ों अन्य लोगों की ज़िंदगी भी बदल दी है। काउंटर के पीछे मोहाली, पंजाब की श्रीमती वंदना भा-रद्वाज बेहद सरलता अपनी फुलकारी के कपड़े सजा रही थीं। हांलांकि फुलकारी की चमकीली कढ़ाई सर्दियों की धूप में झिलमिला रही थी, लेकिन यह उनकी ज़िंदगी की कहानी थी, जो उससे भी ज्यादा चमक रही थी। उन्होंने 2018 में एक छोटे से स्वयं सहायता समूह की दस महिलाओं में से एक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जहां वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को संभालते हुए घर पर फुलकारी की सिलाई करती थीं। उनकी क्षमताएं जल्द ही उभर कर दिखने लगीं। पहले, उन्होंने अपने ग्राम संगठन में 19 स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व संभाला और बाद में वंदना 25 गाँवों में 500 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का नेतृत्व करने लगीं, जो कई औपचारिक संस्थाओं से भी बड़ा एक सामुदायिक उद्यम है। सरस फूड फेस्टिवल 2025 में उनके स्टॉल पर न सिर्फ. कारीगरी के उत्पाद, बल्कि महिलाओं की सामूहिक प्रगति और सशक्तिकरण की झलक भी दिखाई देती है।

निमोनिया ने ली मासूम की जान,परिवार मे कोहराम

समाज जागरण कांधला।

नगर के मोहल्ला कानूनगोयान में नौ माह की मासूम बच्ची की निमोनिया के कारण हालत बिगड़ने से इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।सर्दी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में छोटे बच्चों में सर्दी-जुकाम और निमोनिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बच्चों की भीड़ उमड़ रही है,

लेकिन यहां बच्चा रोग विशेषज्ञ,पीडियाट्रिशियन की तैनाती नही होने से परिजनों को परेशान होना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं की यह कमी कई मासूमों के लिए खतरा बनती जा रही है।कस्बे के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी सिद्धार्थ की नौ माह की बेटी निर्विका को सर्दी, खांसी और तेज बुखार होने पर परिजनों ने डॉक्टर को दिखाया, जहां निमोनिया की पुष्टि हुई। बच्ची को तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत में सुधार नही होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्यवश रास्ते में ही मासूम ने दम तोड़ दिया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।परिजनों ने गमगीन माहौल में शव को दफना दिया है।

बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसलने से दंपति घायल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के बुढ़ाना मार्ग पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई बाइक पर सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने पुलिस की मदद से उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। मुजफ्फरनगर निवासी सरवन अपनी पत्नी राखी के साथ बाइक पर सवार होकर शनिवार की देर रात कस्बे में आ रहा था। बाइक सवार पति-पत्नी जैसे ही थाना क्षेत्र के बुढ़ाना मार्ग रेलवे फाटक पर पहुंचे तो अचानक से बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। बाइक सवार पति-पत्नी जमीन पर गिर कर घायल हो गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

धार्मिक स्थल की जमीन पर नलकूप लगाने पर टीम गठित

समाज जागरण कांधला।

श्री रामलीला कमेटी की भूमि पर निजी नलकूप लगाए जाने की शिकायत पर विद्युत विभाग में दो सदस्य समिति की टीम गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बा निवासी आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज अध्यक्ष प्राचीन श्री रामलीला पंचवटी मंडप ट्रस्ट कैराना रोड रामलीला मैदान ने विद्युत विभाग में शिकायती पत्र देकर खुलासा किया कि रामलीला मंडप की जमीन पर प्रबंधक ने निजी नलकूप का बिजली कनेक्शन ले रखा है, जबकि जमीन का मालिकाना हक कैलाशचंद पुत्र भगवती प्रसाद के नाम दर्ज है। 31 सितंबर को दी गई इस शिकायत के बाद विद्युत विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिशासी अभियंता रविन्द्र कुमार ने एसडीओ-प्रथम बिनीत कुमार की अध्यक्षता में दो सदस्यीय जांच दल बनाया है। दल को विभागीय नियम-कानून के तहत सभी पहलुओं की गहन जांच कर एक हफ्ते में रिपोर्ट देने को कहा गया है।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

समाज जागरण शामली।

शहर के वीवी पीजी कॉलेज शामली में 8 दिसंबर को प्रातः 11 बजे एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति रहेगा, जिस पर देश के जाने-माने राजनीति विज्ञान के विद्वान अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह संगोष्ठी जनता वैदिक कॉलेज, बीट व वीवी पीजी कॉलेज शामली के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद के निर्देशन में आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित होंगे। वहीं पूर्व कुलपति प्रो. आरएस यादव व केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर सुधीर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय एवं चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय मेरठ के शिक्षक व शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे। मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राजीव कुमार विशेष मार्गदर्शन देंगे। संगोष्ठी में देशभर से लगभग 150 शिक्षक व शोधार्थी शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

आशा वर्कर के साथ की मारपीट

समाज जागरण

कैराना। दो युवकों ने आशा कार्यकत्री के साथ मारपीट कर घायल किया।

गांव बधुपुरा निवासी नफीसा स्वास्थ्य विभाग में आशा के रूप में कार्यरत है। उसने कोतवाली पुलिस को बताया कि रविवार को वह अपने घर जा रही थी। रास्ते में गांव के ही दो युवक शोर–शराबा कर रहे थे। उसने शोर मचाने से मना किया, तो दोनों युवकों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की, जिस कारण वह घायल हो गई। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। पुलिस ने अलग–अलग स्थानों से अवैध शराब के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी गुलाब निवासी गांव गढ़ीदौलत के कब्जे से दस लीटर कच्ची शराब, वाकेश निवासी गांव गढ़ीदौलत के कब्जे से पांच लीटर कच्ची शराब, सोमवीर निवासी गांव गढ़ीदौलत के कब्जे से 20 पव्वे देसी शराब बरामद हुए। पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर आरोपियों का चालान कर दिया है।

घर के बाहर खड़े युवक के साथ मारपीट, दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

समाज जागरण कांधला।

नगर के मोहल्ला रायजादगान में पुरानी रंजिश के चलते दो पड़ोसी दो लोगों ने एक युवक पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था।चिकित्साकों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित की मां ने दोनों आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले की तहरीर दी है, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मोहल्ला रायजादगान निवासी लीला देवी पत्नी मोहन लाल नेथाने में दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा श्रीपाल उम्र करीब 25 वर्ष 21 नवंबर की शाम किसी काम से घर से बाहर जा रहा था। रास्ते में पड़ोस में ही रहने वाले सलेक और विकास ने उसे रोक लिया। दोनों ने पहले अभद्रता की, गाली-गलौज की और इसके बाद लाठी-डंडों से श्रीपाल पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट से श्रीपाल लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हुए तो दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने आनन- फानन में श्रीपाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़िता मां लीला देवी ने सलेक और विकास के खिलाफ जानलेवा हमला, मारपीट, गाली-गलौज व धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

अविवाहित युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, शव पीएम को भेजा

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिम्भालका में एक अविवाहित युवक की उसके ताऊ-चाचा के मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। ताऊ-चाचा ने युवक की मौत का कारण अत्यधिक शराब का सेवन बताया है, वहीं पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

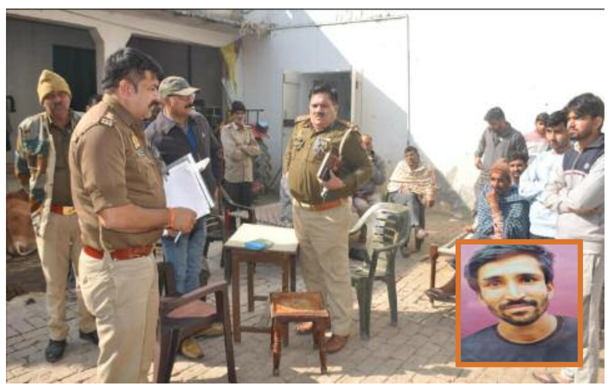

रविवार को शहर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि गांव सिम्भालका में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है और उसके ताऊ-चाचा बिना सूचना दिए अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में मृतक की पहचान 28 वर्षीय राविल पुत्र स्वर्गीय राजेश कुमार, निवासी ताजपुर सिम्भालका के रूप में हुई। युवक का शव उसके ताऊ तेजपाल और चाचा विनोद के मकान में चारपाई के नीचे आंगन में बने जानवरों को बांधने वाले छप्पर में पड़ा मिला। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर जांच कराई और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के ताऊ तेजपाल ने बताया कि उसके भाई राजेश की कई वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद राविल उसके ही साथ रह रहा था और वह अत्यधिक शराब पीने का आदी था। जमीन से मिलने वाले पैसों को भी वह शराब में खर्च कर देता था। शनिवार देर रात अधिक शराब पीने से उसकी मौत हो गई।

धीमानपुरा रेलवे फाटक के बार-बार बंद होने से लगा भीषण जाम

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) रविवार को शहर में भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम का मुख्य कारण धीमानपुरा रेलवे फाटक का बार-बार बंद होना और इस दौरान मालगाड़ियों का आवागमन रहा। जाम में फंसे वाहन चालक घंटों तक अपने गंतव्य की ओर बढ़ने की प्रतीक्षा करते नजर आए। कई स्थानों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। रविवार दोपहर के समय दिल्ली से सहारनपुर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन को निकाले जाने के दौरान यह स्थिति बनी। इसके तुरंत बाद एक मालगाड़ी भी निकाल दी गई, जिससे फाटक काफी देर तक बंद रहा। फाटक बंद रहने के कारण रेलवे क्रॉसिंग के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और देखते ही देखते पूरा इलाका जाम की चपेट में आ गया। मिनटों का सफर तय करने के लिए वाहन चालकों को घंटों इंतजार करना पड़ा। जाम में फंसे लोगों में स्कूल जाने वाले बच्चे,

मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस, व्यापारी, कर्मचारी और आम नागरिक शामिल रहे। दोपहिया वाहन चालक किसी तरह वैकल्पिक रास्तों से निकलने का प्रयास करते रहे, जबकि चार पहिया वाहन पूरी तरह जाम में फंसकर रह गए। कई लोगों को जरूरी कार्यों के लिए देरी से पहुंचना पड़ा, जिससे उनमें भारी आक्रोश देखा गया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि रेलवे विभाग द्वारा शहर के बुढाना फाटक पर ओवरब्रिज को मंजूरी तो मिल चुकी है, लेकिन अभी तक उसके निर्माण कार्य की शुरूआत नहीं हो सकी है। यदि इस स्थान पर ओवरब्रिज का निर्माण हो जाए, तो शहरवासियों को आए दिन लगने वाले जाम से स्थायी निजात मिल सकती है। लोगों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। नागरिकों ने यह भी बताया कि जाम की वजह से स्कूल वाहनों के फंसने की घटनाएं भी आम हो गई हैं, जिससे बच्चों को देर से स्कूल पहुंचना पड़ता है। कई बार तो परीक्षा के दिनों में भी बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते, जिससे अभिभावकों में भी खासा रोष है। जिला प्रशासन से लोगों ने मांग की है कि इस गंभीर समस्या पर शीघ्र ध्यान दिया जाए और ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कराया जाए, ताकि शहरवासियों को रोजाना जाम की परेशानी से राहत मिल सके।

लायंस क्लब शामली क्राउन ने किया रजाई वितरण कार्यक्रम

समाज जागरण

शामली। भीषण ठंड को देखते हुए लायंस क्लब शामली क्राउन द्वारा रजाई वितरण कार्यक्रम के प्रथम चरण में ग्राम जननीपुर (जलालाबाद) में 90 जरूरतमंद परिवारों को रजाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीपक जैन व परमेश तायल ने किया। उन्होंने क्लब की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास ठंड में गरीबों को बड़ी

राहत देते हैं। क्लब अध्यक्ष गौरव मित्तल एडवोकेट ने बताया कि क्लब का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार ठंड में बिना रजाई के न रहे। कार्यक्रम में सचिव आशीष गोयल, कोषाध्यक्ष तरुण जैन मौजूद रहे।

'वेश्यावृत्ति के अड्डों पर कार्यवाही को लेकर एसपी से मिलेंगे ग्रामीण'

:-गांव कण्डेला की चौपाल में आयोजित पंचायत में ग्रामीणों ने लिया निर्णय औद्योगिक क्षेत्र में युवती के साथ में अभद्रता व मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल

समाज जागरण

शामली कैराना।(फुरकान जंग) तीन दिन पूर्व क्षेत्र की युवती के साथ में औद्योगिक क्षेत्र में हुई अभद्रता व मारपीट की घटना ने तूल पकड़ लिया है। गांव कण्डेला में ग्रामीणों ने पंचायत करके औद्योगिक क्षेत्र में चल रहे वेश्यावृत्ति के अड्डों पर कार्यवाही की मांग को लेकर एसपी से मिलने का निर्णय लिया है। साथ ही, इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। विगत गुरुवार को औद्योगिक क्षेत्र में क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती

के साथ में छेड़छाड़ की गई थी। विरोध करने पर युवती व उसके भाई के साथ में मारपीट भी की गई थी। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने मौके पर धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया था। औद्योगिक क्षेत्र में एक कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व भाजपा सांसद प्रदीप चौधरी ने धरना दे रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही कराने की बात कही थी। कोतवाली पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज करके आदर्शमण्डी थानाक्षेत्र के गांव सेहटा निवासी पवन नामक आरोपी को अगले दिन जेल भेज दिया था। हालांकि पुलिस की कार्यवाही से ग्रामीण पूरी तरह संतुष्ट नजर नही आ रहे है। इसी मुद्दे को लेकर रविवार को गांव कण्डेला के सचिवालय भवन में ग्रामीणों की पंचायत हुई, जिसमें कण्डेला के अलावा, हिंगोखेड़ी, शेखूपुरा व जगनपुर के ग्रामीणों ने भाग लिया। पंचायत में ग्रामीणों ने तीन दिन पूर्व युवती के साथ में घटित घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने एक सुर में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में वेश्यावृत्ति के कई अड्डे संचालित हो रहे है, जिनसे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। पुलिस-प्रशासन इन अड्डों के संचालन पर रोक लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है।

पंचायत में निर्णय लिया गया कि ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही एसपी शामली से मिलकर इन अड्डों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करेगा। यदि इसके बाद भी पुलिस-प्रशासन कार्यवाही नही करता है तो ग्रामीण इन अवैध अड्डों के खिलाफ आंदोलन करेंगे। पंचायत में जगपाल प्रधान, एडवोकेट प्रेम चौहान, मास्टर अवनीश चौहान, मिंटू प्रधान, शीशपाल प्रधान, सूरज चौहान, रूपेश चौहान, विश्वास चौहान, राजकुमार चौहान, मोहित चौहान, नरेश चौहान, विकास चौहान आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

खाकी वर्दी में शराबी होमगार्ड का वीडियो वायरल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र निवासी एक होमगार्ड का वर्दी में शराब के नशे में चूर सड़क पर गिरते,पड़ते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, वायरल वीडियो में दो लोग शराबी होमगार्ड को सहारा देते हुए नजर आ रहे हैं। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी श्याम निवासी संदीप कुमार होमगार्ड के पद पर तैनात है। जिसकी तैनाती थाने पर चल रही है। रविवार को होमगार्ड संदीप का एक वीडियो तेजी के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में होमगार्ड सड़क पर झूमते हुए नजर आ रहा है। जिसमें दो लोग होमगार्ड को

पकड़कर सहारा देते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। वर्दी की गरिमा को तार-तार करते हुए होमगार्ड ने शराब का सेवन किया जिसका वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। गौरतलब है कि पूर्व में भी होमगार्ड का कई बार शराब के नशे में धूत व सड़क पर गिरते पड़ते वीडियो वायरल हो चुका है। होमगार्ड कमांडेड की लापरवाही के चलते फिर से होमगार्ड को तैनाती दी गई है। इसके बावजूद भी होमगार्ड अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।और होमगार्ड लगातार वर्दी की गरिमा को शर्मसार करते हुए शराब का सेवन कर लेता है। फिलहाल तो शराबी होमगार्ड का वर्दी में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है पुलिस अधिकारियों ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

सभासद की शिकायत पर चेयरमैन ने की सड़कों की जांच

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) रविवार को शहर के दिल्ली रोड और टायर मार्केट में जल निगम द्वारा बिछाई जा रही पाईप लाईन निर्माण के दौरान कार्य मानक के अनुसार न पाये जाने पर सभासद की शिकायत पर चेयरमैन ने सडकों की जांच कराई। जिसमें मात्र तीन से साढे 3 इंच ही सीसी पाई गई। उन्होने मामले की शिकायत डीएम से करने की बात कही है। शहर तथा आसपास देहात क्षेत्रों में जल निगम द्वारा पानी की पाईपलाईन बिछाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उक्त कार्य में लगातार अनियमितताऐं भी सामने आ रही है, लेकिन अधिकारियों की शिथिलता के चलते न तो कोई कार्यवाही की जा रही है और न ही किसी प्रकार की जांच हो रही है। रविवार को सभासद पति कालू कुरैशी ने नगर पालिका चेयरमैन अरविन्द संगल से शिकायत की कि जल निगम द्वारा पाईप लाईन बिछाने

के बाद जो सडक का निर्माण कराया जा रहा है उसमें मानक के अनुसार सीसी नही बनाई जा रही। जिसके बाद चेयरमैन अरविन्द संगल नगर पालिका के जेई व ठेकेदार को लेकर मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य की जांच की। मौके पर सीसी सडका को खोदकर देखा गया तो उसमें मात्र 3 इंच की सीसी माल पाया गया, जबकि रोडा नही डाला गया था। चेयरमैन ने बताया कि मानक के अनुसार उक्त सीसी सडक को गडढामुक्त करने के लिए चार इंच रोडा और 4 इंच सीसी का माल डालना है, लेकिन टायर मार्केट, दिल्ली रोड पर जांच के दौरान कही 3 इंच तो कही साढे तीन इंच माल डला हुआ पाया। रोडा न डालकर सीधा मिटटी पर ही माल डाल दिया गया। जिससे सडके भारी वाहन आने पर दब जायेगी और बारिश के दिनों में शराब हो जायेगी। उन्होने जिलाधिकारी से मामले की शिकायत करने की बात कही है। इस अवसर पर सभासद पति पंकज गुप्ता, सभासद पति कालू कुरैशी मौजूद रहे।

सुबह शाम सर्द हवाओं के चलने से जनजीवन अस्त- व्यस्त

समाज जागरण

शामली। जनपद में ठंड ने अब अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह-शाम सर्द हवाओं के चलने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ठंड बढ़ने के बावजूद शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों और गरीब तबके के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को मौसम का अधिकतम तापमान 23 डिग्री सैल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। सवेरे के समय ठंड का प्रकोप बढ गया था। सर्द हवाऐं चलने से सुबह-सुबह काम पर निकलने वाले लोग ठिठुरते नजर आए। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धीमानपुरा फाटक, शिव चौक, हनुमान रोड, फव्वारा चौक, नेहरू

मार्केट समेत अन्य इलाकों में अलाव नहीं जलने से लोगों को खुले में ठंड सहनी पड़ रही है। कई लोग मजबूरी में कूड़ा-कचरा या लकड़ी जलाकर हाथ तापते दिखाई दिए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर साल नगर पालिका द्वारा ठंड शुरू होते ही अलाव जलाने की व्यवस्था की जाती थी, लेकिन इस बार अभी तक कोई ठोस इंतजाम नजर नहीं आ रहा है। सबसे अधिक परेशानी ठेले-फड़ लगाने वालों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों और बेघरों को हो रही है, जो रात खुले आसमान के नीचे बिताने को मजबूर हैं। फिजिशियन डा. रीतिनाथ शुक्ला ने बताया कि ठंड बढ़ने से सर्दी, खांसी, बुखार और सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। नगरवासियों ने नगर पालिका परिषद और जिला प्रशासन से मांग की है कि शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर शीघ्र अलाव की व्यवस्था कराई जाए, ताकि ठंड से राहत मिल सके और कोई भी जरूरतमंद ठिठुरने को मजबूर न हो।

कश्यप समाज के युवाओं ने चलाया सफाई अभियान

समाज जागरण

शामली। क्षेत्र के गांव गोमतीपुर मजरा सिक्का में रविवार को कश्यप समाज के युवाओं द्वारा स्वच्छ भारत अभियान व कश्यप जागो अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक सफाई अभियान चलाया गया। गांव के युवा बारात घर पर एकत्र हुए और आपसी सहमति से यह निर्णय लिया कि गांव को स्वच्छ बनाकर गंदगी और बीमारियों को दूर भगाया जाएगा।

कश्यप जागो अभियान के अन्तर्गत रविवार को सफाई अभियान की शुरूआत सुबह 10 बजे गांव के बारात घर से की गई। पिछले कई महीनों से बारात घर में गंदगी का अंबार लगा हुआ था और वहां आवारा पशुओं का डेरा बना हुआ था। शादी-विवाह के चलते गांव में आने वाली बारात को अन्य निजी स्थानों पर ठहराना पड़ता था। इसी समस्या को देखते हुए गांव के युवाओं ने बैठक कर बारात घर को साफ कराने का निर्णय लिया। इसके बाद युवाओं ने गांव के गंदे नाले, नालियों और सड़कों की सफाई कर कचरा हटाया। सफाई अभियान को देखकर गांव के लोगों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और कई ग्रामीण युवाओं से प्रेरणा लेकर अपने-अपने घरों के बाहर स्वयं सफाई करने लगे। ग्रामीणों ने युवाओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों से न केवल गांव स्वच्छ बनता है, बल्कि बीमारियों से भी बचाव होता है। इस अवसर पर अमित कश्यप, मास्टर शिवराज कश्यप, अंकित कश्यप, डा. अनुज कश्यप, सोनू कश्यप, शिवराज कश्यप, गौतम कश्यप आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में चोरी करने वाला गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। विद्यालय में चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को चोरी के सामान समेत गिरफ्तार किया। गत अक्टूबर माह में गांव मलकपुर स्थित विद्यालय से गैस सिलेंडर व अन्य सामान चोरी की घटना सामने आई थी। प्रधानाध्यापक की ओर से पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। रविवार को पुलिस ने बताया कि घटना में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेंडर व विद्युत केबिल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संदीप निवासी गांव पावटीकलां बताया। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है।

नो नशा नेशन अभियान चलाकर किया नशा न करने के प्रति जागरूक

समाज जागरण बागपत।

नशा-मुक्त समाज के संकल्प को सुदृढ़ करते हुए डीएवी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल सेक्टर-8, पंचकूला ने आर्य युवा समाज के अध्यक्ष योगी सूरी के नेतृत्व में एमसी पार्क सेक्टर-20 में नो नशा नेशन अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों एवं विशिष्ट अतिथियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 100 कुंडीय यज्ञ ने आकर्षित किया ध्यान नशा-मुक्ति के संकल्प को मजबूत करने के लिए 100 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। विद्यालय की

प्रबंधक जस्करण हरिका मुख्य अतिथि रहीं। विशिष्ट अतिथियों में योगिंदर क्वात्रा (उपाध्यक्ष आर डब्ल्यूए एवं मंत्री, आर्य समाज, सेक्टर-20) और एमसी काउंसिलर गुरसेवक सिंह उपस्थित रहे। 100 से अधिक विद्यार्थियों और लगभग 80 शिक्षकों ने भक्ति भाव से सहभागिता की। शपथ ग्रहण और सिग्नेचर अभियान अतिथियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। स्थल पर लगे सिग्नेचर बोर्ड में करीब 250 लोगों ने हस्ताक्षर कर नशा-मुक्त भारत के समर्थन का संदेश दिया।

जांच में शामिल नही हुए प्रधान सचिव व ब्लॉक के कर्मचारी,टीम बिना जांच वापस लौटी

समाज जागरण

फतेहपुर विजयीपुर।विकासखण्ड के ग्राम पंचायत विजयीपुर में जांच करने पहुंची टीम बिना जांच किए वापस लौट गई। जांच टीम के पहुंचने के बाद सचिव व एपीओ ने जांच से दूरी बना ली। जिसकी बाद टीम को वापस लौटना पड़ा। शिकायत कर्ता विक्रम सिंह पटेल ने पिछले दिनों ग्राम पंचायत में मनरेगा के कार्यों में घोटाले का अंदेशा जताते हुए शिकायत की थी। शिकायत के बाद ग्राम पंचायत में हुए कार्यों की जांच के लिए लोकपाल मनरेगा बीते 4 नवम्बर को जांच के लिए पहुंचे थे। जांच पर पहुंची टीम ने मनरेगा के तहत कराए गए कई कार्यों की जांच की थी। जांच के दौरान कार्यों में कई जगह अनियमिताएं मिली थी। हालांकि कुछ बिंदुओं की जांच अधूरी रह गई थी। जिसकी जांच के लिए अगले सप्ताह टीम को दोबारा आना था। लेकिन अधिकारियों की हीलाहवाली के चलते दोबारा जांच के लिए टीम महीनों बाद पहुंची। मनरेगा लोकपाल राजबहादुर यादव शनिवार को जांच

के लिए गांव पहुंचे। गांव पहुंचे मनरेगा लोकपाल राजबहादुर यादव ब्लाक के कर्मचारियों का घंटों इंतजार करते रहे। मनरेगा लोकपाल ने कई बार सचिव व एपीओ को फोन भी किया। इस दौरान किसी ने फोन उठाना भी उचित नहीं समझा। करीब दो घंटे इंतजार के मनरेगा लोकपाल राजबहादुर यादव अपनी टीम के साथ वापस लौट गए। शिकायत कर्ता विक्रम सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत में मनरेगा आवास में लाखों रुपयों का घोटाला हुआ है। जिसकी वजह से भ्रष्टाचार में लिप्त लोग जांच से कतरा रहे हैं। जांच टीम आने की सूचना सभी को थी। लेकिन भ्रष्टाचार की पोल न खुले इसके लिए वह लोग जांच से दूरी बना रहे हैं। वहीं एपीओ ने जांच टीम की आने की सूचना पहले से न होने की बात कह कर पल्ला झाड़ रहे हैं। मामले में मनरेगा लोकपाल राज बहादुर यादव ने बताया कि जांच के लिए मौके पर पहुंचा गया था। जहां ब्लाक कर्मचारियों की उपस्थिति नहीं हो सकी है। जिसकी वजह से जांच नहीं की गई है। दोबारा नोटिस जारी कर जांच के लिए निर्देश दिए जाएंगे। मामले से डीएम व सीडीओ को भी अवगत कराया जाएगा।।

नेशनल ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन काउंसलिंग के सभी पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

(जब कोई ना दे साथ , तब हम आपके साथ)

समाज जागरण

सिद्धार्थ नगर, जनपद के डुमरियागंज तहसील के मन्नीजोत मानवाधिकार ऑफिस पर नेशनल ह्यूमन राइट प्रोटक्शने काउंसलिंग संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमल जलान, राष्ट्रीय सचिव नैमिष लाल यादव, के आदेश अनुसार बस्ती मंडल अध्यक्ष जहीर सिद्दीकी के द्वारा संगठन में आठ नई पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बताते चलें की, संगठन में सुनील कुमार श्रीवास्तव को जिला अध्यक्ष, राकेश कुमार मिश्रा को जिला उपाध्यक्ष,मसीहुद्दीन चौधरी युवा

जिला अध्यक्ष, डॉ नासीर को युवा जिला उपाध्यक्ष, शिव प्रसाद यादव युवा जिला महामंत्री, विनोद मिश्रा युवा जिला सचिव, जयप्रकाश त्रिपाठी को जिला प्रभारी एवं शहाबुद्दीन खान को तहसील अध्यक्ष, नियुक्त किया गया। मंडल अध्यक्ष बस्ती जहीर सिद्दीकी ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सोंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहो की पद की गरिमा को बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने पदाधिकारियों से संगठन के प्रति समर्पित रहने और गरीब व असहाय लोगों की मदद करने का आह्वान किया। नवनियुक्त जिला अध्यक्षे सुनील कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने और जरूरतमंदों लोगों की मदद करने का संकल्प लिया। साथ ही उन्होंने नेशनल ह्यूमन राइट्स प्रोटक्शन काउंसलिंग संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने का वादा किया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

समाज जागरण

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के रारी मोड़ पर बीते मंगलवार हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल अधेड़ व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के अनुसार खागा कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले छोटेलाल गौतम, पुत्र दूजा गौतम, मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार को उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मृतक के पुत्र सूरज गौतम की तहरीर पर अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किशनपुर थाना प्रभारी सत्यदेव गौतम ने बताया कि हादसे में घायल युवक की मौत के बाद नियमानुसार सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।।

एस आई आर में पात्र व्यक्ति छूट नहीं पाए-- उदय प्रताप सिंह

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! भारतीय जनता पार्टी जिला द्वारा सिरसागंज नगर क्षेत्र सरस्वती शिशु मंदिर सिरसागंज में मतदाता पुनः गहन परीक्षण (S I R) की अति आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नव-निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह का भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने मतदाता गहन पुनः परीक्षण (SIR) के निमित्त सिरसागंज नगर क्षेत्र के पदाधिकारियों व कार्यकताओं तथा BLO -2 से आह्वान किया इस अभियान में कोई भी पात्र मतदाता छूट न पाए सभी कार्यकताओं को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।SIR लोकतांत्रिक चुनाव प्रणाली को पारदर्शी बनाने का बेहतर कदम है। SIR मतदाता पुनः गहन परीक्षण अभियान में कार्यकर्ता सक्रिय रूप से अपने अपने बूथों पर मतदाताओं की सहायता के लिए घर-घर संपर्क कर

उनका फॉर्म सुदृढ़ रूप से भरवाने के लिए निरंतर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें क्योंकि कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो, मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में सभी की पार्टी कार्यकताओं व क्षेत्रीयजनों की भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख रूप से डॉ अमित गुप्ता जिला प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी , रंजना सिंह चेयरमैन सिरसागंज ठा. राघवेंद्र सिंह पूर्व चेयरमैन , डॉ. शोभित सिंह , शशिकला यादव , सियाराम धनगर, डॉ गुरूदत्त सिंह ,मंडल अध्यक्ष ज्योति गुप्ता , यशपालसिंह यादव , राजवीर सिंह, मंजेश शर्मा, बीरू धाकरे केशव गुप्ता , ,रेनू उपाध्याय , मोनू कुशवाहा, सागर गुप्ता, आलोक सेंगर , रिंकू राना ,सोनी राजपूत,अशोक पोरवाल ,आशा सिंह, महेन्द्र द्विवेदी , सतीश चंद्र प्रजापति राजा , गुड्डा पहलवान , विशाल मोहन यादव , विनय कुशवाहा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पार्षद ने घर में घुस व्यापारी नेता से की मारपीट,न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज, नेता ने लगाए सघन आरोप

समाज जागरण

फि रोजाबाद। पार्षद ने अपने साथियों के साथ घर में घुसकर व्यापारी नेता व पूर्व पार्षद के साथ घर में घुसकर मारपीट कर दी। व्यापारी नेता ने पार्षद पर कई आरोप लगाते हुए न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। नगर निगम के वार्ड संख्या 49 के पार्षद है। उन्होंने व्यापारी नेता अंबेश शर्मा के घर के पास टिंकू शर्मा के मकान में गली, नाली के ऊपर करीब 1 फीट की सिलिप बनवा दी है। जबकि गली 3 फीट चौड़ी है। गली से निकलने मे मोटर साइकिल निकालने में आम जनता को परेशानी का सामान करना पडता है। व्यापारी नेता ने स्लैप डालने से मना किया। इस बात पर पार्षद ने गाली गलौज की। लोगो ने मामला शांत करा दिया। आरोप है पार्षद 27 अगस्त को अपने साथ गुंडा किस्म के तीन-चार लोगो को लेकर उसके घर पर आ गया। उन लोगो ने घर मे अन्दर घुसकर प्रार्थी के साथ मारपीट की। मोहल्ले से चौथ वसूली नहीं करने देता। चीख पुकार पर मोहल्ले के लोगों ने बचाया। वह लोग जन से मारने की धमकी देकर भाग गए।

तेरी पटाखों की दुकान में आग लगवा देगें। व्यापारी नेता 11 अक्तूबर को अपने साथियों के साथ रामगोपाल, रामू भारद्वाज की मार्वल की दुकान ठारपूठा पर उद्घाटन मे जा रहे थे। तभी बाल किशन गुप्ता की कोठी के पास गली में पहुँचे ही पहले से घात लगाये उन लोगो ने रोक लिया। और गाली गलौज व धक्का मुक्की करते हुए धमकी दी कि साले तू बहुत बडा नेता बनता है तूने मेरे खिलाफ पुलिस में कार्यवाही की है उसे वापस ले ले नही तो तुझे जान से मार दूँगा।

पुलिस में व्यापारी नेता की सुनवाई नहीं हुई। उसने न्यायालय की शरण ली। व्यापारी नेता का आरोप है पार्षद ने कूटचरित पत्रावलियां लगाकर नागा निगम का चुनाव जीत है। उस पर कई मुकदमे है।

प्रवीन विद्यापीठ सिरसागंज में 08 दिसम्बर को होगी जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी!

समाज जागरण

फिरोजाबाद! विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिलाधिकारी फिरो जाबाद रमेश रंजन, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य एवं जिला विद्यालय निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार की सहमति एवं निर्देशन में जनपद के सभी बोर्डों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन एवं विद्यालय के प्रबंधक दीपक जादौन के संयोजन में दिनाँक 08 दिसम्बर 2025 को प्रातः 9 बजे से प्रवीन विद्यापीठ एन एच 19 जगमुदी, सिरसागंज में किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय ठाकुर जयवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में रमेश रंजन, जिलाधिकारी फिरोजाबाद, विशिष्ट अतिथि अतुल प्रताप सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, फिरोजाबाद कमलेश राजपूत, ब्लॉक प्रमुख अरांव, शत्रोहन वैश्य, मुख्य विकास अधिकारी, श्रीमती रंजना गुरुदत्त सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिरसागंज, नरेन्द्र मोहन जिला सूचना अधिकारी, मुख्य वक्ता आशीष कुमार पाण्डे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विशिष्ट वक्ता डॉ देवेन्द्र शाह, पूर्व क्षेत्रीय वैज्ञानिक अधिकारी आगरा एवं धीरेन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करेंगे। अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि जनपद स्तर पर जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत क्रमशः कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के 100 मॉडल प्रस्तुत किए जायेंगे। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा 15 मॉडलों का चयन करते हुए मण्डल स्तर हेतु उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्हीं 15 चयनित मॉडलों में से मूल्यांकनोंपरांत कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार हेतु क्रमशः रु 5000, रु 3000 व रु 2000 एवं 02 विद्यार्थियों को सान्त्वना पुरस्कार हेतु रु 1000, (प्रत्येक को) दिए जाने के साथ प्रशस्ति पत्र, सम्मान, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं निर्धारित नकद धनराशि से सम्मानित किया जाएगा एवं अन्य प्रतिभागियों को भी प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा। दीपक जादौन ने जनपद के समस्त बोर्डों के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को समय से प्रतिभाग कराकर उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि करें।

आनंद विहार से गुवाहाटी जा रही नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में अचानक फटा अग्निशमन यंत्र यात्रियों में फैली अफरा तफरी

समाज जागरण-ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! आनंद विहार से गुवाहाटी को जाने वाली डाउन नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस में उस वक्त सनसनी फैल गई जब तेज आवाज के साथ गाड़ी के २३ कोच में लगा अग्निशमन यंत्र का सिलेंडर धमाके के साथ फट गया। यह घटना फिरोजाबाद जनपद के टूंडला रेलवे जंक्शन पर सामने आई है टूंडला आर पी एफ थाना प्रभारी अवधेश गोस्वामी के मुताबिक घटना सुबह 10:30 बजे के आसपास की है जब आनंद विहार से गुवाहाटी जाने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर आकर खड़ी हुई थी इसी दौरान अचानक गाड़ी के २३ कोच में रखा फायर एक्सटिंग्विशिंग अचानक फट गया । फायर एक्सटिंग्विशिंग में हुए

धमाके के साथ ट्रेन के २३ कंपार्टमेंट में चारों ओर धुआं ही धुआं हो गया, तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि अग्निशमन यंत्र का निचला हिस्सा पूरी तरह से अलग होकर गिर गया हालांकि बताया जा रहा है कि अग्निशमन यंत्र काफी पुराना था इस वजह से इसमें इस तरह की घटना हुई है । गाड़ी में तेज आवाज सुनकर गाड़ी में तैनात सुरक्षा बल और स्टेशन पर तैनात सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए और गाड़ी की जांच शुरू की इस दौरान स्लीपर क्लास के २३ कंपार्टमेंट में टॉयलेट के पास रखें अग्निशमन यंत्र से धुआं उठता दिखाई दिया । फायर एक्सटिंग्विशिंग फटने से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई बताया जा रहा है कि यह अग्निशमन यंत्र काफी पुराना था और किसी वजह से अचानक इसमें अतिरिक्त दबाव बन गया जिसके चलते या घटना सामने आई है। आरपीएफ के मुताबिक गाड़ी में सुरक्षा जांच के बाद गाड़ी को अगले गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया । इस घटना के दौरान किसी यात्री और कोच में किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंची है ।

बच्चों ने दिखाया दम हम भी नही है किसी से कम!

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! विकास खण्ड जसराना के ब्लॉक संसाधन केन्द्र परिसर में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खण्ड जसराना के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्लॉक प्रमुख जसराना श्रीमती संध्या लोधी, अमलेन्द्र कुमार प्रबन्धक, श्रीकान्त सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी एका, भूपेन्द्र सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी जसराना, एवं नन्द कुमार खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड अरॉव ने माँ शारदे की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। समस्त मंचासीन अतिथिगणों द्वारा फीता काटकर एवं हरी झडी दिखाकर प्रतियोगिता प्रारम्भ करायी गयी। मार्च

पास्ट के द्वारा बच्चों ने अपने अनुशासन व सम्मान को प्रदर्शित किया। ब्लॉक प्रमुख श्रीमती संध्या लोधी ने बच्चों को खेलकूद के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि हमे हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना चाहिये और जीवन में कभी भी हार नही माननी चाहिये। अमलेन्द्र कुमार प्रबन्धक शिवओम पब्लिक स्कूल जसराना ने कहा कि हमे संस्कार युक्त शिक्षा के साथ साथ खेलकूद में भी रूचि लेनी चाहिये जिससे स्वस्थ तन के साथ-साथ मन भी स्वस्थ रह सके। खण्ड शिक्षा अधिकारी जसराना भूपेन्द्र सिंह ने बच्चों को अनुशासन एवं संस्कारों का महत्व बताते हुये टीम भावना विकसित करने पर जोर दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी व मेडल देकर पुरूस्कृत किया गया। प्राथमिक खो-खो बालक वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय खेरिया पटीकरा एवं कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय अतुर्रा की टीमें विजयी रही। उच्च प्राथमिक विद्यालय खो-खो बालक वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय पदम पटीकरा की टीम विजयी रही। प्राथमिक स्तर बालिका दौड ने कु0 मन्दिरा प्राथमिक विद्यालय अकबर कुतकपुर एवं रौनक प्राथमिक विद्यालय नगला रंजीत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में नैतिक उच्च प्राथमिक विद्यालय खुदादादपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी बच्चों को जलपान वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश राजपूत जिला महामंत्री यूटा द्वारा किया गया। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक कौशलेन्द्र सिंह, शारीरिक शिक्षा अनुदेशक राम विलास, अनिल कुमार, नरेश कुमार, विनीत कुमार, श्रीमती किरन, ने प्रतियोगिता को सम्पन कराया। निर्देश सिंह धीरेन्द्र सिंह, हेमेन्द्र सिंह, श्री आराम सिंह, प्रिंस कुमार ओमवीर सिंह माधौ सिंह, श्रीमती नीरज यादव श्रीमती रूकमणी वर्मा, मनोज शर्मा, हिरदेश कुमार उमाकान्त रविकान्त सिंह, प्रदीप कुमार, राजीव कुमार, उमेश बाबू अवनीश कुमार, अंकित कुमार, आशीष कुमार राहुल कुमार पेमेश्वर कुमार अजय कुमार, आदि विशेष सहयोग रहा। तथा विकास खण्ड जसराना के शिक्षक शिक्षिकाऐं उपस्थिति रहे।

सिया कुमारी भँवरपाल सिंह संस्कार निधि जन सेवा ट्रस्ट द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम संपन्न!

समाज जागरण

फिरोजाबाद। शनिवार को सिया कुमारी भँवरपाल सिंह संस्कार निधि जन सेवा ट्रस्ट द्वारा स्व. ठा. भँवरपाल सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर सिरसागंज के ग्राम चितावली में निर्धन एवं असहाय लोगों को कंबल वितरण कर उनकी याद में सेवा कार्य किया गया। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों तक राहत पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल कुमार, अरविंद सिंह, अवधेश कुमार, महेश कुमार सहित ग्राम प्रधान श्री आकाश वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि शक्ति सिंह, शकील अहमद तथा श्याम गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने स्व. भँवरपाल सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते

हुए उनके सेवा भावना वाले जीवन की सराहना की। ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि सेवा परमो धर्म : के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की सहायता करना हमारा सर्वोपरि कर्तव्य है। ट्रस्ट आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखेगा।

सारथी फाउंडेशन की 36वीं रसोई शुरू सैकड़ों जरूरतमंदों ने पाया लाभ

मानव सेवा का अनोखा उदाहरण मात्र पांच रुपए में मिला भरपेट भोजन

समाज जागरण बागपत।

मानव सेवा और सामाजिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सारथी वेलफेयर फाउंडेशन की 36वीं रसोई का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। उद्घाटन विश्व हिंदू महासंघ भारत के शिक्षक बुद्धिजीवी अध्यात्म प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 कृष्ण विश्वपाणि महाराज और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मलानिया प्रजापति ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। दोनों महान हस्तियों की उपस्थिति से कार्यक्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा का उत्साह देखते ही बन रहा था। उद्घाटन के दौरान विश्वपाणि महाराज ने कहा कि भूखों को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है और सारथी फाउंडेशन समाज में नई रोशनी जगा रहा है। सुरेंद्र मलानिया प्रजापति ने भी संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। रसोई शुरू होते ही सैकड़ों जरूरतमंदों ने मात्र पांच रुपए में स्वादिष्ट और

भरपेट भोजन का लाभ उठाया। संस्था की सदस्य वंदना गुप्ता ने भावुक होकर कहा कि जरूरतमंदों की तृप्ति ही उनकी सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। कार्यक्रम में अध्यक्ष विकास गुप्ता सहित अनेक समाजसेवी मौजूद रहे और सभी ने संस्था की सराहनीय पहल को सफल बनाने में योगदान दिया।

रथयात्रा के साथ पंचकल्याणक महोत्सव शुरू,उमड़े जैन श्रद्धालु

समाज जागरण बागपत।

संस्कारप्रणेता, ज्ञानयोगी,आचार्य श्री 108 सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी बडौत के तत्वावधान में दिगंबर जैन कॉलेज ए फील्ड में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ मुनिसुव्रतनाथ भगवान की रथयात्रा से हुआ। सोधर्म इंद्र सौरभ जैन कुबेर इंद्र सिद्धार्थ जैन,यज्ञनायक प्रभात जैन,ईशान इंद्र राजीव जैन,सनत इंद्र सतीश जैन,महेंद्र इंद्र अशोक जैन,भगवान के माता पिता चेतन लाल जैन,अन्य इंद्र मनोज जैन,संजय जैन,अभिषेक जैन,अंकुर जैन,विभोर जैन,राजेंद्र जैन,अनुज जैन,नीरज जैन,नितिन जैन,विकास जैन,राहुल जैन,अंकुर जैन आदि रथ और बग्गी पर विराजमान होकर रथयात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे।भारत के प्रसिद्ध बैंड धार्मिक धुन बजाते चल रहे थे वहीं ढोल, ताशे,भजन मंडली की मधुर धुनों पर जैन श्रद्धालु भक्ति कर रहे थे।रथयात्रा श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर दिल्ली रोड से प्रारंभ होकर नया बाजार,भगवान महावीर मार्ग होते हुए दिगंबर जैन कॉलेज ए फील्ड पहुंची। जहां पर ध्वजारोहण प्रवीण जैन और मनोज जैन द्वारा किया गया। सुंदर विशाल मंडप का उद्घाटन धनपाल जैन द्वारा किया गया। चित्र अनावरण जितेंद्र कुमार संदीप जैन डब्बू द्वारा और दीप प्रज्वलन अजय जैन मनीष जैन द्वारा किया गया। ध्वजारोहण प्रवीण जैन

और मनोज जैन द्वारा तथा मंडप उद्घाटन धनपाल जैन द्वारा किया जाएगा। चित्र अनावरण जितेंद्र कुमार संदीप जैन द्वारा और दीप प्रज्वलन अजय जैन मनीष जैन द्वारा किया गया। पंडित हंसमुख राय के निर्देशन में मंडप शुद्धि, याज्ञमंडल पूजन, सकलीकरण आदि की धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुई।प्रथम दिन गर्भ कल्याणक के प्रथम दिन प्रवचन देते हुए आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज ने कहा कि साधारणतया गर्भ का अर्थ होता है,मरण के बाद जन्म के पूर्व कुछ दिन केलिए विश्राम का स्थान। उस गर्भ के साथ कल्याणक शब्द जोड़ दिया गया है। जिस कारण से गर्भ में कुछ विशेषता आ गयी, कुछ अतिशय प्रगट हो गया, देवी-देवता का सम्बन्ध जुड़ गया, रत्नों की वृष्टि होने लग गयी, 8 देवियां, 56 कुमारियां सेवार्थ आ गयी, माँ को 16 स्वप्न दिख गये, नगर का सारा दारिद्रय समाप्त हो गया, क्योंकि चौदह करोड़ रत्नों की बरसात प्रतिदिन होने लगी, धरती हिरण्य -गर्भा हो गयी, दुःखी जीव सुखी होने लग गये। इसलिए एक पुण्यात्मा के गर्भ में आने के उपरान्त बदली परिस्थिति को ही गर्भ कल्याणक कह दिया गया। शाम को आरती एवं गर्भ कल्याणक के अंतर्गत नृत्य नाटिका की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में श्री मुनिसुव्रतनाथ मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पंकज जैन,सचिव अजय जैन काले ,राजकुमार जैन,कमल जैन,प्रवीण जैन,मुकेश जैन,प्रदीप जैन,सुनील जैन,अनिल जैन,सिद्धार्थ जैन,राकेश जैन,मनोज जैन,नितिन जैन,अखिलेश जैन,अमित जैन, संजय जैन, मनोज जैन,सतीश जैन आदि उपस्थित थे।

जीजीआईसी बड़ौत में वार्षिक समारोह और करियर मार्गदर्शन मेला रहा सफल

छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जीजीआईसी के वार्षिक आयोजन में बांधा समां
करियर मार्गदर्शन मेले में छात्राओं ने जाना उज्ज्वल भविष्य का रास्ता

समाज जागरण बागपत।

जीजीआईसी बड़ौत बागपत में प्रभारी प्रधानाचार्य श्रीमती अंजू की अध्यक्षता में वार्षिक समारोह एवं करियर मार्गदर्शन मेला अत्यंत सफलता पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बड़ौत

नगर के अध्यक्ष अश्विनी तोमर द्वारा माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। उनके करकमलों से प्रारंभ हुए इस आयोजन ने छात्राओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में मंच संचालन निशात खान ने सुगठित और प्रभावशाली ढंग से किया। साथ ही शिक्षिकाएँ प्रियांका जैन, अनीता, डॉक्टर प्राची सिंह, अल्का चौहान, विशाल रुहेला और हिमांशु ने पूरे आयोजन के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी के संयुक्त प्रयासों से कार्यक्रम अनुशासित, सुंदर और प्रेरणादायी बना रहा। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ पेश कीं। नृत्य, गीत और नाट्य मंचन ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने छात्राओं की प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान संदीप, सुंदर, मनचवीर सहित समाजसेवियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

अतिथियों ने विद्यालय की शिक्षण परंपरा, छात्राओं की प्रतिभा और आयोजन की उत्कृष्टता की प्रशंसा की। समस्त स्टाफ, छात्राओं और अभिभावकों के सहयोग से यह कार्यक्रम अत्यंत भव्य, अनुकरणीय और यादगार साबित हुआ। वार्षिक समारोह के साथ आयोजित करियर मार्गदर्शन मेला छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला सिद्ध हुआ।

बहल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार ने अपने स्टाफ के साथ जरूरतमंद लोगों की बस्ती में पहुंच सर्दी के बचाव के लिए किए गर्म कंबल वितरित

- थाना प्रभारी ने बस्ती के लोगों से नशों से दूर रहने का दिलाया संकल्प
- थाना प्रभारी ने 50 से अधिक परिवारों के लोगों को किया गर्म कंबल भेंट

बहल के थाना प्रभारी जरूरतमंद लोगों की बस्ती में सर्दी के बचाव के लिए कंबल भेंट करते हुए।

समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 7 दिसंबर। बहल पुलिस के सेवा सहयोग और समर्पण के दायित्व की पूर्ति का आज प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर उस वक्त मिला जब थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार अपने स्टाफ के साथ जरूरतमंद लोगों की बस्ती में पहुंच सर्दी के बचाव के लिए गर्म कंबल, बच्चों को चाकलेट व मिठाइयां तथा फल वितरित कर साकार करते हुए देखे गए। उन्होंने बस्ती के लोगों से नशों से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया और बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। रविवार को बहल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार ने कहा कि सर्दी व शीतलहर में जरूरतमंदों को जरूरत के लिए गर्म वस्त्र देकर उनको प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए समाज के लोगों का दायित्व होता है। जरूरतमंद लोगों की सहायता सामाजिक दायित्व की पूर्ति करता है। यह विचार बहल थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार ने जरूरतमंद लोगों को उनकी बस्ती में पहुंचकर गर्म कंबल भेंट करने के बाद मीडिया ने किए सवाल के जवाब देते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने बस्ती के बच्चों को फल व मिठाइयां भी वितरित की। थाना प्रभारी ने 50 से अधिक परिवारों को गर्म कंबल भेंट किया और लोगों ने थाना प्रभारी के नेक व सामाजिक कार्य के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। थाना प्रभारी ने मानव नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल लोगों को भी गर्म कंबल भेंट किए। उन्होंने यह भी कहा की समाज का कोई भी व्यक्ति किसी जरूरतमंद की किसी भी तरह की सहायता कर उनसे आशीर्वाद का पात्र बनता है और यह है धर्म और कर्म संगम भी होता है।

इंस्पेक्टर संजय कुमार इस वक्त थाना क्षेत्र में अमन शांति व कानून व्यवस्था और नशे के खिलाफ अभियान चला कर पुलिस कार्रवाई के लिए लोगों के दिलों पर छाय हुए हैं। क्षेत्र के लोग इंस्पेक्टर को सिंघम के नाम से पुकारते हैं। इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक कुलदीप सिंह, हेड कांस्टेबल देवेंद्र, महिला हेड कांस्टेबल जसवंत कौर सहित समाज के प्रमुख लोग भी कंबल वितरण कार्यक्रम में शामिल रहे।

राष्ट्र ध्वज तिरंगा दिवस पर तिरंगा संदेश सम्मान चेतना यात्रा आयोजित

देश की एकता और अखंडता को समर्पित हमारे राष्ट्र ध्वज तिरंगे को नमन

समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को राष्ट्रीय ध्वज दिवस पर तिरंगा संदेश सम्मान चेतना यात्रा का आयोजन किया गया। रविवार की छुट्टी को देखते हुए कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर ही विवेकानंद हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथों में लेकर तिरंगे को सम्मान दिया तथा देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

पखवाड़े के संयोजक एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने बताया कि संस्था द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 दिवसीय राष्ट्र ध्वज तिरंगा तुम्हें सलाम पखवाड़ा चलाया जाएगा। इसके तहत विद्यार्थियों एवं आमजन को राष्ट्रध्वज की गरिमा, महत्व और उसके संरक्षण संबंधी जानकारी दी जाएगी। निदेशक सावित्री यादव ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्रीय सम्मान, स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक है। इस ध्वज की आनझबानझशान बनाए रखना हर भारतीय का कर्तव्य है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उन वीर देशभक्तों को सलाम किया, जिनके बलिदान से देश को आजादी मिली और जिनकी बदौलत राष्ट्रध्वज आज गर्व से लहराता है। आयोजकों ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक हमारे वीर सैनिक तिरंगे को वक्ष स्थल पर लगाकर देश की रक्षा में तत्पर हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को तिरंगे के प्रति समर्पण की भावना सदैव जीवित रखनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान निकाली गई तिरंगा चेतना यात्रा में हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में ह्लहर घर तिरंगा झ हर दिल तिरंगाह्व का संदेश देते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और देशभक्ति की भावना को जनझजन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रध्वज की गरिमा बनाए रखने तथा देश की एकता और अखंडता के संरक्षण का संकल्प लिया।

सलेमपुर गांव में आवारा कुत्तों ने मचाया बड़ा आतंक

सलेमपुर में राष्ट्रीय पक्षी मोर को आवारा कुत्तों ने शिकार कर मार डाला, तो वन्य जीव प्राणी विभाग की टीम व बहल पुलिस ने मृतक मोर को अपने कब्जे में लेकर करवाया पोस्टमार्टम

समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 7 दिसंबर। बहल क्षेत्र के गांव सलेमपुर में राष्ट्रीय पक्षी मोर को आवारा कुत्तों ने रविवार को शिकार कर मार डाला, तो वन्य जीव प्राणी विभाग की टीम व बहल पुलिस ने मृतक मोर को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया और राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि करवाई। ग्रामीणों ने आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर चिंता जाहिर की और कहा कि ये आवारा कुत्ते पशुओं, पक्षियों तथा लोगों को भी अपना शिकार बना रहे हैं। उन्हें बच्चों को घर से बाहर भेजने से डर लगता है। सलेमपुर गांव में आवारा कुत्तों द्वारा बड़ा आतंक मचा मचाया हुआ है, इस गंभीर घटना को देखते हुए गांव सलेमपुर के रहने वाले कर्मवीर सारसर ने पुलिस को सूचना दी। बहल से पुलिस जांच अधिकारी जसवंत कौर व वन्य जीव विभाग से डा. जय कुमार पहुंच औपचारिक कार्रवाई पूरी कर मृतक मोर के शव को कब्जे में लिया। डा. जय कुमार ने बताया हम इस मृत मोर को अपने साथ लेकर जाएंगे और पोस्टमार्टम उपरांत राजकीय सामान के साथ राष्ट्रीय पक्षी मोर का दाह संस्कार किया जाएगा।

कालांवाली में 'नो नशा नेशन' की गूंज

डीएवी स्कूल द्वारा 100 कुंडीय हवन, युवाओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प, हजारों की मौजूदगी में कार्यक्रम सम्पन्न

समाज जागरण,
कालांवाली (सुरेश जोरासिया)

कालांवाली में रविवार को पुरानी अनाज मंडी शेड परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, वेद मंत्रों की ध्वनि और पवित्र आहुति की सुगंध से महक उठा। अवसर था डीएवी पब्लिक स्कूल कालांवाली द्वारा आर्य युवा समाज के सहयोग से आयोजित नो नशा नेशन अभियान के अंतर्गत 100 कुंडीय विशाल हवन का, जिसमें नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प पूरे जोश के साथ दोहराया गया। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक सामाजिक अभियान का रूप धारण कर गया। कार्यक्रम में शामिल हर आयु वर्ग के व्यक्ति बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग ने नशे के खिलाफ खुलकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। 7 दिसंबर 2025 की सुबह जैसे ही घड़ी ने 11 बजाए, पुरानी अनाज मंडी परिसर में वेद मंत्रों की ध्वनि गूंज उठी। 100 कुंड एक साथ प्रज्वलित हुए और पूरे परिसर में एक दिव्य वातावरण बन गया। युवाओं और विद्यार्थियों को विशेष रूप से एकत्रित कर यह संदेश दिया गया कि नशा केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का विनाश करता है।

स्कूल प्रबंधन का संदेश: 100 कुंडीय हवन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल कविता शर्मा ने कहा कि यह हवन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक विचार, पवित्रता और बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा बच्चों और युवाओं में पनपती नशे की प्रवृत्ति चिंताजनक है। इसलिए हमने हवन का आयोजन केवल पूजा के रूप में नहीं, बल्कि समाज जागरूकता के रूप में किया है। कविता शर्मा ने यह भी कहा कि डीएवी स्कूल वर्षों से सामाजिक अभियानों में अग्रणी रहा है और आगे भी युवाओं को सही दिशा देने का प्रयास जारी रहेगा।

नशे के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई में, कई बड़े गैंग खत्म : थाना प्रभारी सुनील कुमार

कार्यक्रम में पहुंचे थाना प्रभारी कालांवाली ने मंच से स्पष्ट कहा कि हरियाणा पुलिस नशा तस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार सख्त अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि डीजीपी हरियाणा के विशेष निर्देश और डबवाली पुलिस कप्तान द्वारा जारी सख्त आदेश के बाद क्षेत्र में नशे के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा हमने इलाके में कई जगह छापेमारी कर नशे की सप्लाई रोकने में सफलता पाई है। यह अभियान आगे और तेज किया जाएगा। समाज यदि साथ खड़ा हो जाए तो नशा खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगा।

चेयरमैन सुरेश सिंगला रंटी और प्रमुख गणमान्य भी रहे उपस्थित :

कार्यक्रम में डीएवी स्कूल के चेयरमैन सुरेश सिंगला रंटी ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा नशा युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। स्कूल, समाज और प्रशासन मिलकर ही इसे रोक सकते हैं। इनके अलावा अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए कमेटी मेंबर वेद प्रकाश, राज कुमार आर्य, मार्केट कमेटी चेयरमैन सतपाल पिपली, वाइस चेयरमैन मोहन लाल जिंदल, डीएवी स्कूल प्रिंसिपल कविता शर्मा, समाजसेवी दिनेश गर्ग जैन, मनजीत रत्तेवाल, स्कूल स्टाफ व अध्यापक और सैकड़ों बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

महंत महेश मुनि महाराज ने कुरुक्षेत्र में किया 'देवमाली' पुस्तक का विमोचन।

- धर्म नगरी कुरुक्षेत्र में श्री पंचायती उदासीन बड़ा अखाड़ा के महंत महेश मुनि जी महाराज ने डॉ. संजीव कुमारी, शिखा कुमारी व राकेश छोकर द्वारा लिखित पुस्तक
- 'देवमाली : आध्यात्मिक एंव सांस्कृतिक सरोकार' पुस्तक का विमोचन किया।

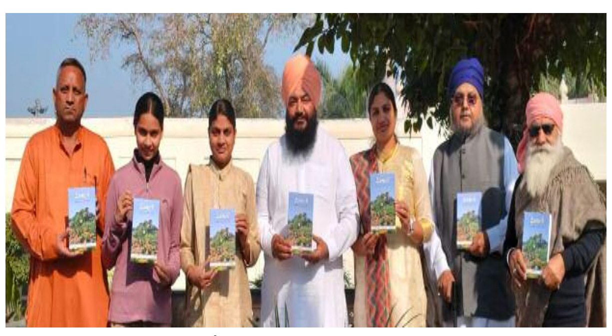

समाज जागरण, अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र पुस्तक का विमोचन कुरुक्षेत्र स्थित श्री पंचायती उदासीन बड़ा अखाड़ा के महंत महेश मुनि जी महाराज के कर कमलों द्वारा किया गया। उक्त पुस्तक श्री देवनारायण जी द्वारा की गई पूजा स्थले देवमाली गांव के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संदर्भ को ध्यान में रखकर लिखी गई है। देवमाली एक ऐसा स्थान है जो देव कृपा से अभिभूत है। यह गांव पूरी तरह से सात्विक है तथा एक ही परिवार के सभी लोग यहां रहते हैं। आज की 21वीं सदी में भी यह गांव सतयुग की याद दिलाता है। यहां सभी मकान कच्चे हैं तथा लोग घरों में ताला नहीं लगाते। यहां पर श्री देव जी की कृपा बरसती है तथा लोग बहुत ही शांति से अपना जीवन व्यतीत करते हैं। आज तक यहां चोरी डकैती का कोई मामला दर्ज नहीं है। यहां कोई भी व्यक्ति दुर्व्यसन नहीं करता।` यह सभी देव कृपा से ही संभव है।

इससे पहले भी लेखक विष्णु अवतार श्री देवनारायण जी पर वे देव जी की फड़ कथा पर दो पुस्तक लिख चुके हैं। यह दोनों पुस्तकें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हैं। इस अवसर पर सरदार मनजीत सिंह खैरा, महंत मंगल मुनी, महंत देवी शरण, वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक, शिवम चौधरी, रमणीत सिंह, सानवी, वे अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने लेखकों को शुभाशीष व आशीर्वाद दिया कि वे निरंतर इसी प्रकार अपना लेखन कार्य रखें। क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भी लेखकों को बधाई प्रेषित की है। इस पुस्तक के लोकार्पण से देव भक्तों में हर्ष व्याप्त है।

विश्व शांति केंद्र में शाश्वत हिन्दू फाउंडेशन के द्विदिवसीय सम्मेलन का आयोजन हुआ

सनातन शक्तियों को एकजुट होने की जरूरत - आचार्य लोकेश

समाज जागरण, गुरुग्राम/ नई दिल्ली

अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश ने विश्व शांति केंद्र में आयोजित शाश्वत हिन्दू फाउंडेशन के द्विदिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि विश्व शांति और सद्भावना के लिए सनातन शक्तियों को एकजुट होने की जरूरत है

विश्व शांति दूत आचार्य लोकेश मुनि ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आस्था के केंद्र मंदिरों की अहम भूमिका है अखंड व अद्वितीय भारत निर्माण और विश्व शांति के लिए सनातन मूल्यों और भारतीय संस्कृति पर आधारित जीवन शैली को अपनाने कि आवश्यकता है सनातन का मूल मंत्र वसुधैव कुटुंबकम की आज विश्व को आवश्यकता है

मंदिरों के वर्तमान स्वरूप में हमारी भूमिका विषय को संबोधित करते हुए डॉ पवन सिन्हा गुरुजी ने कहा कि मंदिर भक्ति और शक्ति दोनों के केंद्र है, इनका संरक्षण और संवर्धन करना हर सनातनी का दायित्व है राष्ट्र निर्माण के लिए जन जन को संकल्पबद्ध होकर कम से कम प्रतिदिन एक घंटा मंदिर को देना होगा श्री विजय कौशल जी महाराज ने समापन सत्र में विश्व गुरु मार्ग में मंदिरों की भूमिका विषय को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय समाज का मूलाधार मंदिर है मंदिरों से व्यक्ति निर्माण, समाज कल्याण, और राष्ट्र निर्माण का अविरल प्रवाह संचालित होता है

स्वागत भाषण महामंत्री श्री संजय शर्मा ने दिया प्रमोद कुमार, अखिल भारतीय प्रमुख धमार्चार्य संपर्क राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, संरक्षण सी. पी. चौहान, उपाध्यक्ष रमेश आर्या, राकेश मृदुल, सुनील गुप्ता, अंशुमान डोगरा, आकाश दीप, डॉ गुंजन झा, के डी पाठक, रवि कटारिया, शिवदत्त ठाकुर, वीरेंद्र सिंह, आदि ने भी विभिन्न आयामों पर अपने विचार व्यक्त किए

इश्क में अंधा प्रेमी बना जल्लाद प्रेमीका के बेटे को उतारा मौत के घाट

समाज जागरण, बादल हुसैन

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने एक महिला पर जबरन शादी का दबाव बनाने के लिए उसके ढ़ाई शाल के बच्चे का अपहरण कर लिया। हालांकि पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए बच्चे को मुरादाबाद से सकुशल बरामद कर उसे उसकी मां

को सौंप दिया है।और आरोपी वसीम को गिरफ्तार भी कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी आवारा है और वह बच्चे की मां से शादी करना चाहता था। इसलिए उसने मासूम को अगवा किया। दिल्ली पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की चांज कर रही है। कश्मीरी गेट थाना पुलिस को दो माह के मासूम के अपहरण की सूचना मिलीं है। खबर मिलते ही पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंच गई। और शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। उसकी बहन के घर पर छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गुरुद्वारा श्री चोरमार साहिब में 9 को श्री अखंड पाठ साहिब के डाले जाएंगे भोग, सजाया जाएगा कीर्तन दरबार

एसकेएस गैर राजनीतिक (भारत) द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 साला शहीदी शताब्दी को समर्पित श्री अखंड पाठ साहिब का प्रकाश करवाया गया : लखविंदर सिंह औलख सिरसा

(रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख)

जैतो,7 दिसम्बर :भारतीय किसान एकता के प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख ने एक विज्ञप्ति में बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक (भारत) द्वारा गुरुद्वारा श्री चोरमार साहिब हरियाणा के मुख्य सेवादार संत बाबा गुरपाल सिंह के सहयोग से श्री गुरु तेग बहादुर, भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के 350 सालाना शहीदी शताब्दी को समर्पित गुरुद्वारा चोरमार साहिब में आज श्री अखंडपाठ साहिब का प्रकाश करवाया गया है और मंगलवार, 9 दिसंबर को श्री अखंड पाठ साहब के भोग डाले जाएंगे और कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। औलख ने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मेंबर बाबा गुरमीत सिंह त्रिलोकेवाला जी ने बताया है कि शहीदी शताब्दी समागम में 9 दिसंबर को गुरुद्वारा चोरमार साहिब में तख्त श्री दमदमा साहिब (तलवंडी साबो) के जत्थेदार सिंह साहब ज्ञानी टेक सिंह जी धनौला जी भी पहुंच रहे हैं त्रिलोकेवाला जी ने उन्होंने हजूरी रागी श्री दरबार साहिब तेजेंद्र सिंह और गुरुद्वारा जामनी साहिब के हेड ग्रंथि ज्ञानी बलविंदर सिंह की 9 दिसंबर को गुरुद्वारा चोरमार साहिब में ड्यूटीयां लगाई गई हैं, जो संगत को कथा कीर्तन से निहाल करेंगे और गुरु तेग बहादुर जी की मानवता के लिए की दी गई सबसे बड़ी कुबार्नी के बारे में विस्तार से बखान करेंगे। इस समागम में संत-महापुरुष, हजूरी रागी श्री दरबार साहिब, कथा वाचक व किसान नेता पहुंचेंगे। सभी इलाका निवासियों से प्रार्थना है कि 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे से लेकर 1.30 बजे तक शहीदी शताब्दी समागम में पहुंच कर शब्द गुरु के साथ जुडकर अपना जीवन सफल करें। श्री गुरु तेग बहादुर जी के ,350 साला शहीदी शताब्दी को समर्पित श्री अखंड पाठ साहिब का प्रकाश का दृश्य।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 10 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में एनएचआरसी, भारत के मानव अधिकार दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी

समाज जागरण,

1950 से 10 दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला मानव अधिकार दिवस, 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाए जाने की याद में मनाया जाता है। गरिमा, समानता और स्वतंत्रता के लिए एक वैश्विक घोषणा पत्र के रूप में, यूडीएचआर मानव अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के लिए विश्व में प्रयासों का मार्गदर्शन करता है।

इन सार्वभौमिक आदर्शों के अनुरूप, भारत का संविधान और मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, उसी लोकाचार को प्रतिबिंबित करते हैं जिसके कारण 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत की स्थापना हुई। आयोग मानव अधिकार दिवस को सभी हितधारकों के लिए प्रत्येक व्यक्ति के मानव अधिकारों का सम्मान करने, उन्हें बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराने का अवसर मानता है।

10 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस वर्ष के मानव अधिकार दिवस समारोह में सरकारों, नागरिक समाज, शिक्षाविदों, मानव अधिकार रक्षकों, राजनयिकों, संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों जैसे विभिन्न हितधारक एनएचआरसी में शामिल होंगे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु एनएचआरसी के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति श्री वी. रामसुब्रमण्यन, आयोग के सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि होंगी।

इस वर्ष के मानव अधिकार दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा चुनी गई थीम ह्यदैनिक आवश्यकताएं' के अनुरूप, इस दिन को मनाने के लिए, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत भी इसी स्थल पर ह्यदैनिक आवश्यकताएं: सभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य भाषण प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा देंगे। यह विषय भारत की विकास यात्रा से पूरी तरह मेल खाता है जो इस बात पर जोर देता है कि मानव अधिकार केवल अमूर्त आकांक्षाएं नहीं हैं। ये दैनिक आवश्यकताएं हैं जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास, न्याय, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं के माध्यम से किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करती हैं।

आयोग का मानना है कि बुनियादी सुविधाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने तथा सभी के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान के संवैधानिक वादे को पूरा करने के लिए उत्तरदायी शासन और कुशल सार्वजनिक सेवाएं आवश्यक हैं।

हाल के वर्षों में, देश ने प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, वन बंधु कल्याण योजना, आकांक्षी जिले एवं ब्लॉक कार्यक्रम आदि जैसी पहलों के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि, इन कल्याणकारी नीतियों को निरंतर सुदृढ़ प्रयासों के साथ पूरक बनाने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पहुंच, जागरूकता और जवाबदेही में कोई कमी न रहे।

इस सम्मेलन के दो सत्रों झ ह्यसभी के लिए बुनियादी सुविधाएं: एक मानव अधिकार दृष्टिकोणह्ल और ह्यसभी के लिए सार्वजनिक सेवाएं और सम्मान सुनिश्चित करनाह्ल - का उद्देश्य इन पहलुओं पर चर्चा करना है। इन दोनों सत्रों में प्रख्यात क्षेत्र विशेषज्ञ, भारत सरकार के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इन पहलों पर विचार-विमर्श करेंगे।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, भारत अपनी स्थापना के समय से ही नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों सहित सभी प्रकार के मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के अपने प्रयासों में अडिग रहा है। इसने सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों में मानव अधिकार-केंद्रित दृष्टिकोण को समाहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, साथ ही विविध पहलों के माध्यम से लोक प्राधिकारियों और नागरिक समाज में जागरूकता भी बढ़ाई है।

जांच, खुली सुनवाई, शिविर बैठकों, स्व संज्ञान, राहत की सिफारिशों और नीतिगत सलाह के माध्यम से आयोग के सक्रिय हस्तक्षेप न्याय और जवाबदेही के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। इसने स्व संज्ञान के मामलों सहित मानव अधिकार उल्लंघनों की 23.8 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की है और अपनी स्थापना के बाद से मानव अधिकार उल्लंघन के पीड़ितों के लिए 264 करोड़ रुपये की राहत की सिफारिश की है।

भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का प्रभाव निवारण से आगे बढ़कर व्यवस्थागत सुधार तक फैला हुआ है जो कानूनों और नीतियों की समीक्षा, विषयगत परामर्श और बाल अधिकारों और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर पर्यावरण संरक्षण और श्रम कल्याण तक के मुद्दों पर शोध-आधारित पहलों में स्पष्ट है। अपनी कोर ग्रुप बैठकों, परामर्शों और ओपन हाउस चर्चाओं, राष्ट्रीय सम्मेलनों और ऐसे ही सहयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग मानव अधिकार शासन को मजबूत करने के लिए सरकारी निकायों, राष्ट्रीय आयोगों, राज्य मानव अधिकार आयोगों, विशेषज्ञों, मानव अधिकार रक्षकों और नागरिक समाज के बीच संवाद को बढ़ावा देता है।

आयोग प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, मूट कोर्ट और इंटर्नशिप के माध्यम से सिविल सेवकों, पुलिसकर्मियों और छात्रों को संवेदनशील बनाकर क्षमता निर्माण में भी योगदान देता है जिससे संस्थानों में मानव अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इसके अलावा, आयोग अपने आईटीईसी समर्थित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्लोबल साउथ के राष्ट्रीय मानव अधिकार संस्थानों (एनएचआरआई) के वरिष्ठ पदाधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है जिससे वैश्विक स्तर पर मानव अधिकार सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व को बल मिलता है। अब तक, एनएचआरसी, भारत ने चार क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें से दो पिछले एक वर्ष के दौरान अफ्रीका, पूर्वी एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र के 23 देशों के एनएचआरआई के 78 वरिष्ठ पदाधिकारियों की भागीदारी के साथ आयोजित किए गए थे।

इंडिगो परिचालन संकट पर नागर विमानन मंत्रालय की कार्रवाई – हवाई किराया विनियमन

नागर विमानन मंत्रालय ने मौजूदा व्यवधान के दौरान कुछ एयरलाइनों द्वारा असामान्य रूप से अधिक हवाई किराए वसूले जाने की चिंताओं को गंभीरता से लिया है। यात्रियों को किसी भी प्रकार के अवसरवादी मूल्य निर्धारण से बचाने के लिए मंत्रालय ने सभी प्रभावित मार्गों पर उचित और तर्कसंगत किराए सुनिश्चित करने के लिए अपनी नियामक शक्तियों का प्रयोग किया है।

सभी एयरलाइनों को एक आधिकारिक निर्देश जारी किया गया है जिसमें अब निर्धारित किराया सीमा का सख्ती से पालन अनिवार्य किया गया है। ये सीमाएँ तब तक लागू रहेंगी जब तक स्थिति पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाती। इस निर्देश का उद्देश्य बाजार में मूल्य निर्धारण अनुशासन बनाए रखना, संकटग्रस्त यात्रियों का शोषण रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि जिन नागरिकों को तत्काल यात्रा करने की आवश्यकता है - जिनमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र और मरीज शामिल हैं - उन्हें इस अवधि के दौरान आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े।

विवाहिता का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने पर केस दर्ज

समाज जागरण

वाराणसी ।। जिले के एक विवाहिता की फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल करने और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। जंसा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।खेवली चकरा निवासी विवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम की 'सगुण-पटेल-7811' नामक आईडी पर अपलोड की गई थी। इस तस्वीर का इस्तेमाल कर उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था, साथ ही धमकी और गाली-गलौज भी दी जा रही थी।

विवाहिता की तहरीर के आधार पर जंसा पुलिस ने मोबाइल नंबर 959884** से जुड़े अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

रोहनिया विधायक डॉ सुनील पटेल ने बाटे कम्बल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रविवार दोपहर अलाउद्दीनपुर स्थित पंचायत भवन में रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने सैकड़ों गरीब, असहाय, दिव्यांग और बुजुर्गों को कंबल बांटे।यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शीतलहर से बचाव के लिए आयोजित किया गया

था। इस अवसर पर तहसीलदार सदर संत विजय सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का स्वागत ग्राम प्रधान बसंत लाल पटेल ने किया। विधायक डॉ. सुनील पटेल ने इस दौरान कहा कि गरीबों, असहायों और बुजुर्गों की सेवा करना उनका कर्तव्य है।इस अवसर पर प्रदेश महासचिव उमेश पटेल, जिला सचिव सुनील पटेल, युवा मंच के जिलाध्यक्ष मानस सिंह, विनोद पटेल, गोविंद पटेल, राजस्व निरीक्षक आपदा छांगुर प्रसाद, लेखपाल सुनील कुमार और क्षेत्रीय लेखपाल निर्मला देवी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओ व बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किया जागरूक

समाज जागरण

मीरजापुर /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिजार्पुर सोमेन बर्मा के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज झ 5.0 अभियान के तहत महिला सम्बन्धी अपराध के रोकथाम हेतु अहुगी खुर्द गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य केंद्र पर रविवार को मिशन शक्ति प्रभारी एसआई रमाशंकर,व महिला कांस्टेबल पूजा चौहान व कांस्टेबल राजेश मौर्य द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओ एवं हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया गया छात्राओं के लिए बनाए गए कानूनों के बारे में महिला शशक्तिकरण के बारे जागरूक किया गया ।

पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर (आईजीआरएस) - 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, एंबुलेंस हेल्पलाइन नंबर 108, गर्भवती महिलाओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन नंबर 102, अग्निशमन हेल्पलाइन नंबर 101, आशा ज्योति केंद्र 181 आदि हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया है टीम में एसआई रमाशंकर, कांस्टेबल राजेश मौर्या,व महिला कांस्टेबल पूजा चौहान रही।

गंवई मेला मे लाखो श्रद्धालु करेगे दर्शन पूजन रहेगी भक्तों की भारी भीड़

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया क्षेत्र के सुप्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में सोमवार को गंवई मेला पर लगभग एक से अधिक श्रद्धालुओं के पहुचने का अनुमान है शीतला माता का दर्शन पूजन कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करेंगे। सुरक्षा के तौर पर थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने मेले का चक्रमण कर रविवार को सभी प्वाइंट पर पुलिस तैनाती स्थल सुनिश्चित किया है। माँ शीतला का प्राकट्य सदियों पुर्व नीम के पेड से हुआ है यहाँ की मान्यता है कि जो भी सच्चे मन से पूजा अर्चना करता है उसकी माँ सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती है। चेचक जैसे विमारी में नाब दान में जल का लेप करने से लोगों को राहत मिलती है।रविवार को गंवई मेला के मद्देनजर थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने गड़बड़ा धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।थानाध्यक्ष ने मेला क्षेत्र में मोबाइल शौचालय का निरीक्षण किया साफ सफाई और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करवाए जाने हेतु एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव से जानकारी साझा किया।भीड़ को नियंत्रित करने तथा दर्शनार्थियों की सुरक्षा को लेकर थानाध्यक्ष हलिया राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिसकर्मियों संग व पीएसी बल तैनात रहेगी। मेला परिसर में बडे वाहनों को रोकने के लिये एक किमी पुर्व दो बैरियर लगा कर पार्किंग किया गया।अलाउंस की व्यवस्था खोया पाया केंद्र मंदिर के पूरवी तरफ रहेगा जहाँ से भूले भटके लोगों को परिजनों से मिलने में दिक्कत होगी।मंदिर प्रबंधक सुभाष चंद शुक्ल व प्रकाश चंद शुक्ल व ज्ञान चंद शुक्ल ने बताया कि गंवई मेला पर मां शीतला दर्शन पूजन के लिये एक लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इस तरह से गडबडा धाम के 15 दिवसीय मेले का समापन होगा इसके बाद दुकान दार व झूला थाना क्षेत्र के कोटार शिव धाम में पूसी तेरस मेले में पहुचेंगे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में बेटी को किया गया सम्मान।

समाज जागरण

वाराणसी। अशोका इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दिनांक 7 दिसम्बर(रविवार)को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भाग लेकर एक बेटी को सम्मानित करते एवं ललित कला अकादमी,उत्तर प्रदेश के

अध्यक्ष(राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त)डॉक्टर सुनील कुमार विश्वकर्मा को अखिल भारतीय विश्वकर्मा ट्रस्ट सिगरा वाराणसी की पत्रिकाह्वपांचालह्वभेंट करते पूर्व जिला विकास अधिकारी,डॉक्टर डी0 आर0 विश्वकर्मा ने किया।

डॉक्टर जय प्रकाश व बी एच यू कृषि विज्ञान संकाय के प्रोफेसर पी0 के0 शर्मा,ट्रामा सेंटर के चिकित्साधिकारी डॉक्टर रामवतार विश्वकर्मा एवं परफार्मिंग आर्ट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर चंदन विश्वकर्मा शामिल रहे।

समूह से जुड़ी दीदियां अधिक से अधिक व्यवसायिक गतिविधियों से जुड़े: विमल कुमार सिंह।

*संकुल स्तरीय संघ का व्यवसाय विकास योजना (बीडीपी) विषयक प्रशिक्षण सम्पन्न।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी संकुल स्तरीय संघों की सफलता का मूल आधार है उसकी व्यवसायिक गतिविधियां। जिस सीएलएफ में जितना ज्यादा व्यवसायिक गतिविधियों से समूह सदस्यों को जोड़ा जाएगा वह संकुल उतना ही अधिक आर्थिक रूप में सशक्त होगा।

उक्त बातें जिला ग्राम्य विकास संस्थान परमानंदपुर में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत दिनांक 01 दिसम्बर से चल रहे जनपद वाराणसी के विकास खण्ड काशीविद्यापीठ के ग्रंथ सीएलएफ और अनोखी सीएलएफ के "व्यवसाय विकास योजना (BDP) विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के समापन अवसर पर जिला प्रशिक्षण अधिकारी विमल कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कही। सत्र प्रभारी संजय कुमार सिंह ने कहा आत्मनिर्भर बनने के लिए महिला समूह को सशक्त होना जरूरी है जिससे भविष्य में स्वरोजगार का सृजन हो।

इस अवसर पर जिला मिशन प्रबंधक श्रवण कुमार सिंह ने संकुल समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए उसकी कार्ययोजना पर सबसे अधिक ध्यान देना होता है, आप सभी दीदियां प्रशिक्षण में दी गयी जानकारी को अच्छी तरह से सीखें और इसे अपने-अपने ग्राम संगठनों में जाकर लागू करें और अधिक से अधिक समूह सदस्यों को व्यवसायिक गतिविधियों से जोड़ने का काम करें।

प्रशिक्षण के दौरान तीन दिवसों में डीआरपी राजेश कुमार द्विवेदी व घनश्याम प्रजापति द्वारा व्यवसाय विकास योजना की प्रक्रिया, ढाँचा व तैयारी के चरण पर विस्तार से जानकारी दी गयी और प्रशिक्षुओं से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षण में सत्र प्रभारी संजय कुमार, डीएमएम रामानंद, सुरेश तिवारी, सपना कुमारी, महिमा देवी, प्रतिमा गुप्ता, पूजा देवी, बबिता, नीतू, प्रियंका, रंजना, गीता देवी, निरमा, मीना, उर्मिला, दीपमाला, माया देवी, सुनीता देवी, सीता, शीला, सुमन, चन्दा, मंजू, प्रीति आदि सहित दोनों सत्रों में 81 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व ग्रुप फोटो वितरित कर प्रशिक्षण सत्र का समापन किया गया।

नियमों के प्रति जागरूक किया गया

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश चन्द उत्तम व क्षेत्राधिकारी यातायात श्री आलोक कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात श्री मो0 शमीम द्वारा घने कोहरे के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से जनपद के थाना हरदत्तनगर व थाना मल्हीपुर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर विभिन्न प्रकार के वाहनों पर निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया तथा आम जनमानस को एकत्र कर यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें शासन द्वारा चलायी जा रही राह-वीर योजना व राह-वीर योजना के अन्तर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे मे विस्तृत रूप से जागरूक करते हुए

दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सदैव सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने एवं मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन न चलाने आदि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों/जागरूकता संबंधी पम्पलेट्स वितरित कर उन्हे सदैव यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई* इसके अलावा प्रभारी यातायात द्वारा जनपद के विभिन्न चौराहो, तिराहों व स्थानीय बाजारों आदि स्थानो पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों की उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध यातायात के विभिन्न मापदंडों में चालान की कार्यवाही करते हुए अधिक से अधिक शमन शुल्क अधिरोपित किया गया

जैविक किसान मेला में जैविक खेती अपनाने पर दिया जोर

किसान मेले में उमड़ी किसानों की भीड़, दी गई जैविक खेती की जानकारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

मीरजापुर ।। नमामि गंगे योजना द्वारा संचालित बायोसर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मझवां विकास खंड के कनकसराय गांव में किसान मेले का आयोजन किया गया।जिसमे किसानों को आधुनिक कृषि के बाबत नई जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर योगेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को जैविक खेती से कम लागत में अच्छी उपज की जानकारी देते हुए, खेत में हो रही कार्बन की कमी को बढ़ाने के लिए विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराया। डॉ सुरेश ने किसानों को बीजामृत और जीवामृत बनाने और उसके प्रयोग के बारे में

जानकारी दी। मेले में किसानों को जैविक खेती पर जोर देते हुए कम लागत से अधिक उपज की बारे में बताया। प्रदीप यादव ने किसानों को शासन द्वारा किसानों के कल्याण हेतु चल रही योजनाओं, कृषि विविधीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, उमेश सिंह, सोनू, हिमांशु सिंह, सोहन सहित गांव के अन्य किसान उपस्थित रहे।

विद्या संजीवनी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा का आयोजन किया गया

ओंकार नाथ चौधरी

इतिहास रच गया – मिशन शिक्षा क्रान्ति का सफल पड़ाव

लखनऊ,विद्या संजीवनी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा Dr. M.C. Saxena Group of Colleges, डुबग्गा, सीतापुर रोड, लखनऊ में आयोजित किया गया मेगा सेमिनार मीटिंग पूरी तरह से ऐतिहासिक और सफलता पूर्वक संपन्न हुई!

– मिशन शिक्षा क्रान्ति
– 12वीं के बाद फ्री शिक्षा
– जीरो कॉलेज फीस पर एडमिशन

जैसे जनसेवा के महान संकल्पों को

हम सब मिलकर जमीन पर उतार रहे हैं – यह गर्व की बात है।फोटो व वीडियो यही साबित करते हैं कि जब सोच नेक होती है, तो बदलाव निश्चित होता है!

सभी लीडर्स, वॉलंटियर्स, पार्टनर्स और साथियों को दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद और बधाई! अब मिशन रुकेगा नहीं – हर छात्र तक पहुँचेगा!

कार्यक्रम विद्या संजीवनी एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर पुष्पराज पटेल जी द्वारा मिशन शिक्षा क्रान्ति का आयोजन किया गया

नावाडीह को अनुमंडल बनाने की मांग को लेकर हुई रणनीति तैयार।

भुनेश्वर कुमार महातो,
संवाददाता – समाज जागरण

बेरमो / डुमरी : बेरमो अनुमण्डल क्षेत्र के नावाडीह प्रखण्ड स्थित विनोद बिहारी महतो स्टेडियम नावाडीह ग्राउंड मे नावाडीह को अनुमंडल बनाने की माँग को लेकर रविवार को एक बैठक सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता पोस्टों पंचायत के मुखिया उमेश महतो एवं संचालन नावाडीह सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि क्षेत्र के जीप सदस्य के अध्यक्षता मे एक बैठक होगी जिसमे क्षेत्र के लोग उपस्थित होंगे और एक साथ बैठकर आपस मे विचार विमर्श किया जाएगा। वही नावाडीह प्रखण्ड के ऊपरघाट स्थित पिपराडीह मे पहला बैठक 21 फरवरी,द्वितीय बैठक 28 फरवरी को बाराडीह पंचायत भवन एवं तृतीय बैठक 04 जनवरी को सुरही पंचायत भवन में करने का निर्णय लिया गया है । बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित नावाडीह मुखिया श्रीमती किरण देवी ने कहा कि नावाडीह प्रखण्ड को अनुमंडल बनाने का निर्णय सराहनीय है और इस पहल पर सभी का सहयोग और समर्थन करना चाहिए। वही सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल ने कहा कि इन बैठकों के बाद नावाडीह प्रखण्ड के विनोद बिहारी महतो स्टेडियम में एक सम्मेलन कर अध्यक्ष सचिव और कमेटी का विस्तार कर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा ।

बैठक में झारखंड आंदोलनकारी प्रोफेशर अलाउद्दीन अंसारी, समाजसेवी घनश्याम महतो,भगीरथ महतो, सतनारायण महतो, राज हसन, सुरेंद्र गुप्ता, मूरत महतो, बासुदेव महतो, जगरनाथ महतो, विजय महतो, सतनारायण प्रसाद बर्नवाल, मूरत महतो, महेंद्र महतो, नारायण महतो, चुनीलाल महतो सहित सेकड़ो लोग उपस्थित थे।

गांव में बच्चों को शिक्षा देकर समाज मे परिवर्तन सम्भव है: विजय गौंड

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। शिक्षा समाज का दर्पण है। समाज मे परिवर्तन लाने की दिशा में गांव में बच्चों को शिक्षा देकर समाज मे परिवर्तन सम्भव है। एकल अभियान के तहत एकल विद्यालय और उससे जुड़े आचार्य गण इस दिशा में पंचमुखी शिक्षा द्वारा पंचमुखी विकास करने का दायित्व अनुशाषित रहकर कर रहे हैंऔर आगे करते रहेंगे।

एकल अभियान में एकल विद्यालय के द्वारा शिक्षा, आरोग्य शिक्षा,संस्कार शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा व जागरण शिक्षा यानि पंचमुखी शिक्षा के साथ पंचमुखी विकास भी कर रहा है। इस समय देश मे साढ़े चार लाख एकल विद्यालय चल रहे हैं।

उक्त बातें एकल अभियान सम्भाग पूर्वी उत्तर प्रदेश भाग काशी,अंचल सारनाथ के 'नवींन आचार्य अभ्यास वर्ग के 10 दिवसीय समापन सत्र में मुख्य अतिथि भाग उपाध्यक्ष विजय गौंड व अंचल अध्यक्ष कुबेर चंद गुप्ता ने संयुक्त रूप से व्यक्त किया।

प्रशिक्षण में भाग एवं अंचल समिति,अंचल टोली के व 11 संचो से आचार्य बहनों ने प्रतिभाग कर 10 दिवस तक स्थानीय धर्मशाले में प्रवास कर प्रशिक्षण पूरा किया। समापन अवसर पर अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राज्य प्रशिक्षक व वरिष्ठ पत्रकार के0 एल0 पथिक का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।उन्होंने भगवान श्री राम की पगधुली पवित्र धाम रामेश्वर व भगवान श्री राम के एक दिन प्रवास व उनके हाथों स्थापित एक मुट्ठी रेत से शिवलिंग की स्थापना और विशाल भव्य मंदिर सिंधिया नरेश द्वारा निर्मित सहित धार्मिक महत्व की संक्षिप्त जानकारी दी।

प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से अंचल सदस्य मनीष केसरी, सम्भाग अभियान प्रमुख सन्तोष पासवान, भाग प्रशिक्षक बबउ प्रसाद,अंचल अभियान प्रमुख यशवंत कुमार ,अंचल प्रशिक्षक कामता प्रसाद ,अंचल गतिविधि प्रमुख भैयालाल , अंचल मूल्यांकन रविन्द्र कुमार व संच प्रमुख गुंजा देवी,अनिता देवी, समिता देवी, अर्चना देवी व अशोक कुमार उपस्थित रहे।सभी प्रतिभागियों में सांत्वना उपहार वितरित किया गया। समापन बंदेमातरम गीत से सम्पन्न हुआ।

सड़क किनारे बनी झुग्गी-झोपड़ियों में पुलिस ने किया सघन जांच

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम 05बजे पुलिस ने सड़क किनारे बनी झुग्गी-झोपड़ियों में सघन जांच अभियान चलाया। यह कार्रवाई पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की गई, जिसका उद्देश्य बाहरी और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करना था।

जंसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रह रहे बाहरी लोगों की गहनता से जांच की गई। संदिग्ध पाए गए व्यक्तियों को तत्काल अपने गृह जनपद लौटने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त, थाना क्षेत्र में किराए पर रहने वाले लोगों के सत्यापन को लेकर भी विशेष निर्देश जारी किए गए। मकान मालिकों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे अपने किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं। थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि यह अभियान शासन की मंशा के अनुरूप मिले निर्देशों के आधार पर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्यापन का यह कार्य जल्द ही पूरा कर शासन को अवगत करा दिया जायेगा।

बूथ लेबल कार्यकर्ता अपनी पूरी जिम्मेदारी एस आई आर अभियान में निभाएं: त्रिभुवन राम विधायक

16 दिसम्बर से और भी बढ़ेगी कार्यकताओं की जिम्मेदारी।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी देश मे 'भारत निर्वाचन आयोग' एस आई आर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान चलाकर मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाकर निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया की तैयारी कर रही है। इस अभियान में भाजपा के बूथ लेवल कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व निभाएं ताकि मृत, स्थान बदल चुके या फर्जी नाम को हटाएं और नए पात्र मतदाता को सूची में शामिल कराकर डुप्लीकेट प्रविष्टियों को ठीक कराने का कार्य करें। माननीय सीएम योगी जी ने यह सन्देश सभी कार्यकताओं को दी है।अन्य मंडलों में जाकर जिम्मेदारियों से अवगत कराएंगे। ऑनलाइन व प्रपत्र अपडेट हर हाल में पूरा कराएंगे कार्यकर्ता।

उक्त बातें आज रविवार को 'आपरूप ला कालेज अहिरौली'व गौतम बुद्ध विद्यालय रौना खुर्द में आयोजित कार्यकर्ता बैठक को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि अजगरा विधायक त्रिभुवन राम ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वाराणसी व

लखनऊ जनपद भी 30%से 40% फर्जी मतदाता शामिल होते हैं। यह बड़ी दुर्भाग्य है।

25से 50 हजार फर्जी वोटर की संभावना हर बार बनी रहती है।ऐसे में हर कार्यकर्त 50 फर्जी मतदाता हटवाएं,50 मतदाता जोड़ने व 50 संशोधन का कार्य कराएं।माइक्रो मैनेजमेंट की बात की जानकारी दी। नौकरी करने वाले मतदाता सुबह से शाम ड्यूटी पर चले जाते हैं कार्यकर्ता उनके घर देर शाम पहुंचकर प्रपत्र भरवाने का कार्य करें।

वक्ताओं में प्रमुख रूप से सुनील सिंह प्रभारी वाराणसी, रामप्रकाश सिंह 'बीरू' जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा वाराणसी, अखंड प्रताप सिंह प्रभारी एस आई आर विधानसभा अजगरा, चंद्रशेखर सिंह उपाध्यक्ष, राणा चौहान,संजय भारद्वाज, मोहन बाबू, विनोद सिंह रहे। बैठक में हरहुआ ,आयर मण्डल के मण्डल अध्यक्ष ,मण्डल महामंत्री,शक्ति केंद्र संयोजक गण ,बूथ अध्यक्ष गण सहित अन्य बरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल रहे।

भारत के संतों, ऋषियों और मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार है: उपराष्ट्रपति

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्म कुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और अंतः जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या और ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत @2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति ओम शांति रिट्रीट सेंटर की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल मिशन लाइफ के साथ तालमेल की भी सराहना की। यह मिशन लोगों को सचेतन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने केंद्र की हरित पहलों की भी सराहना की जिनमें 1 मेगावाट का हाइब्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और सीवेज शोधन संयंत्र, हरित रसोई, निःशुल्क पौध नर्सरी और कल्प तरु परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने ह्यनशा मुक्त भारत अभियान और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सभी क्षेत्रों में कर्मयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य सामाजिक पहलों में ब्रह्म कुमारी के योगदान की सराहना की।

हाल ही में लखनऊ में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा ब्रह्म कुमारी के वार्षिक अभियान ह्यह्यविश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग ध्यान के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष सेवा के नए मार्ग खोलेगा, सामाजिक साझेदारी को और गहरा करेगा और आध्यात्मिक पहुंच को बढ़ाएगा।

इस अवसर पर हरियाणा सरकार के पर्यावरण एवं वन तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह तथा ब्रह्म कुमारी के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

नारियल का तेल जुओं को खत्म करने में उपयोगी

आयुर्वेद के अनुसार नारियल का तेल जुओं को खत्म करने में उपयोगी है। यह तेल न केवल सिर की त्वचा को पोषण देता है, बल्कि बालों को टूटने से भी बचाता है। जब इसमें कपूर मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण प्राकृतिक कीटनाशक की तरह काम करता है। कपूर में मौजूद एंटीसेप्टिक और एंटीपैरासिटिक गुण जुओं और उनके अंडों को नष्ट करने में मदद करते हैं।

इस उपाय के लिए नारियल तेल की एक कटोरी में 2-3 टुकड़े कपूर घोलकर रात को सोने से पहले बालों की जड़ों में लगाना चाहिए। मालिश के बाद सिर को कपड़े से ढककर सोना और सुबह शैम्पू से धोना लाभकारी माना जाता है। कुछ ही दिनों में इसके सकारात्मक परिणाम दिखने लगते हैं। सिरका भी एक कारगर विकल्प है। हल्के गुनगुने पानी में दो चम्मच सफेद सिरका या एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर सिर धोने से जुओं और लीखों की पकड़ ढीली पड़ जाती है और वे आसानी से हटने लगती हैं।

यह उपाय खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो रसायनों से बचना चाहते हैं। इसी तरह नींबू का रस भी प्राकृतिक उपचार के रूप में काम करता है। इसे नारियल तेल में मिलाकर लगाने से इसका असर और बढ़ जाता है। नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड जुओं की त्वचा को नुकसान पहुंचाकर उन्हें नष्ट करता है। साथ ही यह स्कैल्प की सफाई करता है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से भी राहत देता है। कुछ लोग पेट्रोलियम जेली का भी इस्तेमाल करते हैं। यह जुओं की सांस रोक देती है और उनके जीवन चक्र को खत्म करती है। हालांकि, इसका इस्तेमाल बालों में काफी चिपचिपापन पैदा करता है और धोने में कठिनाई हो सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन प्राकृतिक उपायों को नियमित रूप से अपनाने से जुओं से छुटकारा मिल सकता है और स्कैल्प भी स्वस्थ रहता है।

बता दें कि सिर में अचानक खुजली बढ़ना अक्सर रूसी के साथ-साथ जुओं की मौजूदगी का संकेत भी हो सकता है। यह समस्या न केवल असुविधा और परेशानी पैदा करती है बल्कि कई बार सामाजिक स्थितियों में शर्मिंदगी का कारण भी बन जाती है। जूं बालों में अंडे देती हैं, जिन्हें लीख कहा जाता है। ये लीखें इतनी मजबूती से चिपकी होती हैं कि सामान्य पानी या कंघी से आसानी से नहीं हटतीं। ऐसे में कई लोग रासायनिक उत्पादों का सहारा लेते हैं, लेकिन आयुर्वेद और घरेलू नुस्खे भी इसमें प्रभावी साबित हो सकते हैं।

मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है मौसम में बदलाव का

सितंबर से दिसंबर के बीच मौसम में बदलाव के साथ पेड़ों से पत्ते झड़ने लगते हैं। मौसम बदलने का असर इंसानी मनोभावों पर भी देखने को मिलता है। शरद ऋतु का आगमन गर्मी से सर्दी की ओर बढ़ने का संकेत देता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इस दौरान कई लोगों के मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है।

दिन छोटे और रातें लंबी होने के साथ ही थकान, नींद की गड़बड़ी और उदासी महसूस होना आम हो जाता है। इस स्थिति को विज्ञान की भाषा में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी) कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम बदलने पर धूप की कमी से दिमाग में सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर घटने लगता है। यह हार्मोन मूड को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं अंधेरा और ठंड बढ़ने पर शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे नींद अधिक आती है और ऊर्जा घट जाती है।

इस बदलाव से शरीर की सर्केडियन रिद्म भी बिगड़ जाती है, जिससे नींद और जागने का प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित होता है। अध्ययन बताते हैं कि उत्तरी और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों पर सैड का प्रभाव अधिक होता है क्योंकि वहां धूप का समय सीमित होता है। महिलाओं और 18 से 30 वर्ष के युवाओं में इसके मामले ज्यादा पाए जाते हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ था कि अर्बन इंडिया में 12 से 15 प्रतिशत लोग हल्के या गंभीर मौसमी डिप्रेशन का सामना करते हैं। इसके लक्षण पहचानना अपेक्षाकृत आसान है।

लगातार थकान रहना, अधिक नींद आना, उदासी और चिड़चिड़ापन, काम में रुचि कम होना, ज्यादा मीठा और कार्बोहाइड्रेट खाने की इच्छा, तथा सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना सैड के प्रमुख संकेत माने जाते हैं। कई देशों में लाइट थेरेपी का उपयोग किया जाता है, जिसमें विशेष लाइट बॉक्स का इस्तेमाल प्राकृतिक धूप जैसी रोशनी देने के लिए किया जाता है। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम भी इस समस्या को कम कर सकते हैं। ताजे फल-सब्जियां और ओमेगा-3 युक्त भोजन मूड को बेहतर बनाने में मददगार हैं। यदि लक्षण लगातार बने रहें तो मनोचिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बचाव के लिए कुछ साधारण उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। रोजाना कम से कम 20 से 30 मिनट धूप में समय बिताना सबसे प्रभावी तरीका है।

'जाम" में परेशान 'आम"शादियों के सीजन में चौपट हुई ट्रैफिक व्यवस्था, पांडव नगर से गांधी चौक तक बेहाल जनता!

जिम्मेदारी से भटकी यातायात पुलिसः नो-एंट्री में दौड़ रहे भारी वाहन, जनता त्रस्त, अधिकारी नदारद

समाज जागरण

शहडोल। नगर के राजेंद्र टॉकीज चौराहे की बात की जाए या बात की जाए गांधी चौक की, या फिर स्टेशन रोड में लगता जाम हो, ऐसा लगता है मानो विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को तिलांजलि दे चुके हैं। वे सिर्फ बड़ी कमर्शियल गाड़ियों को गिनने और अपना उल्लू सीधा करने में इस कदर मस्त हैं कि उन्हें यह दिखता ही नहीं कि जनता किस कदर त्रस्त है। शाम 6:00 बजे से लेकर 9:00 बजे तक जब शहर का हाल बेहाल होता है, तब शहडोल की यातायात पुलिस नदारद होती है। या फिर इन्हें सिर्फ ऐसी जगह पर देखा जाता है जहाँ ट्रैफिक कम हो। ऐसा नहीं है कि यातायात पुलिस अपना काम नहीं कर रही है, पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शहडोल की यातायात पुलिस अपने मूल दायित्व से भटककर यातायात व्यवस्था सुरक्षित करने के स्थान पर अपनी निजी उद्देश्यों की पूर्ति में लग गई है।

पांडव नगर में प्रतिदिन लगता है जाम

शहर के पांडव नगर क्षेत्र में संचालित प्रतिष्ठित कॉन्वेंट स्कूल की छुट्टी के समय प्रतिदिन विकराल यातायात जाम की स्थिति बन जाती है। इस समस्या के कारण, जहाँ छोटे-छोटे स्कूली बच्चों को घंटों जाम में फँसे रहना पड़ता है, वहीं उन्हें लेने आने वाले अभिभावक भी भारी परेशानी का सामना करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों और अभिभावकों के अनुसार, जैसे ही कॉन्वेंट स्कूल की छुट्टी होती है, पांडव नगर रोड पर स्टेट बैंक और स्मार्ट प्वाइंट के पास वाहनों का एक बड़ा जमघट लग जाता है। सड़क की चौड़ाई अव्यवस्थित पार्किंग की वजह से कम होने और बड़े वाहनों के अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने के कारण कुछ ही मिनटों में पूरी सड़क अवरुद्ध हो जाती है। इस दौरान, बच्चों को सुरक्षित घर पहुँचाने की जल्दी में लगे इन वाहनों के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। अक्सर स्कूली बच्चों को इस जाम से निकलने में आधे से एक घंटे तक का समय लग जाता है। अभिभावकों ने बताया कि यह केवल यातायात की समस्या नहीं है, बल्कि घंटों जाम में फँसे रहने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

गांधी चौक पर हर घंटे जाम

शहडोल शहर के सबसे व्यस्त और हृदय स्थल माने जाने वाले गांधी चौक पर शाम 5 बजे के बाद यातायात जाम की समस्या एक रोजमर्रा का सिरदर्द बन चुकी है। यह चौराहा शहर की कई मुख्य सड़कों को जोड़ता है, जिसके कारण शाम के समय यहाँ भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन यातायात व्यवस्था संभालने वाले कर्मियों की लापरवाही और अनुपस्थिति इस समस्या को और भी गंभीर बना देती है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, शाम 5 बजे से लेकर देर रात तक हर घंटे गांधी चौक पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। अक्सर देखने में आता है कि जाम लगने के बावजूद यातायात पुलिस के जवान मौके पर मौजूद नहीं होते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कई बार ट्रैफिक पुलिस के जवान चौक के पास या आसपास मौजूद होते हैं, लेकिन वे जाम की स्थिति को देखने के बाद भी तुरंत उसे नियंत्रित करने के लिए आगे नहीं आते। उनकी निष्क्रियता के कारण छोटे-मोटे जाम देखते ही देखते एक बड़ी बाधा में बदल जाते हैं, और वाहन चालकों तथा राहगीरों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

नो एंट्री में बेधड़क दौड़ते हैं बड़े वाहन

शहडोल शहर की मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों में नो-एंट्री के सख्त नियम होने के बावजूद, रेत, गिट्टी (पत्थर), और मिट्टी लेकर आने वाले भारी मालवाहक वाहन दिन-रात बेखौफ घूम रहे हैं। नियम विरुद्ध तरीके से नगर के अंदर इन बड़े वाहनों के प्रवेश से जहाँ सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था खतरे में है, वहीं यातायात पुलिस की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के नागरिकों का कहना है कि भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री का समय निर्धारित है, विशेषकर दिन के समय या व्यस्ततम घंटों में। इसके बावजूद, बड़ी संख्या में डंपर और ट्रक इन नियमों को धत्ता बताते हुए शहर के अंदरूनी मार्गों का उपयोग करते हैं। यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है जब ये वाहन स्कूल और बाजार के समय पर मुख्य सड़कों से गुजरते हैं। इन अनियंत्रित भारी वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए। स्थानीय निवासियों का स्पष्ट आरोप है कि यातायात पुलिसकर्मी इन नियमों के उल्लंघन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते हैं। कई बार तो पुलिसकर्मी ड्यूटी पर होते हैं, लेकिन वे इन बड़े वाहनों को अनदेखा करते हुए अपने अन्य कामों में व्यस्त रहते हैं।

छोटे कर्मचारी का बड़ा मैनेजमेंट

शहडोल के यातायात विभाग में एक छोटे कर्मचारी के वर्चस्व और विभाग के इनडायरेक्ट मैनेजमेंट को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों की मानें तो विभाग के एक मामूली से कर्मचारी, जिसे श्छोटा संजयश के नाम से जाना जाता है, पर यह आरोप है कि वह विभागीय कार्य से इतर एक बड़े पैमाने पर अवैध वसूली का नेटवर्क चला रहा है। छोटा संजय नाम का यह कर्मचारी कथित तौर पर दिन-रात सड़कों पर रहकर छोटे-बड़े वाहन चालकों की रेकी करता है। इन वाहनों को सीधे विभाग के आला अधिकारियों की श्खास डायरीश में दर्ज किया जाता है। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि इस रजिस्ट्रेशन के एवज में प्रत्येक वाहन से प्रतिमाह ₹5,000 से ₹8,000 तक का नजराना लिया जाता है।

इस लेन-देन को अधिकारी डायरेक्ट वसूली कहने से बचते हैं और इसे इनडायरेक्ट या मैनेजमेंट चार्ज का नाम देते हैं। यातायात विभाग पर लगे आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, यह आवश्यक है कि वरिष्ठ अधिकारी इस छोटे कर्मचारी के बड़े वर्चस्व की तत्काल और निष्पक्ष जाँच कराएँ, ताकि यातायात व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जा सके और जनता के बीच विभाग की छवि सुधर सके।

एक दिन में 105 चालान, 42,000 से अधिक का जुमार्ना

समाज जागरण

अनूपपुर / सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान (IPS) के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा जिले में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को संचालित विशेष चेकिंग अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कठोर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान एक ही दिन में 105 चालान काटे गए तथा 42,000 रुपए से अधिक का जुमार्ना किया गया। अभियान के तहत बिना हेलमेट, बिना बीमा, तेज गति, बिना निर्धारित नंबर प्लेट के वाहन चलाने और आवश्यक दस्तावेजों की कमी जैसे मामलों पर प्रमुख रूप से कार्रवाई की गई। तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले चालकों को विशेष चेतावनी दी गई कि लापरवाही किसी भी समय गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।

यातायात पुलिस द्वारा 26 नवंबर से अब तक 700 से अधिक वाहन चालकों पर चालान कार्रवाई की गई है तथा 3 लाख रुपए से अधिक का दंड अधिरोपित गया है।

चालान कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान भी संचालित किया गया। प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड और विद्यालयों में आमजन को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया। लोगों से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नियंत्रित गति से वाहन चलाने तथा शराब सेवन के बाद वाहन न चलाने की अपील की गई।

हनुमत कृपा से जागेगी सद्बुद्धि 13 को 108 हनुमान चालीसा का पाठ फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण स्तर पर

समाज जागरण

अनूपपुर । नगर के बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर ब्रिज रेलवे निर्माण में लगातार 9 वर्षों से हो रही देरी को लेकर भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) ने इस बार आध्यात्मिक चेतना के माध्यम से प्रशासन एवं संबंधित एजेंसियों का ध्यान आकर्षित करने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य से 13 दिसंबर,शनिवार को प्रातः 11 बजे, फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण स्थल,वन विभाग के सामने, फ्लाईओवर ब्रिज के प्रारंभिक हिस्से पर सद्बुद्धि हेतु 108 हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में हवन एवं प्रसाद वितरण भी होगा। भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष पं.कन्हैयालाल मिश्रा ने बताया कि सनातन परंपरा में जब किसी महत्वपूर्ण कार्य में निरंतर अवरोध आते हैं,तब दिव्य मार्गदर्शन हेतु यज्ञ, मंत्रोच्चारण एवं हनुमान चालीसा का सहारा लिया जाता है।उन्होंने कहा कि भगवान राम के सभी काज पवनपुत्र हनुमान के द्वारा ही सिद्ध हुए।कवन सो काज सकल जग माहीं,जो नहि होय तात तुम पाहिं,इसी विश्वास के साथ यह अनुष्ठान रखा गया है। फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण 9 वर्षों से अधूरा जनजीवन पंगु जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और व्यापारियों की बार-बार की मांग के बावजूद फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं हो सका।परिणामस्वरूप,नगर का विकास प्रभावित हो रहा है इसके साथ ही व्यापारिक गतिविधियाँ पूरी तरह से बाधित हो चुकी है।वही स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरे नगर वासी काफी परेशान है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भगवा पार्टी ने निर्माण एजेंसी,रेलवे प्रशासन, मध्यप्रदेश शासन,सेतु निर्माण विभाग एवं ठेकेदारों की सद्बुद्धि के लिए यह पावन आध्यात्मिक प्रयास किया है,ताकि कार्य में गति आए और जनहित सुरक्षित हो। जनमानस से विशेष मार्मिक अपील धर्मावलंबियों एवं समाजसेवियों करतार केवलानी ,राकेश गौतम,अशोक राठौर,वरुण चटर्जी,रामसजीवन गौतम, साज नदास केवलानी,विवेक सरावगी, सुजीत मिश्रा आदि ने जिले के धर्मप्रेमियों,युवाओं,सामाजिक कार्यकताओं एवं मीडिया से अपील की है कि वे इस शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक आंदोलन में अधिकाधिक संख्या में पहुँचे और फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को पूर्ण कराने की सामूहिक चेतना को बल दें। आध्यात्मिक दबाव विकास की दिशा में सशक्त संदेश आयोजकों ने कहा कि यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित विकास कार्य को गति देने का सामूहिक संकल्प है।हनुमान चालीसा की दिव्य ऊर्जा से,बाधाएँ दूर हों,संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्य के प्रति जिम्मेदारी व सद्बुद्धि प्राप्त हो और नगर को शीघ्र पूर्ण फ्लाईओवर ब्रिज का लाभ मिल सके इसी भावना से यह आयोजन किया जा रहा है।

कुपोषण से जंग संकल्प को पलीता लगाता अस्पताल प्रबंधन

एन आर सी पाली में भोजन के भी पड रहें लाले

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली ---- देश में कुपोषण से निपटने के लिए केन्द्र सरकार व्दारा लाया गया संकल्प कुपोषण से जंग, सुपोषण के संग आज भी जिम्मेदार अधिकारियों के सुस्त कार्यशैली के कारण घिसटती नजर आ रही हैं।जबकि मध्यप्रदेश सरकार ने शिशुओं के शारीरिक, मानसिक विकास के लिए महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग को महत्व पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसके तहत महिला बाल

विकास विभाग शिशुओं को चिंहित कर उनके परिवार जनों को समझाइश देकर एन आर सी मे भर्ती कराती है और अस्पताल प्रबंधन चिकित्सीय देख रेख में उपचार कम पौष्टिक आहार, व्यवहार से कुपोषित बच्चों को उबरने की जिम्मेदारी निभाया जाना है। इसी उद्देश्य के फलीभूत के लिए आदिवासी विकास खंड पाली में भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली में भी एन आर सी का संचालन किया जा रहा है, लेकिन पाली का यह केन्द्र अस्पताल प्रबंधन के कतिपय अधिकारियों की कमाऊ नीति के चलते कुप्रबंधन का शिकार हो गया है। बताया जाता है की पौष्टिक आहार मिलना तो दूर तय समय पर दो रोटी और दाल मिल जाये तो ऊपर वाले का शुक्र गुजार माना जाये। विदित होवे की यह कुपोषित शिशुओं और उनकी माताओं के हक मे डाका डालने का काम इन दिनों कुछ ज्यादा ही बढ गयी जिसकी गूंज गाँव -गाँव तक सुनाई दे रही है।

खेद जनक कहा जाये की पिछले महीने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली में दाखिला मरीजों को भोजन न मिलने की खबरें प्रकाश में आयी थी, और अब एन आर सी केन्द्र में भी वही लापरवाही उजागर हुई है, हम यह तो नहीं सकते की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ सी बी एम ओ एन आर सी के हिस्से और अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए आयी धन राशि में मुंह मार रहे हैं जिनसे उन्हें भरपेट भोजन नहीं मिल पा रहा था परन्तु यह तो कहा ही जा सकता है कि वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली कुप्रबंधन की भीषण रूप से शिकार हो कर रह गयी है जिस पर सी बी एम ओ को खुद ही अस्पताल प्रबंधन की आंतरिक समीक्षा करते हुए इस पर आवश्यक बदलाव कर व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने की पहल करेंगे ऐसी जनापेक्षा है।

सीएमएचओ ने सिविल अस्पताल जयसिंहनगर का किया निरीक्षण, एक्स-रे मशीन प्रारंभ करने के दिए निर्देश

समाज जागरण

शहडोल :- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने सिविल अस्पताल जयसिंहनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी को निर्देश दिए की सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सेवाए निरंतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा पर्याप्त मात्रा में दवाइयां भी उपलब्ध रहे जिससे मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सिविल अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर एवं नर्स निर्धारित ड्यूटी के अनुसार उपस्थित रहे यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध एक्स रे मशीन को एक सप्ताह की भीतर प्रारंभ कर जरूरतमंद मरीजों को लाभ दिलाए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में उपलब्ध संसाधनों, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक जानकारियां प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

सरकार के रोजगार के दावे पर बेरोजगारी का फरमान

विद्युत विभाग मे आउटसोर्स कर्मियों को बाहर करने का गोपनीय निर्देश
मैन पावर बढ़ाने के बजाए घटाना आश्चर्यजनक- श्री भार्गव

समाज जागरण

अनूपपुर। म.प्र. विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में भाजपा ने अपने वचन-पत्र चरण क्र.-81 में प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों को केन्द्र समान सुविधा देने व उन्हें संविदा कर्मी बनाने का वादा किया था, पर इस पर अमल के बजाए बिजली कम्पनियों द्वारा जारी नई भर्ती नोटिफिकेशन में आउटसोर्स कर्मियों को संविदा बनाने या नियमित करने हेतु 50 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई जिक्र ही नहीं, उल्टे बिजली कम्पनी मुख्यालय द्वारा हर डिवीजन से हर माह पांच आउटसोर्स कर्मियों को कम करने हेतु गोपनीय रूप से निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिसकी म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव व महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने घोर निंदा की है। रोजगार के दावे पर बेरोजगारी का फरमान ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रान्तीय संयोजक मनोज भार्गव ने कहा कि एक ओर म.प्र. सरकार रोजगार दिवस मनाकर लाखों रोजगार देने के वादे कर रही है, वहीं दूसरी ओर पूर्व क्षेत्र बिजली कम्पनी जबलपुर हैड ऑफिस से सहित अनेक कार्यालयों द्वारा हर डिवीजन से प्रतिमाह पांच आउटसोर्स कर्मियों की संख्या कम करने का फरमान लिखित रूप से जारी किया जा रहा है। यदि इन निर्देशों का पालन कर संभागीय अधिकारी आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं हटाते हैं तो इन अधिकारियों के वेतन से इन पांच कर्मचारियों का वेतन वसूलने कर फरमान सुनाया जा रहा है। कार्यालय अधीक्षण यंत्री सिवनी सर्किल द्वारा 26 नवम्बर 2025 को जारी पत्र इसका जीवन्त उदाहरण है। श्री भार्गव के मुताबिक बिजली कम्पनी में लम्बे समय से भर्ती नहीं होने के कारण मानव संसाधन विशेषकर तकनीकि व गैर-तकनीकि कर्मचारियों की भारी कमी है। पिछले 10 वर्षों में सभी बिजली कम्पनियों में लाईनों की लम्बाई बढ़ी, साथ ही बिजली उपभोक्ताओं की संख्या भी डेढ़ गुना बढ़ी, इससे बिलिंग, वसूली व वितरण सहित सभी काम बढ़े। इसी तरह वितरण एवं पॉवर ट्रांसफार्मर बढ़ने से मेंटेनेंस वर्क का वर्कलोड बढ़ा, पर इस अनुपात में मेन पावर बढ़ाने के बजाए मैन पॉवर आउटसोर्स कर्मियों की तेजी से अकारण छंटनी करना और इसका वर्कलोड दूसरे कर्मचारियों पर डालना श्रमिकों पर कुठाराघात है। आउट सोर्स के लिए बने समयबद्ध योजना

श्री भार्गव का मत है कि बिजली सेक्टर में पिछले पचास सालों में कच्चे व मस्टर कर्मियों को परमानेन्ट करने की परिपाटी रही है, पर यदि बिजली कम्पनियों में इन दिनों जारी नई भर्ती में कच्चे माने जाने वाले अनुभवी व कार्यदक्षता रखने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों की अनदेखी कर केवल फ्रेशर्स कर्मियों के जरिए भर्ती की जाती है तो जहाँ बिजली कम्पनियों पर चार गुना वेतन का वित्तीय बोझ बढ़ेगा, वहीं करीब 50 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी हो जाने से वह बेरोजगार व तबाह हो जाएंगे। यदि म.प्र. सरकार लघु व छोटे पद सृजित कर आउटसोर्स की मौजूदा वेतन पर ही विभागीय परीक्षा लेकर संविदा या नियमित कर्मी के रूप में भर्ती करे तो बिजली कम्पनी पर वित्तीय बोझ भी नहीं आएगा और भाजपा द्वारा विधानसभा वचन-पत्र क्र.-81 में दिए गए वचन का पालन भी अतिरिक्तप खर्च के बिना हो जाएगा। अन्यथा म.प्र. के करीब 50 हजार आउटसोर्स कर्मियों की आकांक्षा व सपने चूर-चूर हो जाएंगे।

बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने मुख्यमंत्री व उजामंत्री से आग्रह किया कि वह प्रस्तावित नई भर्ती में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की अनदेखी नहीं करें और आउटसोर्स कर्मियों के कल्याण के लिए उर्जा सेक्टर की नई भर्ती में ही इस प्रकार का ठोस ढांचा व समयबद्ध आउटसोर्स रिफॉर्म नीति विकसित करे, जिससे भाजपा वचन-पत्र चरण क्र.-81 के अनुरूप आउटसोर्स कर्मचारी संविदा कर्मी बनकर केन्द्र समान सुविधा पा सकें। अन्यथा यह आउटसोर्स कर्मियों की तौहीन होगी, जिससे निकट भविष्य में बिजली आउटसोर्स कर्मी मजबूरन आंदोलन करने पर विवश होंगे।

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर को अमरकंटक में श्रद्धांजलि

समाज जागरण

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में महापरिनिर्वाण दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन निज संवाददाता अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के डॉ. बी. आर. अम्बेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माननीय कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी द्वारा माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात कुलसचिव प्रो. एन. एस. हरिनारायण मूर्थी, चेयर के निदेशक प्रो. तन्मय घोराई, तथा विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. संतोष कुमार सोनकर ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। समता,

समानता और बंधुता के विचारों पर हुआ मंथन विचार गोष्ठी में अपने संबोधन में डॉ. संतोष कुमार सोनकर ने बाबा साहेब द्वारा प्रतिपादित समता, समानता, बंधुता और शिक्षा के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की सहभागिता के बिना राष्ट्र निर्माण की कल्पना अधूरी है। डॉ. सोनकर ने बाबा साहेब की चर्चित कृति "जाति का उन्मूलन" का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जाति व्यवस्था समाज का एक नकारात्मक पक्ष है, जिसका समूल विनाश सामाजिक न्याय की दिशा में अनिवार्य है। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने रखे विचार इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. नरसिंह कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. राजकुमार, डॉ. नारायण भोसले, डॉ. रमेश बी., डॉ. विमल राज सहित अनेक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, सामाजिक समानता की स्थापना, श्रमिकों, किसानों, महिलाओं एवं वंचित समुदायों के अधिकारों की रक्षा हेतु उनके सतत प्रयासों को रेखांकित किया। गरिमामय माहौल में हुआ समापन

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. मनीष त्यागी द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ श्रद्धांजलि कार्यक्रम का समापन हुआ।

छात्रवृत्ति के आवेदन पत्रों को विद्यालय 13 दिसम्बर तक आनलाइन सत्यापित व अग्रसारित करें

समाज जागरण दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2025-26 में पूर्वदशम/दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत समस्त वर्गो के छात्रों के लिये संशोधित समय सारिणी निर्गत की गई है। उन्होने बताया है कि छात्रवृत्ति हेतु किये गये आनलाइन आवेदन को दिनांक 07 दिसम्बर तक छात्र/छात्राओं द्वारा फाइनल प्रिन्टआउट किया जायेगा, 09 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कापी छात्र/छात्राओं द्वारा वांछित संलग्लकों सहित विद्यालय में जमा किया जायेगा। उन्होने बताया है कि दिनांक 13 दिसम्बर तक विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 28 दिसम्बर तक त्रुटिपूर्ण आवेदन को छात्रों/संस्था के स्तर से सही किया जायेगा। दिनांक 29 दिसम्बर तक त्रुटियॉ संशोधन के पश्चात छात्रों द्वारा सही आवेदन को विद्यालय में जमा किया जायेगा। दिनांक 23 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक संस्था द्वारा पुनः अग्रसारित किया जायेगा।

रामपुर नैकिन खरीदी केंद्र में शिकायत के बाद प्रशासनिक जांच जारी

समाज जागरण

सीधी ।जिले के रामपुर नैकिन स्थित धान खरीदी केंद्र में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त होते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। शिकायत में यह उल्लेख था कि केंद्र में 40 किलो के निर्धारित मानक के स्थान पर 41 किलो से अधिक की तौल की जा रही थी तथा प्रति बोरी अतिरिक्त मजदूरी वसूली की आशंका व्यक्त की गई थी। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने तुरंत जांच के निर्देश जारी किए।

कलेक्टर के निर्देश मिलते ही तहसीलदार रामपुर नैकिन आशीष मिश्रा, नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी और कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम त्वरित कार्यवाही करते हुए खरीदी केंद्र पहुँची। टीम ने स्थल का निरीक्षण किया, किसानों से जानकारी एकत्रित की और प्रारंभिक तथ्य संकलित किए। अधिकारियों ने बताया कि समस्त प्रक्रिया शासन के निर्देशों और निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार की जा रही है तथा विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकरण के बाद कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी केंद्रों पर 40 किलो के निर्धारित मानक के अनुसार ही तौल सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली प्रतिबंधित रहेगी। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों पर तौल मशीन और रेकॉर्ड की नियमित जांच की जाए तथा किसी भी शिकायत की स्थिति में तत्काल निरीक्षण दल भेजा जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रतिदिन खरीदी केंद्रों की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु भी कहा है। उन्होंने यह चेतावनी दी कि अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसानों के हितों और पारदर्शी खरीदी प्रक्रिया को पूरी तरह सुनिश्चित किया जा सके।

जयकांत मिश्रा अधिवक्ता शहडोल रीवा सागर जबलपुर संभाग के अधिवक्ताओं से कर रहे सम्पर्क

म.प्र. उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के सदस्य में प्रबल जीत के आसार

समाज जागरण विजय तिवारी

शहडोल। यह देखा जा रहा है कि वर्ष 2026 जनवरी या फरवरी मध्य में मध्यप्रदेष राज्य अधिवक्ता संघ सदस्य का चुनाव होना निर्धारित होने पर कोलाचंल क्षेत्र के अनुभवी योग्य छोटी अदालत से लेकर माननीय हाई कोर्ट तक बड़े से बड़े प्रकरण में जोरदार बहस करने माहिर वर्तमान समय में अधिवक्ता संध बुढ़ार न्यायालय के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा इन दिनों चुनाव को लेकर अपने दर्जनों साथियां के साथ अधिवक्ताओं से मिलकर समर्थन जुटाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है इन दिनों रीवा संभाग के सिंगरौली, मउगंज, सीधी, रीवा, सतना, जबलपुर, के दर्जनों न्यायालय में वरिष्ठ एवं युवा तजुर्बा रखने वाले अधिवक्ताओं के साथ मिलकर चुनाव में अपने पक्ष में मत करने के लिए पूरा समर्थन जुटा रहे हैं। रीवा शहडोल सागर जबलपुर संभाग के दर्जनों न्यायालयो में अधिवक्ताओं से सम्पर्क करने के लिए बुढ़ार न्यायालय के साथ शहडोल अनूपपुर सीधी रीवा के अधिवक्ताओं की विषेष टीम चुनाव में जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है, जिस तरह मिल रहा समर्थन अधिवक्ताओं से एवं जगह जगह के अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि परिवर्तन होना जरूरी है, पूर्व में चुने हुए अधिवक्ताओं ने सिंगरौली मंउगंज सीधी, शहडोल सागर संभाग के अधिवक्ताओं की उपेक्षा देखी गई है। अब समय आ चुका है कि सभी के शुभचिंतक मिलनसार अधिवक्ता जयकांत मिश्रा के पक्ष में सभी अधिवक्ताओं ने एक जुट होकर मद देकर विजय दिलाने का वादा कर रहे है।

शादी का झांसा देकर 13 साल की किशोरी से दुराचार

समाज जागरण संवाददाता निगोहा

लखनऊ, निगोहां थानां क्षेत्र के एक गांव की 13 साल की एक नाबालिग किशोरी को एक युवक ने शादी का झांसा देकर उसे बहला कर ले गया जहां उसके साथ जबरन दुराचार किया।परिवारीजनों की सूचना पट।निगोहां पुलिस ने युवक को धर दबोचा और किशोरी को बरामद कर उसे डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजकर। युवक पर दुराचार सहित पॉक्सो एक्ट की धराओ में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि थानां क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने रविवार को शिकायत की जिसमे उसने बताया कि बीते शुक्रवार की सुबह सुबह लगभग 11.00 बजे उसकी 13 वर्ष की बेटी को धनवारा थाना मोहनलालगंज निवासी शोभित द्वारा बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। जिसके बाद एसओ निगोहां के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तलाश शुरू कर दी। रविवार को मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम रामपुरगढ़ी के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अपहृता द्वारा अपने बयान में आरोपी शोभित द्वारा उसके साथ बलात्कार किये जाने की बात बताई। एसओ निगोहां निगोहां अनुज कुमार तिवारी के अनुसार किशोरी को डॉक्टरी परीक्षण हेतु भेजा गया है आरोपी युवक पर दुराचार सहित पॉक्सो एक्ट की धराओ में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

वीर जवानों एवं शहीद परिवारों के आर्थिक सहयोग हेतु दान करें---डी यम

समाज जागरण
दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र द्वारा झण्डा लगाकर झण्डा दिवस का शुभारम्भ किया। इस दौरान जिलाधिकारी सहित कैम्प कार्यालय के कर्मचारियों व अन्य सम्भ्रान्त लोगों ने दान पात्र में स्वैच्छिक रूप से गुप्त दान देकर सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट किया। जिलाधिकारी ने निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त पुस्तिका ह्यह्यस्मारिका-2025 का विमोचन भी किया। इसके उपरान्त हीरक जयन्ती भारत पाक युद्ध 1965 का स्मृति चिन्ह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को भेंट किया गया। इस मौके

पर जिलाधिकारी ने जनपद के सभी कार्यालयाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षण संस्थाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यक्त्यिं और व्यापारी समुदाय से अपील करते हुए कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण हेतु अधिक से अधिक धनराशि संग्रहित की जाए, ताकि प्रतापगढ़ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर सके। उन्होंने बताया कि दान की गई राशि वीर जवानों एवं शहीद परिवारों के आर्थिक सहयोग में उपयोग की जाती है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों की बदौलत आज हम सभी लोग सुरक्षित है, हम सब देशवासियों की जिम्मेदारी है कि सेनाओं के साथ अपनी भावनाओं को जोड़कर रखें एवं देश के सैनिकों का सम्मान करें।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि धनराशि संग्रहित करने हेतु जनपद के सभी कार्यालयों/विभागाध्यक्षों व शिक्षण संस्थाओं को जिला सैनिक कार्यालय की ओर से प्रतीक चिन्ह व कार फ्लेग लिफाफे में भरकर प्रेषित किया जा चुका है। जनपदवासी स्वैच्छिक आर्थिक सहयोग हेतु क्यू आर कोड स्कैन कर भी दान कर सकते है।

ट्रक सहित करीब 65 लाख की पंजाब मार्का 5960 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

रजखड़ घाटी में पलटे ट्रक से, सामने आई तस्करी की बड़ी साज़िश

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र/ दुद्धी। रजखड़ घाटी, हाथीनालाझ्रदुद्धी मार्ग पर एक ट्रक (यूपी63टी6441) के अनियंत्रित होकर पलटने की सूचना पर दुद्धी पुलिस मौके पर पहुँची। ट्रक की जाँच के दौरान पाया गया कि उसमें चावल की बोरियों के नीचे छिपाकर पंजाब मार्का अवैध अंग्रेजी शराब की भारी खेप लादी गई थी। ट्रक के पलटने से तिरपाल फट गया तथा कई बोतलें टूटकर बिखरी मिलीं। आबकारी विभाग की टीम को मौके पर बुलाकर संयुक्त रूप से जांच की गई, जिसमें *McDowell No.1 एवं Royal Challengeब्रांड की शराब की कुल– 326 पेटियाँ + 169 प्लास्टिक बोरियों में कुल 15,669 बोतल, कुल मात्रा 5960.265 लीटर, बरामद की गई। शराब की अनुमानित कीमत लगभग ₹50 लाख तथा ट्रक की कीमत करीब ₹15 लाख, कुल ₹65 लाख आँकी गई। ट्रक के केबिन से बरामद बिल्टी, टैक्स इनवॉइस एवं ई-वे बिल में दर्ज वाहन संख्या वास्तविक ट्रक संख्या से भिन्न पाई गई, जिससे तस्करी की साज़िश की पुष्टि हुई। चालक और संबंधित व्यक्तियों की तलाश की गई पर कोई नहीं मिला। घटना के संबंध में थाना दुद्धी में मु0अ0सं0 308/2025, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) BNS एवं 60/63/72 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही शुरू की गई है।

थाना कोन पुलिस ने नाजायज चाकू के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल मार्गदर्शन में थाना कोन पुलिस द्वारा क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग व वांछित/ वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग टीमों का गठन कर विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान ग्राम रानीडीह से एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्त की पहचान हरिओम पुत्र स्व० कामेश्वर निवासी ग्राम चननी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 20 वर्ष के रूप में हुई। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के क्रम में थाना कोन पर मु0अ0सं0-253/25, धारा 4/25 आयुध अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय भेजा गया।

साइबर टीम की सफलताः ICICI बैंक फर्जी APK ठगी में 49,894/- रुपये पीड़िता के खाते मे वापस

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। आवेदिका पूजा गुप्ता पुत्री रामसागर गुप्ता, निवासी ग्राम कुरुहुल, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, के साथ दिनांक 18 .10.2025 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके व्हाट्सएप्प पर ICICI बैंक की फर्जी APK फाइल भेजकर उसके मोबाइल फोन का पूरा नियंत्रण लेकर उसके खाते से ₹59,893/- की ठगी की गई थी। इस मामले में थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका से पूछताछ और ट्रांजैक्शन संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर साइबर पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन में, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन कुमुद शेखर सिंह के नेतृत्व में टीम ने एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन कर ₹49,894/- रुपये को संबंधित खाते में होल्ड कराया। संबंधित बैंक शाखा से ईमेल पत्राचार के माध्यम रविवार 07.12.2025 को आवेदिका के खाते में यह राशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। आवेदिका ने थाना चोपन की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पूरे उत्साह व उमंग के साथ मनायेः जिलाधिकारी

देश के प्रहरी सैनिकों एवं आश्रितों के कल्याणार्थ एवं पुनर्वास हेतु धनराशि में स्वेच्छा से करें सहयोग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र। भारतीय प्रशासनिक सेवा ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर 2025 जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह को बैच लगाकर मनाया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने रक्षा मंत्रालय को भेजे जाने वाली धनराशि हेतु रशीद कटवाकर धनराशि सुपुर्द किये। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अधिकारियों/कार्मिकों के साथ ही आम नागरिकों से आग्रह किया कि वह हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 07 दिसम्बर 2025 को पूरे उत्साह के साथ सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनायें और देश के प्रहरी सैनिकों एवं आश्रितों के कल्याणार्थ एवं पुनर्वास हेतु एकत्र किये जाने वाली धनराशि में स्वेच्छा से सहयोग दे। इस पुनित अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर प्रतीक झण्डों/कार झण्डों का कोई मूल्य निर्धारित नहीं होता, ये अमूल्य है। ये धन संग्रह करने हेतु प्रतीक और देशवासियों द्वारा सैनिक की देश की रक्षा करते हुए दिए गए बलिदान एवं सतत सुरक्षा प्रदान करते रहने की कृतज्ञता है। झण्डा दिवस के अवसर पर एकत्र धनराशि को रक्षा मंत्रालय को भेजा जाता है जिसका उपयोग मंत्रालय की निगरानी में शहीद / भूतपूर्व सैनिको तथा उनके परिवारो के आर्थिक कष्टों के निवारणार्थ एवं सशस्त्र सैनिको के कल्याणार्थ किया जाता है। इस मौके पर कैप्टन (नौ सेना) आसुतोष (अ०, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्यास अधिकारी आशुतोष चौधरी, अपर जिला सूचना अधिकारी सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

महिला थानाध्यक्ष के प्रयास से 03 वैवाहिक जोड़ों की काउंसलिंग– आपसी विवाद हुआ समाप्त, सभी दंपति साथ रहने को सहमत

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में मिशन शक्ति के अन्तर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलम्बन को सुदृढ़ बनाने हेतु आज दिनांक 07. 12.2025 को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना सविता सरोज मय टीम द्वारा वैवाहिक विवाद से जुड़े कुल 03 दम्पतियों की समस्याओं को सुना गया।

काउंसलिंग के दौरान परिवारिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए दोनों पक्षों को समझाया गया तथा आपसी मतभेदों को दूर करने हेतु प्रेरित किया गया। काउंसलिंग के परिणामस्वरूप सभी 03 दम्पति आपसी सहमति एवं सौहार्द के साथ पुनः साथ रहने के लिए तैयार हो गए। इसके अतिरिक्त 02 प्रकरणों में अगली तिथि निर्धारित की गई, जिनमें दोनों पक्षों की सहमति से विस्तृत काउंसलिंग की जाएगी। महिला थानाध्यक्ष द्वारा उपस्थित सभी दम्पतियों को पारिवारिक विवादों को शान्तिपूर्ण ढंग से सुलझाने तथा परस्पर सम्मान एवं समझ बनाए रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। अन्त में पुलिस टीम द्वारा सभी दम्पतियों को उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

सीएम आरोग्य मेला में, पीएचसी खलियारी पर 75 मरीजों को जांच कर दी गई दवा

ब्यूरो समाज जागरण

खलियारी/ सोनभद्र। नगवां ब्लाक क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खलियारी पर रविवार को सीएम आरोग्य मेला में कुल 75 मरीजों को दवा वितरण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खलियारी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अमित सिंह ने बताया कि आज मेला में कुल 75 मरीजों को दवा वितरण किया गया है, जिसमें अधिकांश मरीज बुखार, खांशी, सुगर से सम्बंधित मरीजों का

इलाज किया गया है। गर्भवती महिलाओं की जांच कर रही एएनएम सरस्वती देवी ने बताया कि हमारे यहां कुल 07 महिलाओं का वजन, बीपी, एच बी, एचआईवी का जांच कर उन्हें आइरन, कैल्शियम, फोलिक एसिड दवा दी गई। दो डिलेवरी भी कराया गया था। मेला में लैब टैक्नीशियन सोनाली मरीजों को जांच कर रही हैं, उन्होंने बताया कि 12 मरीजों का जॉच किया गया जिसमें, हिमोग्लोबिन, मलेरिया, टाईफाइड, शुगर का जॉच किया गया जिसमें कोई पॉजिटिव नहीं पाया गया है। मेला में सीएचओ सुनीता यादव, फार्मासिस्ट अनूप कुमार मरीजों को दवा वितरण किया। आरोग्य मेला में क्षेत्र के खलियारी, बलियारी, पंडरी, रायपुर, तेंदुआ, सुअरसोत, मांची, नगवां, दरमा, करही, समेत बिहार से सीकरी, सिकरवार, अधौरा से मरीज इलाज कराने उपस्थिति रहे।

थाना कोन पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल मार्गदर्शन में थाना कोन पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग तथा वांछित/वारण्टी

अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग टीमों का गठन कर विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बस स्टैण्ड कोन के पास ग्राम कोन में चेकिंग के उपरांत थाना कोन के मु0अ0सं0-240/25, धारा 69, 352, 351(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त धीरेन्द्र कुमार पुत्र चतर्गुन निवासी ग्राम चेरवाडीह, जो मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

परचून के दुकान में लगी आग, लाखों रुपए का समान जल कर राख

ब्यूरो समाज जागरण

खलियारी/ सोनभद्र। जनपद के विकास खण्ड नगवां के सुअरसोत खुर्द निवासी राकेश पुत्र स्वर्गीय मालिक चंद्र का परचून का दुकान था। 06,12, 2025 शनिवार को 10 बजे रात्रि को अचानक परचून के दुकान में आग लग गई। राकेश का घर कच्चा और खपड़ैल का मकान था जिसमें वह

दुकान भी चलाता था। सर्दी का मौसम भी है सभी लोग घर के भीतर सोए हुए थे। परचून के दुकान में जो आग लगी थी देखते देखते विकराल रूप पकड़ लिया था। जब तक पास पड़ोस के लोग एकत्रित हुए तब तक जलकर राख हो गया सब किराना के दुकान में जितने सामग्रियां थी जलकर राख हो गया। इसकी सुचना ग्रामीणों के द्वारा सुअरसोत चौकी प्रभारी निरीक्षक अनिल विश्वकर्मा को सुचना दिया गया वह तुरंत मौके पर पहुंच गए पीड़ित दुकानदार का बयान भी दर्ज किए। इधर क्षेत्रीय लेखपाल मदन मोहन यादव को भी ग्रामीणों द्वारा सेल फोन से सुचना दिया गया है। क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा जला हुआ परचून कि दुकान का निरीक्षण भी किया गया। लेखपाल के द्वारा आश्वासन भी दिया गया कि विभाग को भेज दिया जाएगा।

अनुज गौड़, गाँव की गलियों से CISF की ऊँचाइयों तक: अनुज गौड़ की प्रेरक उड़ान

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ/ समाज जागरण

सोनभद्र। राजस्थान के बहरोड़ स्थित रीजनल ट्रेनिंग सेंटर (RTC) का परेड ग्राउंड 15 नवंबर 2025 की सुबह मानो उत्साह, अनुशासन और नव-ऊर्जा से भर उठा था। यहाँ 49वीं बैच के कॉन्स्टेबल/GD की पासिंग आउट परेड का आयोजन हुआ–वह पल जब 1,440 युवा प्रशिक्षु अपने कठोर प्रशिक्षण की यात्रा पूरी करके CISF की वर्दी के गर्वित सदस्य बनने वाले थे।

समारोह की गरिमा बढ़ा रही थीं मुख्य अतिथि श्रीमती सोनिया नारंग, IPS, इंस्पेक्टर जनरल (NCR सेक्टर), CISF, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को एक विशेष महत्त्व और प्रेरक ऊर्जा प्रदान की। लेकिन इस दिन का असली सितारा थे कॉन्स्टेबल अनुज गौड़, जिन्होंने 47 सप्ताह की चुनौतीपूर्ण बेसिक ट्रेनिंग में सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल-राउंड बेस्ट ट्रेनिंग ट्रॉफी अपने नाम की। यह उपलब्धि केवल एक पुरस्कार नहीं, उनकी मेहनत, अनुशासन और संकल्प का प्रमाण थी। अनुज की कहानी उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के छोटे से गाँव औसानी दरगाह से शुरू होती है– एक ऐसा गाँव जहाँ मिट्टी की महक और सरल जीवन से बड़े सपने जन्म लेते हैं। किसान श्री लल्लन गौड़ और गृहिणी श्रीमती पंकली देवी के यह अनुशासित पुत्र बचपन से ही सादगी, मेहनत और ईमानदारी की सीख लेकर बड़े हुए। देश सेवा की लौ उनके भीतर तब जली जब उन्होंने कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा की गाथाएँ सुनीं–वहीं से उनके जीवन को एक दिशा मिली। 2020 में दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर से स्नातक पूरा करने के बाद अनुज ने अपने सपनों को लक्ष्य बनाकर पूरी शक्ति से तैयारी शुरू कर दी। उनकी लगन आखिरकार 2024 में रंग लाई, जब महज 23 वर्ष की आयु में उनका चयन CISF में कॉन्स्टेबल पद के लिए हुआ। RTC बेहरोर में 47 सप्ताह की ट्रेनिंग उनके लिए सिर्फ शारीरिक क्षमता की नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा थी।

थकावट के क्षणों में वे स्वयं को एक ही मंत्र से संभालते–रुकना नहीं है जब तक मंज़िल हासिल न हो जाए। मस्कट्री, वेपन हैंडलिंग, आंतरिक विषयों, ड्रिल और नेतृत्व–हर क्षेत्र में उनके प्रदर्शन ने उन्हें अपने साथियों में विशिष्ट बना दिया।

और फिर 15 नवंबर 2025 का वह सुनहरा क्षण आया–जब अनुज गौड़ को पूरे बैच के ऑल-राउंड बेस्ट ट्रेनिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। मंच पर कदम रखते समय उनकी आँखों की नमी उनकी यात्रा के हर संघर्ष, हर त्याग और हर उम्मीद को एक साथ बयां कर रही थी। नीचे बैठे उनके पिता के गर्व भरे चेहरे और माँ की भावनाओं से भीगी आँखों ने उस पल को और भी पवित्र बना दिया।

इस सम्मान ने न सिर्फ अनुज के सपने पूरे किए, बल्कि उनके गाँव, उनके जिले और उन अनगिनत युवाओं की उम्मीदें भी ऊँची कर दीं जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। अनुज गौड़ की यह यात्रा एक प्रेरक सच है– कि निरंतर प्रयास, सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी युवा गाँव की गलियों से निकलकर देश की सुरक्षा की ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है।

सरस फूड फेस्टिवल 2025 स्वाद, संघर्ष और लखपति दीदियों के सशक्तिकरण की कहानियाँ

दिसंबर की एक ठंड भरी सुबह, दिल्ली के सुंदर नर्सरी भारत के बेहतरीन क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए उत्सुक भीड़ की चहल-पहल से गुलजार थी। लेकिन प्रवेश द्वार के पास एक स्टॉल पर कुछ और ही चीज लोगों को अपनी ओर खींच रही थी, आत्मविश्वास की ऐसी रोशनी, जो किसी ऐसे व्यक्ति से निकलती है जो जानता है कि उसने न केवल अपना जीवन बदला है, बल्कि सैकड़ों अन्य लोगों की ज़िंदगी भी बदल दी है। काउंटर के पीछे मोहाली, पंजाब की श्रीमती वंदना भारद्वाज बेहद सरलता अपनी फुलकारी के कपड़े सजा रही थीं। हालांकि फुलकारी की चमकीली कढ़ाई सर्दियों की धूप में झिलमिला रही थी, लेकिन यह उनकी ज़िंदगी की कहानी थी, जो उससे भी ज्यादा चमक रही थी। उन्होंने 2018 में एक छोटे से स्वयं सहायता समूह की दस महिलाओं में से एक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जहां वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को संभालते हुए घर पर फुलकारी की सिलाई करती थीं। उनकी क्षमताएं जल्द ही उभर कर दिखने लगीं। पहले, उन्होंने अपने ग्राम संगठन में 19 स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व संभाला और बाद में वंदना 25 गाँवों में 500 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का नेतृत्व करने लगीं, जो कई औपचारिक संस्थाओं से भी बड़ा एक सामुदायिक उद्यम है। सरस फूड फेस्टिवल 2025 में उनके स्टॉल पर न सिर्फ. कारीगरी के उत्पाद, बल्कि महिलाओं की सामूहिक प्रगति और सशक्तिकरण की झलक भी दिखाई देती है।

वंदना दीदी बताती हैं, "सरकार ने हर कदम पर हमारा साथ दिया।" हमें ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से सिलाई मशीनें और 30,000 रुपये की कार्यशील पूंजी मिली। इन प्रयासों ने हमें फुलकारी सिलाई को एक असल उद्यम में बदलने में मदद की। उनके नेतृत्व में, ग्रामीण महिलाएँ अब स्वेटर, स्कूल यूनिफॉर्म और विशेष रूप से बेहतरीन फुलकारी कपड़ों सहित कई प्रकार की उत्पाद तैयार करती हैं। उनकी कारीगरी इतनी नायाब है कि सरकारी विभाग राष्ट्रीय और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को भेंट करने के लिए उनके फुलकारी उत्पाद खरीदते हैं। सरकार अन्य देशों को निर्यात करने के लिए भी उनके उत्पाद खरीदती है। पूरी सुंदर नर्सरी में, सरस फूड फेस्टिवल 2025 की हर गली में यही उत्साह गूंज रहा था। 25 राज्यों से लगभग 300 लखपति दीदियाँ और स्वयं सहायता समूह उद्यमी 500 से ज्यादा व्यंजन और दर्जनों हस्तनिर्मित उत्पाद लेकर आए थे, जिससे दिल्ली भारत के जोश और उत्साह से भरे स्थल में बदल गई। यहां हवा में दाल बाटी चूरमा, मालाबार बिरयानी, हिमाचली सिड्डू और तंदूरी चाय की खुशबू थी, लेकिन हर खुशबू के पीछे एक महिला की कहानी थी, जो उसकी रेसिपी जितनी ही दिलचस्प थी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत आयोजित सरस आजीविका मेले, ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को सीधे बेचने, बिचौलियों को खत्म करने और बाजार तक पहुँच के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। पैकेजिंग, डिजाइन, संचार और विपणन पर कार्यशालाओं के जरिए ये मेले, उन्हें अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने, आय बढ़ाने और देश भर और विदेशों के खरीदारों से जुड़ने के कौशल से लैस करते हैं। वंदना दीदी के स्टॉल के ठीक सामने, ओडिशा की माँ एसएचजी की एक सदस्य ने अपनी हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई थी। 2019 में एसएचजी में शामिल होने के बाद, उन्होंने स्थानीय बिक्री से उठकर अपनी दुकान चलाने और खुदरा विक्रेताओं को उत्पाद उपलब्ध कराने का काम शुरू किया। "हम पहले स्थानीय बुनकर थे," उन्होंने विनम्रता से कहा। स्वयं सहायता समूह में शामिल होने के बाद, हमें सहयोग मिला, आसान ऋण मिला, और सरकारी अधिकारियों के नियमित दौरों से लाभ हुआ, जिन्होंने हमारी व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने और जरुरी सामग्रियों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद की। एक सरस मेले में, उन्होंने इक्कत सूती कपड़ों की 5 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की, जिसे उनका समूह गर्व और आश्चर्य दोनों के साथ याद करता है। जैसे-जैसे दिल्ली के ग्राहक हाथ से बुने हुए कपड़ों का आनंद ले रहे थे, महिलाओं ने आसानी से डिजिटल भुगतान किया। उन्होंने जोर देकर बताया कि उन्होंने खरीदारों से बातचीत करते समय रीयल-टाइम, ध्वनि-आधारित भाषा अनुवाद के लिए भाषिणी मोबाइल एप्लिकेशन का भी इस्तेमाल किया, जिससे तकनीक के जरिए भाषाई बाधाओं को वे प्रभावी ढंग से दूर कर पाईं।

कुछ स्टॉल दूर, श्रीमती प्रीति साहू आंध्र-शैली के व्यंजन परोस रही थीं और साथ ही अपने गृह जिले में राज बिहान कैंटीन के लिए ऑर्डर मैनेज कर रही थीं। 2012 में 10-15 महिलाओं के साथ अपने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में शामिल होने के बाद, उन्हें बैंकों और ग्राम-स्तरीय संस्थानों के जरिए किफायती ऋण मिला, जिससे उन्हें अपने उद्यम का विस्तार करने में मदद मिली। अब वह प्रति माह 50,000 रुपये से अधिक कमाती हैं, और सरस मेले में उनकी बिक्री आमतौर पर 2-2.5 लाख रुपये तक पहुँच जाती है। बातचीत के दौरान, उनके फोन पर डिजिटल भुगतान आते रहे, और उनके काउंटर पर एक क्यूआर कोड प्रमुखता से नजर आ रहा था। नकद लेनदेन बेहद कम था, जो एसएचजी सदस्यों के बीच डिजिटल दक्षता के उच्च स्तर को दशार्ता है, जो आत्मनिर्भरता के साथ सभी लेनदेन को दक्षता के साथ संभाल रहे थे। स्टॉलों की कतार में आगे, बिहार के सहरसा की श्रीमती माया देवी, दिन निकलने के साथ ही लोगों की बढ़ती तादाद के साथ अपने मखाना उत्पादों का प्रदर्शन कर रही थीं। पहले एक गृहिणी, वह 2014 में जीविका स्वयं सहायता समूह में शामिल हुईं और 10 रुपये की साप्ताहिक बचत से शुरूआत की। आसान ऋण व्यवस्था और लगातार संस्थागत सहयोग से, उन्होंने धीरे-धीरे अपने मखाना उद्यम को विकसित किया। अब, वह दिल्ली में एक राष्ट्रीय मंच पर खड़ी हैं और अपने उत्पादों के उपयोग, क्यूआर-आधारित लेनदेन की प्रक्रिया और सामूहिक सशक्तिकरण ने उन्हें कैसे एक स्थायी आजीविका बनाने में सक्षम बनाया है, इस बारे में बता रही हैं। प्रदर्शकों में गुजरात के जूनागढ़ की श्रीमती दक्षा मेहता भी शामिल थीं, जिन्होंने सुंदर पारंपरिक गुजराती परिधान पहने हुए थे और महादेव मंगलम स्वयं सहायता समूह का प्रतिनिधित्व कर रही थीं, जिससे वे साल 2022 में जुड़ीं। तब से, उन्होंने सरस मेले के जरिए 5 लाख रुपये से अधिक की बिक्री की है। भौतिक मेलों से आगे बढ़ते हुए, उन्होंने अमेजन पर अपने उत्पादों को सूचीबद्ध करके ई-कॉमर्स में भी कदम रखा, जिससे पूरे देश में उन्के उत्पाद पहुंचने लगे और उनके ग्राहक आधार में बदलाव आया। जैसा कि उन्होंने बताया, "मेलों ने हमें एक मंच दिया।" कुल मिलाकर, ज़िंदगी बदलने वाली ये कहानियां दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के व्यापक प्रभाव को दशार्ते हैं, जिसने स्वयं सहायता समूहों, ऋण संबंधों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और राष्ट्रीय स्तर के विपणन मंचों के जरिए महिलाओं की उद्यमिता को लंबे समय से समर्थन दिया है।

नहाने गई किशोरी को मिर्गी का दौरा पड़ने से डूबकर हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। हाथीनाला थाना के बेलहत्थी गांव के टोला कोड़री में अपने ही घर के पास स्थित एक नाले में नहाने गई किशोरी की मिर्गी का दौरा पड़ने से डूबकर मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर हाथीनाला पुलिस मौके पर पहुंची। मिली जानकारी मुताबिक हाथीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलहत्थी गांव के टोला कोड़डी निवासी रामसूरत की 14 वर्षीय बेटी जानकी जो रविवार की दोपहर करीब 12 बजे अपने ही घर के पास करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक नाला में नहाने गई थी जिसे नहाने के दौरान अचानक मिर्गी का दौरा आ जाने से पानी में मुंह के बल गिर गई जिससे मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतका के पिता राम सूरत ने पुलिस को बताया कि मेरी बेटी जानकी को पहले से मिर्गी की बीमारी थी यह घटना अचानक व संयोगवश घटित हो गई है इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही हाथीनाला थाना प्रभारी भैया एस पी सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए, थाना प्रभारी ने बताया कि पंचनामा की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी अस्पताल भेज दिया गया।

संघर्ष को शक्ति में बदलनाः रायपुर-विजाग कॉरिडोर का मानवीय प्रभाव

आगामी रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा उन लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित समाधान जैसा लगता है जिनकी आजीविका इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग पर निर्भर करती है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, छत्तीसगढ़ के जंगलों, ओडिशा के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों तक फैला हुआ है। यह गलियारा कुल 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा एनएच-26 की 597 किमी की दूरी घटकर 465 किमी हो जाएगी - जिससे दूरी में 132 किमी और यात्रा समय में लगभग सात घंटे की बचत होगी। इससे ईंधन की बड़ी बचत होगी, जनता और माल ढुलाई ऑपरेटरों के लिए परिवहन लागत कम होगी। जो काम पहले 12 घंटे में पूरा होता था, वह अब केवल 5 घंटे में पूरा हो जाएगा और प्रधानमंत्री गति शक्ति विजन के तहत तेज लॉजिस्टिक्स और निर्बाध कनेक्टिविटी के द्वार खुलेंगे।

विष्णु धाम सेवा संस्थान केरका ने आयोजित किया शीतकालीन कंबल वितरण समारोह

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) रविवार को नबीनगर प्रखंड के केरका पंचायत के केरका गांव स्थित श्री विष्णु धाम के प्रांगण में विष्णु धाम सेवा संस्थान ने शीतकालीन कंबल वितरण समारोह 2025 का आयोजन किया, जिसमें कंबल, साड़ी, धोती, गमछा और सुंदरकांड पुस्तक वितरित की गई।इस कार्यक्रम में संस्थान के सदस्य गण उपस्थित थे।इस अवसर पर उपस्थित लोगों के बीच चूड़ा, दही और तिलकुट का भोज भी आयोजित किया गया। संस्थान के सदस्यों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था द्वारा क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों के बीच ठंड के मौसम में प्रति वर्ष इस तरह के आयोजन किया जाता रहा है। साथ ही संस्था समय समय पर अन्य सामाजिक गतिविधियां संचालित करती है।संस्था के सदस्यों ने संस्था के और समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मौके पर बीरेंद्र सिंह, संजय पाठक, जगदीश चौधरी, अंजनी कुमार सिंह, सरोज सिंह, आशीष मालाकार, केदार चौहान, अजय पाठक, किशोर पाठक, प्रदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य शामिल थे।

पटना में मुख्यमंत्री ने किया डेयरी प्रोजेक्ट का औचक निरीक्षण

दुग्ध समितियों के विस्तार और प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाने का दिया निर्देश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना डेयरी प्रोजेक्ट (सुधा), फुलवारी शरीफ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन इकाइयों, आइसक्रीम प्लांट, दही कोल्ड रूम और अन्य सेक्शनों का बारीकी से जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की और डेयरी सेक्टर के समग्र विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री का यह दौरा डेयरी सेक्टर में बड़े बदलावों और विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक ने प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति, विस्तार योजना और दुग्ध उत्पादकों से जुड़े आंकड़ों की प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि राज्य में ग्रामस्तरीय दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या 21 हजार से अधिक है। जिनसे 7.5 लाख पशुपालक जुड़े हुए हैं। जिनमें लगभग 25 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। प्रतिदिन औसतन 22 लाख किलोग्राम दूध का संकलन किया जाता है, जो अधिकतम 30 लाख किलोग्राम प्रतिदिन तक पहुंच जाता है। कॉम्फेड की वर्तमान प्रसंस्करण क्षमता 54 लाख लीटर प्रतिदिन है और इसे और बढ़ाने की योजना पर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुग्ध उत्पादन समितियों का विस्तार तेज गति से करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को समितियों से जोड़ने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रोसेसिंग क्षमता, प्रोक्यूरमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर और मार्केट नेटवर्क में भी व्यापक विस्तार का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्लांट में कार्यरत कर्मियों के आवास की व्यवस्था भी प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 से लागू कृषि रोड मैप ने राज्य के किसानों और दूध उत्पादकों की आय बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। कॉम्फेड के माध्यम से किसानों को उनके दूध का उचित मूल्य मिल रहा है। सुधा द्वारा नएझ्र नए उत्पाद लगातार बाजार में उतारे जा रहे हैं, जिससे राज्य की डेयरी इंडस्ट्री और मजबूत हुई है। प्रस्तुति के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कॉम्फेड के खुदरा विक्रय केंद्रों की संख्या बढ़कर 37 हजार हो गई है। जिनमें 914 होल-डे-मिल्क बूथ शामिल हैं। सुधा के उत्पादों की उपलब्धता अब बिहार, झारखंड सहित दिल्ली, कोलकाता और पूर्वोत्तर राज्यों तक हो चुकी है। नालंदा डेयरी परियोजना में वल्ळ प्लांट के कारण कॉम्फेड देश के विभिन्न हिस्सों में दूध की आपूर्ति कर रही है। वर्ष 2025 में कॉम्फेड ने 5 मीट्रिक टन घी अमेरिका और 8 मीट्रिक टन गुलाबजामुन कनाडा निर्यात कर अपनी वैश्विक उपस्थिति भी दर्ज कराई है। निरीक्षण के दौरान पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की अपर मुख्य सचिव सह कॉम्फेड अध्यक्ष डॉ. एन. विजयलक्ष्मी, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. गोपाल सिंह, जिलाधिकारी पटना डॉ. त्यागराजन एस.एम., कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक और पटना डेयरी प्रोजेक्ट के एमडी रूपेश राज सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पटना के रामकृष्ण नगर थाना अध्यक्ष का हार्ट अटैक से निधन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

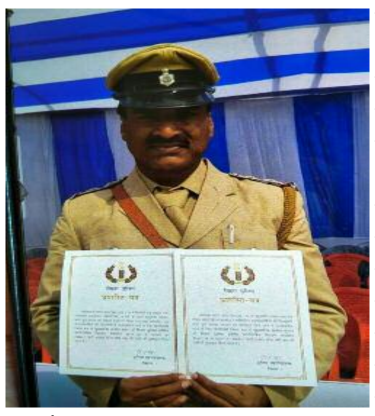

पटना/ जिले के रामकृष्ण नगर थाना में पदस्थापित 2009 बैच के पुलिस पदाधिकारी एवं वर्तमान थाना अध्यक्ष संजीव कुमार का शनिवार की रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह मूल रूप से मुजफ्फरपुर के रहने वाले थे। रात करीब 9 बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत आनंद फनन स्थित पारस हॉस्पिटल ले जाया गया। पारस हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने करीब तीन घंटे तक लगातार प्रयास किया। लेकिन उनकी हृदय गति रुक गई और उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। संजीव कुमार की उम्र लगभग 50 से 55 वर्ष के बीच बताई जा रही है। एसडीपीओ पटना सदर-2 रंजन कुमार ने भी उनके निधन की पुष्टि की है। अचानक हुई इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है। रामकृष्ण नगर थाना के सभी पदाधिकारी मातम में डूबे हुए हैं। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। संजीव कुमार एक नेक, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी माने जाते थे। उनकी अचानक मौत से पुलिस विभाग में गहरा सदमा है।

पटना में किया गया अंतराष्ट्रीय मगही परिषद की बैठक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार प्रखण्ड अंतर्गत मछुआ गांव स्थित मगही साहित्य सम्मेलन कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मगही परिषद् के बैनर तले एक बैठक का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार बैठक की अध्यक्षता डॉ० दिलीप कुमार ने किया। बैठक के दौरान वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश तथा मगही अंतराष्ट्रीय सेमिनार कराने पर विचार विमर्श किया गया।

नेपाल से आये मगही अंतर्राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष डॉ० बीर बहादुर महतो ने अपना विचार व्यक्त करते हुए वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश को अंतिम रूप देने पर बल दिया। उन्होंने ये भी कहा की मगही शब्दों के अर्थ भी मगही में ही होना चाहिए। साथ ही जो शब्द अधिक क्लीष्ट हो वैसे शब्दों को वाक्य प्रयोग द्वारा उसके अर्थ को स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने मगही के विकास पर बल देते हुए कहा कि कम से कम साल में दो बड़े सेमिनार का आयोजन होना नितांत आवश्यक है। इसके लिए जल्द ही एक सेमिनार का आयोजन करने का प्रारुप दिया। औरंगाबाद से आये प्रो० अलखदेव प्रसाद अचल ने कहा कि हमें वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश के शब्द संग्रहण कार्य को अंतिम दिसंबर तक अंतिम रुप देकर संपादक के पास जमा कर देना चाहिए। डॉ० दिलीप कुमार ने कहा कि वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश निर्माण में लगे सभी साहित्यकारों से आग्रह है कि सभी साहित्यकार तत्परता से कार्य करें। ताकि शब्दकोश का प्रकाशन समय सीमा से पूर्व हो जाए। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, खुला नालन्दा विश्वविद्यालय, नालन्दा नव महाविहार के अलावे मगध क्षेत्र में पड़ने वाले सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से स्नाकोत्तर मगही की पढ़ाई यथाशीघ्र शुरू करने का आग्रह किया है ताकी मगही भाषा का कल्याण हो। मगही भाषा का विरासत इतना पुराना है फिर भी आज तक मगही भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं हुआ है। मगही साहित्य सम्मेलन अछुआ के अध्यक्ष प्रो० अवधेश कुमार सिन्हा ने कहा कि वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश की एक अलग पहचान होगी। इसमें लगे सभी साहित्यकारों को मेरे तरफ से हार्दिक बधाई। इनकी तत्परता, लगनशीलता सराहनीय है। रंगमंच के युवा कलाकार रजनी कान्त ने कहा कि वैश्विक मगही समावेशी शब्दकोश सचमुच में एक धरोहर होगा। इस कार्य के लिये डॉ० बीर बहादुर महतो को बहुत-बहुत बधाई। इसके अलावे ऑनलाइन कार्यक्रम से जुड़कर विचार व्यक्त करने वाले साहित्यकारों में अछूत भानु, मणिकांत मणि, किरण शर्मा, सुमंत, पवन तनय, राशी शर्मा, डॉ० उमाशंकर सिंह सुमन रहें।

अक्षर आंचल योजना के तहत नबीनगर में बुनियादी साक्षरता परीक्षा संपन्न

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) रविवार को नबीनगर में दलित, महादलित ,अति पिछड़ा अल्पसंख्यक अक्षर आंचल योजना के तहत बुनियादी साक्षरता परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 14 से 45 वर्ष की आयु की असाक्षर महिलाएं शामिल हुईं। कई परीक्षा केंद्रों पर महिलाओं में परीक्षा को लेकर उत्साह देखा गया वही कई महिलाएं परीक्षा देने के लिए अपने छोटे छोटे बच्चों को साथ लेकर आई थी तो कई महिलाएं अपने बच्चे को गोद में लेकर आई।अक्षर आंचल योजना से जुड़े के आर पी राजकुमारी ने बताया कि परीक्षा के लिए प्रखंड के 18 मध्य विद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां 3975 महिलाओं को शामिल होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस परीक्षा में 3285 परीक्षार्थी महिलाएं शामिल हुईं।परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। राजकुमारी ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य महिलाओं को साक्षर बनाना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि सभी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बीआरसी नबीनगर में शिक्षकों द्वारा किया जाएगा उसके बाद सफल महिलाओं को शिक्षा विभाग के जन शिक्षा निदेशालय ,पटना द्वारा बुनियादी साक्षरता का प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

सेवानिवृत पर विद्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह का किया आयोजन

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) रविवार को नबीनगर प्रखंड के मध्य विद्यालय मध्य विद्यालय बगही में सेवानिवृत के अवसर पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह के सम्मान में विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजनारायण राय, डीडीओ देव बिहारी सिंह, म वि चंद्रगढ़ के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार सिंह, शिक्षक नेता धनंजय कुमार सिंह, प्रधान शिक्षक हरिहरपुर राजेश कुमार सिंह और मध्य विधालय बगाही के प्रधानाध्यापक निर्मल कुमार प्रियदर्शी ने संयुक्त रूप से दीप जला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।मंच का संचालन राजेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में आए सभी आगंतुक अतिथियों को अंगवस्त्र और फूलमाला से स्वागत किया गया।वही सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को अंग वस्त्र और उपहार देकर विदाई सह सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने सेवानिवृत प्रधानाध्यापक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृति और स्थानांतरण एक सरकारी विभाग में एक सतत प्रक्रिया है और इससे सभी को गुजरना होना पड़ता है। लोगो ने उनके कार्यों को सराहना करते हुए कहा कि संजय सिंह एक कर्तव्यनिष्ठ और और अपने कार्यों के प्रति उत्तरदायी व्यक्ति थे।इस अवसर पर में इस विधालय से स्थानांतरित शिक्षक मो तौफिक व निखिल कुमार को भी विदाई दी गई। मौके पर शिक्षक प्रद्योत कुमार, मुकेश कुमार, रितेश कुमार और ग्रामीण दिनेश कुमार सिंह, कृष्णा सिंह, अमरेश सिंह, शारदा सिंह, पुरुषोत्तम सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

पटना में तेज रफ्तार वाहन का कहर जारी

पैदल जा रहे व्यक्ति को हाइवा से कुचलकर मौत, चालक फरार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के बेलदारी चक इलाके में रिंग रोड पर तेज रफ्तार वाहन हाइवा ने एक पैदल जा रहे व्यक्ति को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि व्यक्ति का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया जिससे उसकी पहचान करना भी मुश्किल हो रहा था। हालांकि बाद में मृतक की पहचान हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और छानबीन शुरू कर दी। वहीं मृतक की पहचान महद्दीपुर गांव निवासी उमेश पासवान के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मत गया। मृतक के पत्नी बच्चे पूरे परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।गौरीचक थाना अध्यक्ष ने बताया कि मृतक पटना जिला के गौरीचक थाना अंतर्गत महदीपुर गांव निवासी सखिचन्द्र पासवान के 52 वर्षीय पुत्र उमेश पासवान के रूप में हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिवत कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए एनएमसीएच पटना भेज दिया। चालक फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

स्वदेशी जागरण मंच सरायकेला खरसावां जिला का चौथा जिला सम्मेलन का हुआ आयोजन

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 07 दिसंबर 2025: स्वदेशी जागरण मंच सरायकेला खरसावां जिले का चौथा जिला सम्मेलन का आयोजन सामुदायिक भवन छोटा गम्हरिया में हुआ जिसमे पुरे जिले के 9 प्रखंड से 200 प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह पर्यावरण प्रमुख बन्दे शंकर सिंह, सम्मानित अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के प्रान्त प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा एवं प्रान्त विचार विभाग प्रमुख जटाशंकर पाण्डेय रहे। उद्घाटन सत्र का संचालन जिला की पर्यावरण प्रमुख रश्मी साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला के कोष प्रमुख प्रमोद अग्रवाल जी ने किया। स्वागत भाषण जिला संयोजक अजित सिंह ने किया। विषय प्रवेश करते हुए प्रान्त के प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा ने कहा कि देश कि राजनैतिक स्वतंत्रता में भी स्वदेशी कि अहम भूमिका रही। 1905 में जब महात्मा गांधी ने स्वदेशी आंदोलन कि शुरूवात की तो उसका असर देश के हर वर्ग पर हुआ। उनके आंदोलन से प्रेरित हो एक 22 साल का युवा शहीद बाबू गेनू ने विदेश से आये कपड़ों को अपने देश में ना घुसने का प्रण लिए अपने प्राणो का बलिदान दिया जों की स्वदेशी दिवस का आधार बना। राजनैतिक आजादी के बाद देश में आर्थिक नितियाँ मजबूत ना होने की वजह से 1991 तक में देश आर्थिक मोर्चे पर कमजोर पड़ गया जिससे निपटने के लिए उस समय के वित्त मंत्री मनमोहन सिंह जी ने नयी आर्थिक नीतियों की घोषणा की जिसमे विदेशी कंपनियों के लिए भारत में रास्ता खोला गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक राष्ट्ररिशी दत्ततोपंत थेंगरी ने विदेशी कंपनियों के भारत आने पर होने वाले दुष्प्रेभावों को आंकते हुए स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना 22 नवंबर 1991 को नागपुर में किया। आज विगत 34 वर्षो से मंच देशी उत्पादों का अधिकारी उपयोग, भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का प्रवाह हर परिवार में हो, पर्यावरण संरक्षण, स्वावलंबन, जैविक खेती एवं गाओं से पलायन रोकने हेतु पुरे देश में जन जागरण का कार्य कर रहा है। सत्र में मुख्य अतिथि एवं वक्ता बन्दे शंकर सिंह ने कहा कि आज पूरा देश यह जान गया है की स्वदेशी ही एकमात्र ऐसा आधार है जिससे हम भारत को एक वैभवशाली एवं समृद्धशाली देश बना सकते है। उन्होंने कहा की हमे विवेकपूर्ण ढंग से एक विकास का मॉडल तैयार करना होगा जिससे देश गरिबिमुक्त , रोजगार युक्त और प्रदुषणमुक्त पर्यावरण रहे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हम दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है लेकिन प्रति व्यक्ति आय के अनुसार हम 142 वे स्थान में है। हम पुरे विश्व की जनसँख्या के लगभग 18.5% है लेकिन विश्व की कुल आमदनी का 3.5 % आय का अर्जन ही हम कर पा रहे हैं। इस परिदृश्य से निपटने के लिए हमे दो प्रमुख काम करने होंगे - पहला जितने उत्पाद का भारतीय विकल्प यदि हमारे पास है तो हमे उसे ही लेना चाहिए और दूसरा हमारी शिक्षा पद्धति में अनुसंधान सम्बंधित विषयों एवं प्रोजेट्स को जोड़ना होगा। साथ ही हमारी सारी भारतीय कंपनियां रिसर्च एंड डेवलपमेंट में यदि अपना ध्यान बढ़ा दे तो आने वाले समय में हम भी चीन, अमेरिका और यूरोप जैसे विकसीत देशो को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। ऐसा हमने सुरक्षा के छेत्र में कर के भी दिखाया है। उन्होंने कहा की आज से 400 साल पहले पहले सारी दुनिया की आय मूलतः कृषि आधारित थी। आज अमेरिका लगभग 7.7 ट्रिलियन डॉलर रॉयलिटी से कमाता है जिसका प्रमुख वजह उसकी शिक्षा , कौशल विकास और अनुसंधान है। वर्तमान में हम भी इन छेत्रों को केंद्रित कर कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन बतौर जिम्मेदार नागरिक हमे सरकार से इन विषयों पर जोर देने की मांग भी करनी होगी और स्वयं भी इसमें उनका सहयोग करना होगा , तभी जा कर हमारा देश बनेगा समृद्ध एवं वैभवशाली।

कार्यक्रम के अगले सत्रों में स्वलम्बी भारत अभियान के विषय पर प्रान्त के युवा प्रमुख पंकज सिंह ने स्वदेशी समर्थकों से बच्चों एवं उनके अभिभावकों को स्वरोजगार के प्रति जागरूकता फैलाने कि अपील कि और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच प्रण सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन यानी स्वदेशी एवं नागरिक कर्त्तव्य बोध के विषय पर जिले के व्यवस्था प्रमुख मिथिलेश कुमार का मार्गदर्शन रहा।

पूर्व विदेश मंत्री एवं देश के पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने किया वन भोज का आयोजन

मिंटू कुमार दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

डेमो टांड़ स्थित ऋषभ वाटिका के परिसर में हजारीबाग लोकसभा के पूर्व सांसद सह पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने अपनी धर्मपत्नी प्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमती नीलिमा सिन्हा के संग लोकसभा क्षेत्र के अपने पुराने मित्रों के साथ वन भोज का कार्यक्रम आयोजन किया।

बनभोज कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने जमकर लिट्टी चोखा और मीट खाकर आनंद उठाया इस अवसर पर बहुत सारे पुराने मित्र जो काफी दिनों से मिल नहीं पाए थे वह सब मिलकर एक दूसरे का हाल-चाल जाना एक दूसरे से हजारीबाग की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ एसके सिन्हा, डॉ मिराज, प्रकाश मिश्रा, प्रोफेसर सुरेंद्र सिन्हा ,अंजली कुमारी,दीपक नाथ सहाय, प्रियंवदा, टुन्नू गोप, शिव शंकर प्रसाद गुप्ता, सुमन कुमार पप्पू, गणेश यादव, शैलेंद्र कुमार सिन्हा, अंबिका सिंह, जगतार सिंह, चंद्रभूषण साहू,राजेश सहाय, संजय सिंह, जितेंद्र जैन, विपिन कुमार सिन्हा, रोहित बरनवाल, भोला कुशवाहा, मिथिलेश कुमार मने, कृष्ण कुमार सिन्हा अजय कुमार, दिलीप कुमार सिन्हा, आशीष सिंह, हिमांशु कुमार, प्रदीप विश्वकर्मा प्रभात प्रधान, बिजुल देवी, उमा पाठक, रत्ना सिन्हा, श्वेता सिन्हा, पुष्पा तिर्की, सरस्वती देवी, भरत सिंह, नंदलाल प्रसाद मेहता, राजीव श्रीवास्तव, संजीव कृष्ण जमुवार, देवेंद्र सिंह, अनेशर प्रसाद, ओम प्रकाश सिन्हा पिंकू, अनूप भाई वर्मा, विकास कुमार सिन्हा, संजय कुमार सिन्हा, जागेश्वर प्रजापति, सर्वेश सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में गण्य मान्य सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित हुए। उक्त जानकारी यशवंत सिन्हा के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा ने दिया।

झारखंड आदिवासी संथाल समिति पुनर्गठन

महेंद्र हांसदा अध्यक्ष, राजाराम बेसरा बने सचिव

9 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा सोहराय: सांझलु

राहुल कुमार गुप्ता, संवादाता विष्णुगढ़, दैनिक समाज जागरण।

विष्णुगढ़ ।झारखंड आदिवासी संथाल समिति विष्णुगढ़ के द्वारा रविवार को अलखरी कला के बहाटंड में बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की

अध्यक्षता राजाराम बेसरा व संचालन सांझलु हांसदा ने किया।बैठक में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आदिवासी समुदाय के लोग जुटे थे।बैठक के दौरान कमेटी का पुनर्गठन एवं 9 जनवरी 2026 को धूमधाम से सोहराय मनाने का निर्णय लिया गया।समिति का पुनर्गठन करते हुए अध्यक्ष महेंद्र हांसदा,उपाध्यक्ष बाबूचंद हेंब्रम,सचिव राजाराम बेसरा,सह सचिव सोहन हेंब्रम,कोषाध्यक्ष सांझलु हांसदा,मीडिया प्रभारी महाबीर सोरेन,अरविंद मुर्मू,संयोजक गणेश मुर्मू कार्यकरणी सदस्य रीना देवी,देवती देवी,नीरमती देवी, साझली देवी,चांदमुनी देवी को सर्वसम्मति से बनाया गया।

यादव समन्वय समिति कोल्हान का पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज 8 फरवरी को होगा भव्य आयोजन

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 7 दिसंबर 2025: दिनांक 07 दिसंबर 2025 (रविवार) को यादव समन्वय समिति कोल्हान की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष राजकिशोर यादव की अध्यक्षता में गायत्री निकेतन आदित्यपुर में सम्पन्न हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य ह्लपारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोजह्व का आयोजन आगामी दिनांक 08 फरवरी 2026 (रविवार) को जयप्रकाश उद्यान आदित्यपुर (खड़कई ब्रिज के समीप) में किया जाएगा।

कार्यक्रम की बेहतर तैयारी एवं संचालन के लिए एक संचालन समिति का गठन किया गया तथा विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।समिति ने निर्णय लिया कि कोल्हान के सभी क्षेत्रों में रहने वाले यदुवंशी परिवारों को कार्यक्रम में सम्मिलित करने के लिए टीम बनाकर आमंत्रण अभियान चलाया जाएगा। बैठक में समिति के संयोजक श्री सत्यप्रकाश सुधांशु, सलाहकार समिति के वरीय सदस्य श्री एस.एन. यादव, श्री डी.एन. सिंह, महासचिव श्री राम यादव, कोषाध्यक्ष श्री राजेश कुमार, तथा कार्यकारिणी सदस्य श्री बिंदेश्वरी यादव, श्री बिरेंद्र यादव, श्री अर्जुन यादव, श्री सकलदेव यादव, श्री शंभू यादव, श्री मथुरा प्रसाद, बैजू यादव, गजेंद्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

विस्थापितों के समस्यायों का समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता :- चन्द्रप्रकाश

भुनेश्वर कुमार महातो , संवाददाता - समाज जागरण

बेरमो / डुमरी : गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी के अथक प्रयास से कोल इंडीया द्वारा कोयला सैम्पलिंग " कोयला विक्री नीति " वापस लेने की खुशी में अमलो सेल परियोजना के डीओ होल्डर, वाहन मालिकों और विस्थापितों नें गिरिडीह लोकसभा के सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी को साँड़ी सरस्वती बगीचा कम्युनिटी सेंटर में पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर आभार व्यक्त किया साथ ही अमलो सेल परियोजना के समस्यायों से विस्थापितों ने अवगत कराये। वही सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने जल्द ही निष्पादन के लिए आश्वाशन दिया। इस मौके पर सेल सांसद प्रतिनिधि सुरेश महतो, आजसू पार्टी बोकारो जिला प्रभारी कमलेश महतो, सेल कमेटी के अध्यक्ष राजन साव ,रूपलाल महतो ,पिंटू कुमार ,संतन गिरि ,निर्मल महतो ,प्रलाहद कुमार ,सोनू कुमार सहित अमलो सेल कमेटी के सदस्य मौजूद थे।